▸▸ वर्ष 73 ▸▸ अंक 210 ▸▸ पृष्ठ 12+8 = 20
रीवा, बुधवार 29 अप्रैल, 2026
▸▸ वैशाख शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2083
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

आप बताएंगे तो मैं भूल जाऊंगा। सिखाएंगे तो मैं याद रखूंगा। शामिल करेंगे तो मैं सीख जाऊंगा।
- बैंजामिन फ्रैंकलिन

विमानन उद्योग पर संकट: फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार को भेजा आपात संदेश, तुरंत हस्तक्षेप की मांग

एफआईए की चेतावनी: एयरलाइंस ऑपरेशन बंद होने के कगार पर

नई दिल्ली/मुंबई, जेएनएन। देश का विमानन क्षेत्र इस समय अभूतपूर्व आर्थिक दबाव से गुजर रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियर एयरलाइंस (एफआईए) ने सरकार को भेजे एक आपात संदेश में चेतावनी दी है कि यदि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों पर तुरंत नियंत्रण नहीं किया गया, तो भारतीय एयरलाइंस को अपने ऑपरेशन बंद करने तक की नौबत आ सकती है। एफआईए, जो एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइस जेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है, ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप और वित्तीय राहत की मांग की है। एफआईए के अनुसार, यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो एयरलाइंस को भारी घाटे का सामना करना

पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप विमान ग्राउंड किए जा सकते हैं और उड़ानों को रद्द करना पड़ सकता है। एफआईए के अनुसार, एटीएफ की कीमतों में हालिया तेज उछाल ने एयरलाइंस की लागत संरचना को पूरी तरह असंतुलित कर दिया है। पहले जहां ईंधन लागत कुल परिचालन खर्च का लगभग 30-40 फीसदी होती थी, वहीं ■ शेष पृष्ठ 7 पर

टैक्स ढांचा भी है बड़ी समस्या

11	फीसदी एक्साइज ड्यूटी और वैट बढ़ा रहा लागत
29	फीसदी है तमिलनाडु के चेन्नई में एटीएफ पर वैट
25	फीसदी वैट लगता है देश के एविएशन हब दिल्ली में वैट
16	से 20 फीसदी के बीच मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता में यह दर
50	फीसदी से अधिक हिस्सा संभालते हैं ये छह शहर कुल एयरलाइन गतिविधियों का

दो वजहें: पश्चिम एशिया संकट और एयरस्पेस प्रतिबंध

- एफआईए ने पत्र में कहा है कि पश्चिम एशिया में तनाव ने कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं, जिसका सीधा असर एटीएफ पर पड़ा है।
- साथ ही कई देशों के एयरस्पेस बंद होने या सीमित होने से लंबी दूरी की उड़ानों की लागत भी काफी बढ़ गई है।

नतीजा: एयरलाइंस को अब वैकल्पिक और लंबी उड़ान मार्ग अपनाने पड़ रहे हैं, जिससे ईंधन खपत और समय दोनों बढ़ रहे हैं।

यूरोप में छोटे एयरपोर्ट पर खतरा

इधर, यूरोप की इंटरनेशनल एयरपोर्ट काउंसिल ने चेतावनी दी है कि अगर पश्चिम एशिया संकट के कारण जेट फ्यूल की कमी बढ़ी और उड़ानों की बड़े पैमाने पर कटौती हुई, तो कई छोटे एयरपोर्ट बंद होने के कगार पर पहुंच सकते हैं। हालांकि एयरलाइंस का कहना है कि फिलहाल 4 से 6 हफ्तों के लिए ईंधन आपूर्ति सामान्य है, लेकिन होर्मुज के प्रभावित होने और पश्चिम एशिया में तनाव के चलते जेट फ्यूल की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इससे कई एयरलाइंस ने कुद रूट्स पर उड़ानें रद्द करना शुरू कर दिया है।

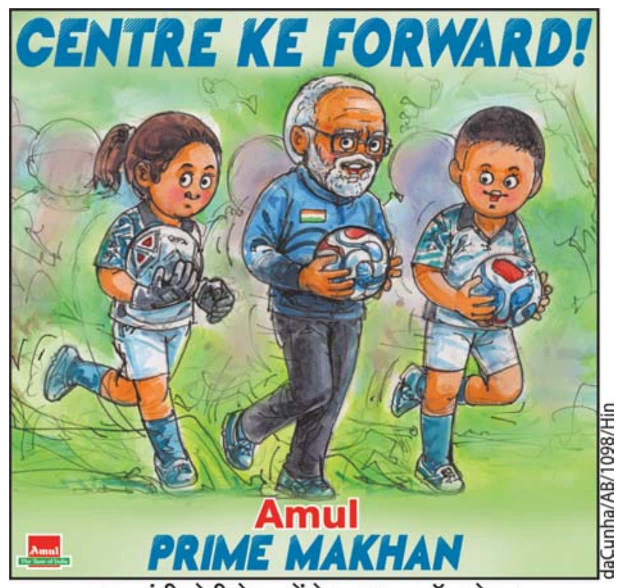

प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों के साथ फुटबॉल खेला!

ऑफ बीट

शताब्दी के यात्रियों के लिए बढ़ेंगी सुविधाएं

भारतीय रेलवे शताब्दी और जनशताब्दी के यात्रियों का सफर और आरामदायक व आधुनिक करने जा रही है। इस पहल के तहत इन ट्रेनों में वंदे भारत जैसी आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। रेलवे मंत्रालय ने देशभर में एक विशेष अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य पुरानी प्रीमियम ट्रेनों को आधुनिक बनाना और यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करना है। इससे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को शानदार प्रतिक्रिया मिल चुकी है, जिसके बाद अब शताब्दी ट्रेनों को भी अपग्रेड करने की योजना बनाई गई है। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को निर्देश जारी किए हैं कि वे शताब्दी और जन शताब्दी ट्रेनों के कोच (रेक) का निरीक्षण करें और कमियों की पहचान कर उन्हें जल्द दूर करने का प्लान तैयार करें।

गार्डों से कलमा पढ़ने कहा फिर चाकुओं से गोद डाला

ठाणे में हमला: आरोपी के घर मिले आईएसआईएस के दस्तावेज

मुंबई/ठाणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में दो सुरक्षा गार्डों पर हुए चाकू हमले के मामले में जांच एजेंसियों को गंभीर और चिंताजनक सुराग मिले हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के घर से बरामद दस्तावेजों में 'लोन वुल्फ' हमले और इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़े संदर्भ पाए गए हैं। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्म-उग्रवाद (सेल्फ-रैडिक-लाइजेशन) से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में 31 वर्षीय जैब जुबेर अंसारी को गिरफ्तार किया है। घटना सोमवार तड़के करीब 4 बजे मीरा रोड के नया नगर इलाके में एक निर्माणाधीन साइट पर हुई, जहां दो निजी सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर तैनात थे।

जांच के अनुसार, आरोपी पहले मौके पर पहुंचा और गार्ड्स से पास की मस्जिद का रास्ता पूछा। जब उन्होंने अनभिज्ञता जताई, तो वह कुछ समय बाद लौटा। इस बार उसने गार्ड्स से उनका धर्म पूछा और फिर अचानक चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि उसने एक गार्ड से 'कलमा' पढ़ने को भी कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो आरोपी ■ शेष पृष्ठ 7 पर

आरोपी जैब जुबेर अंसारी।

सीसीटीवी से गिरफ्तारी एटीएस ने संभाली जांच

घटना के बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की और करीब 90 मिनट के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच के बाद मामले को महाराष्ट्र एंटी टैररिज्म स्क्वाड (एटीएस) को सौंप दिया गया है।

अमेरिका में रहा, कैमिस्ट्री की कोचिंग देता था

जांच में सामने आया है कि आरोपी 2000 से 2020 तक अमेरिका में अपने परिवार के साथ रहा था और बाद में भारत लौट आया। वह मीरा रोड के नया नगर इलाके में अकेले रह रहा था और ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी अफगान मूल की है और उससे अलग होकर वापस अमेरिका चली गई थी। इसके बाद वह अकेले रह रहा था, और इसी दौरान उसके कट्टरपंथी विचारों की ओर झुकाव बढ़ा।

पंजाब में रेलवे ट्रैक ब्लास्ट केस, 4 गिरफ्तार

पटियाला, जेएनएन। पंजाब के पटियाला जिले के राजपुरा इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि यह आतंकी साजिश पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विदेश में सक्रिय खालिस्तानी संगठनों के इशारे पर रची गई थी। पटियाला रेंज के डीआईजी कुलदीप चहल के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह बंगा, सतनाम सिंह सत्ता और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी के रूप में हुई है। इनके पास से एक बम, दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और आईईडी बरामद किए गए हैं।

आईएसआई और खालिस्तानी संगठनों से जुड़े होने का दावा

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह मॉड्यूल मलेशिया में बैठे खालिस्तानी कट्टरपंथी संगठनों और आईएसआई के संपर्क में था। पुलिस के अनुसार, इनका मकसद पंजाब में शांति भंग करना और रेलवे जैसी अहम सेवाओं को बाधित कर दहशत फैलाना था।

भोपाल के जम्बूरी मैदान में 'शौर्य यात्रा' का आयोजन

राजा हिरदेशाह लोधी की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होगी: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार सांस्कृतिक पुनरोत्थान के लिए संकल्पित है। हम भूले-बिसरे उन नायकों को समाज के सामने ला रहे हैं, जिन्होंने अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ सबसे पहले संगठित विद्रोह किया। इनमें राजा हिरदेशाह लोधी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राजा हिरदेशाह लोधी एवं अन्य क्रांतिकारियों की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा और उनके योगदान पर शोध कार्य प्रारम्भ किए जाएंगे।

राजा हिरदेशाह पर केंद्रित शौर्य यात्रा को संबोधित करते मुख्यमंत्री।

मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी के जम्बूरी मैदान में आयोजित शौर्य यात्रा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नई ऊर्जा दे रहा है। वर्ष 1842 बुंदेला विद्रोह के महानायक वीर राजा हिरदेशाह लोधी को नर्मदा टाइगर के नाम से भी जाना जाता है। जिन्होंने 1857 की क्रांति से पहले आजादी के लिए 1842 में क्रांति का बिगुल फूंका था। आज राजा हिरदेशाह लोधी की 168वीं पुण्यतिथि पर शौर्य यात्रा के माध्यम से समाज के महापुरुषों के संघर्ष को भी याद करने की आवश्यकता है। नर्मदा के किनारे हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम से एक तीर्थ स्थल का निर्माण किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि लोधी समाज वीरता और किसान योद्धा परंपरा का प्रतीक है। सरकार प्रदेश की विरासत और महान हस्तियों के सम्मान में निरंतर गतिविधियां संचालित कर रही है। रानी अवंतीबाई के नाम पर सागर में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।

इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि यह कार्यक्रम अपने पुरखों के बलिदान को स्मरण करने का है। आज सामाजिक जीवन में शिक्षित होने के साथ संस्कारित बनने का संकल्प भी लेना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आजादी के गुमनाम नायकों को याद करने का आह्वान किया था। आज सवाल यह नहीं है कि 1857 की क्रांति बड़ी थी या 1842 की। राजा हिरदेशाह के द्वारा 1842 में आरंभ की गई बुंदेली क्रांति से 1942 भारत छोड़ो आंदोलन तक का कालखंड भारत के ऐतिहासिक आंदोलन में सबसे महत्वपूर्ण 100 वर्ष हैं। राजा हिरदेशाह ने 1842 से 1858 तक लगातार ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष जारी रखा। उन्होंने कहा कि लोधी समाज सामर्थ्यवान हैं, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए दुश्मनों से लोहा लिया, प्रश्न यह है कि वो पिछड़े कैसे हो गए। समाज के युवाओं को साहसी, सामर्थ्यवान, शिक्षित और संस्कारवान बनने की आवश्यकता है। स्वतंत्रता आंदोलन में पहली क्रांति नर्मदा के तट पर 1842 में शुरू हुई थी।

आईपीएल में आज

मुंबई बनाम हैदराबाद
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: राजस्थान ने पंजाब को 6 विकेट से हराया।

कर्नाटक: 'फूहड़' गानों पर अब नहीं नाचेंगे छात्र

नई दिल्ली/बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक में राज्य के सभी स्कूलों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में बच्चों द्वारा अश्लील या फूहड़ गानों पर डांस करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पहनावे और प्रस्तुतियों को लेकर भी स्पष्ट नियम तय किए गए हैं। शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है, जो विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों की ओर से सामने आई थीं। इन संगठनों ने आरोप लगाया था कि कई स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों में ऐसे गानों और डांस स्टेप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो बच्चों के मानसिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि स्कूल 'ज्ञान के मंदिर' होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के दोषी की सजा की निलंबित, बेल

हाईकोर्ट में सुनवाई में अत्याधिक देरी का आधार

नई दिल्ली, जेएनएन। एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के एक दोषी को राहत देते हुए उसकी सजा निलंबित कर दी और उसे जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह फैसला असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए दिया, जहां दोषी की आपराधिक अपील कई वर्षों से लंबित है और निकट भविष्य में उसकी सुनवाई की संभावना भी नहीं दिख रही। हालांकि, यह राहत कुछ शर्तों के साथ दी गई है, जिनका पालन करना अनिवार्य होगा। ये शर्तें ट्रायल कोर्ट द्वारा तय की जाएंगी। मामले की सुनवाई जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने की। याचिकाकर्ता ने सीआरपीसी की धारा 389(1) के तहत सजा निलंबन और जमानत की मांग की थी।

मध्य प्रदेश का है मामला

याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट ने अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दोषी ने इस सजा को चुनौती देते हुए वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी, लेकिन यह अपील अब तक लंबित है। इस दौरान वह लगभग आठ साल जेल में बिता चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट वर्ष 2013 और 2014 की आपराधिक अपीलों की सुनवाई कर रहा है, जबकि याचिकाकर्ता की अपील 2018 की है। ऐसे में उसकी अपील की सुनवाई में अभी 3 से 4 साल और लग सकते हैं। अदालत ने माना कि इस तरह की लंबी देरी के कारण याचिकाकर्ता को लगातार जेल में रखना न्यायसंगत नहीं होगा।

इंदौर: राजा हत्याकांड में सोनम को मिली जमानत

जागरण, इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को जमानत मिल गई है। सोनम मेघालय के शिलॉन्ग जेल में बंद है। शिलॉन्ग कोर्ट ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। इंदौर में राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने बताया कि उन्होंने इस बारे में शिलॉन्ग के वकील से बातचीत की तो सोनम की जमानत के बारे में पता चला। संभवतः आज सोनम को जेल से छोड़ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज कुशवाहा की जमानत के लिए भी अर्जी लगाई गई है। हम लोग हाईकोर्ट में जाएंगे। मालूम हो कि राजा रघुवंशी मर्डर केस में गिरफ्तार पांच में से अब तक चार आरोपियों को जमानत मिल चुकी है।

पांच में से 4 आरोपियों को राहत, राज ने भी लगाई अर्जी

हादसा: निवाड़ी में ड्राइवर और क्लीनर जिंदा जले

जागरण, निवाड़ी। प्रदेश के निवाड़ी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोग जिंदा जल गए। दरअसल एक डंपर सड़क किनारे खड़े ट्राले में पीछे से घुस गया। जोरदार टक्कर के बाद डंपर में आग लगने से ड्राइवर और क्लीनर को बचने का मौका ही नही मिला और दोनों जिंदा जल गए। हादसा बड़ा तालाब के पास सोमवार-मंगवार की दरमियानी रात का है। मृतकों की पहचान राजा और गोपाल अहिरवार के रूप में हुई है। दोनों चैनपुरा बटियागढ़ नरसिंहगढ़ के रहने वाले थे। राजा की तीन बेटियां और एक बेटा है। वहीं, गोपाल की दो बेटियां हैं। पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन में आग लग गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। चार दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया। क्रेन की मदद से डंपर के केबिन को हटाकर देखा तो दो शव जले मिले। मृतक दमोह नरसिंहपुर से जा रहे थे।

खड़े ट्राले से टकराया डंपर

पश्चिम बंगाल में दूसरे और अंतिम चरण की वोटिंग आज

142 सीटों पर होगा मतदान, 1473 प्रत्याशी मैदान में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विस चुनाव के दूसरे चरण के तहत बुधवार को 142 सीटों पर मतदान होगा। मतदान से एक दिन पहले राज्य में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट पर केंद्रीय बलों ने फ्लैग मार्च निकाला, ताकि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हो सके। इस सीट पर भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। दूसरे चरण में कुल 1,473 उम्मीदवार मैदान में हैं। इससे पहले 23 अप्रैल को हुए पहले चरण में 92.72 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था। मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां ईवीएम मशीनों के साथ बूथों पर पहुंच चुकी हैं। भीषण गर्मी के कारण कोलकाता में एक महिला कर्मचारी बेहोश हो गई, जिससे व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठे हैं। चुनाव से पहले छुटपुट हिंसा की घटनाएं भी सामने आई हैं। उत्तर 24 परगना में भाजपा उम्मीदवार के घर के बाहर फायरिंग हुई, जबकि हावड़ा में एक बूथ परिसर से क्रूड बम बरामद किए गए।

तृणमूल पार्षद समेत 1,543 गिरफ्तार: दूसरे चरण के मतदान से पहले राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भी शामिल हैं।

500 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्ती: बंगाल में 510 करोड़ रु. से अधिक की अवैध सामग्री जब्त हो चुकी है। 2021 के चुनाव में 339 करोड़ की जब्ती हुई थी।

तृणमूल सांसद पर हमला: हुगली के गोघाट में तृणमूल सांसद मिताली बाग की गाड़ी पर पत्थरों से हमला हुआ। इसमें कांच लगने से वह घायल हो गईं।

आरटीई कानून पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

राज्य द्वारा चयनित छात्र को तुरंत दाखिला दें स्कूल

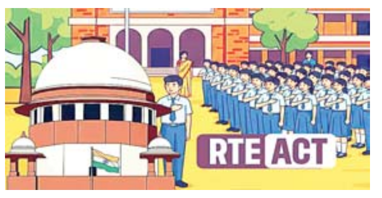

नई दिल्ली, जेएनएन। शिक्षा के अधिकार को लेकर एक अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि निजी 'नेबरहुड स्कूल' राज्य सरकार द्वारा चयनित और आवंटित छात्रों को तुरंत प्रवेश देने के लिए बाध्य हैं। स्कूल किसी भी प्रकार की पात्रता संबंधी आपत्ति या विवाद का हवाला देकर दाखिले में देरी नहीं कर सकते। यह फैसला राइट टू एजुकेशन एक्ट 2009 (आरटीई) के तहत कमजोर और वंचित वर्गों के बच्चों को मिलने वाले अधिकारों को और मजबूत करता है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे

सख्त टिप्पणी: स्कूल किसी भी प्रकार की पात्रता संबंधी आपत्ति या विवाद का हवाला देकर दाखिले में देरी नहीं कर सकते

की पीठ ने कहा कि यदि किसी स्कूल को छात्र की पात्रता पर संदेह है, तो वह संबंधित सरकारी प्राधिकरण के सामने अपनी आपत्ति रख सकता है, लेकिन इस आधार पर छात्र का दाखिला रोकना या टालना कानून के खिलाफ है। अदालत ने कहा, 'स्कूल सरकार के फैसले के खिलाफ अपील की तरह व्यवहार नहीं कर सकते। उन्हें राज्य द्वारा भेजी गई सूची के आधार पर तुरंत दाखिला देना ही होगा।' यह मामला उत्तर प्रदेश के एक छात्र से जुड़ा था, जिसे राज्य के बेसिक शिक्षा विभाग ने एक निजी स्कूल में आरटीई के तहत चयनित कर आवंटित किया था।

राजस्थान रॉयल्स ने दी पंजाब को सीजन की पहली शिकस्त (पेज : 11)

पहली बार रीवा के खाते में आया विंध्य विकास प्राधिकरण अध्यक्ष व दूसरी बार उपाध्यक्ष का पद

पूर्व विधायक डॉ पंचूलाल प्रजापति बनाए गए विविप्रा अध्यक्ष, डॉ अजय सिंह उपाध्यक्ष

8 साल के इंतजार के बाद की गई नियुक्ति

जागरण, रीवा। 8 साल के इंतजार के बाद आखिरकार विंध्य विकास प्राधिकरण को उत्तराधिकारी मिल गया। 2008 में विंध्य विकास प्राधिकरण के गठन के बाद पहला मौका है जब रीवा के खाते में विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष व दूसरी बार उपाध्यक्ष का पद आया। इसके वरिष्ठ भाजपा नेत्र विमलेश मिश्रा को बनाया गया था। विविप्रा के गठन के बाद दो बार कमेटी का गठन किया गया और दोनों बार कमान सीधी को सौंपी गयी थी। लेकिन इस बार विविप्रा की कमान रीवा के हाथ आई। सरकार ने विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष का पद का सेहरा तीन बार के विधायक व खांटी भाजपा नेता डॉ पंचूलाल प्रजापति के सिर बांधा है। इसके साथ ही चार वर्षों तक भाजपा रीवा की संगठनात्मक कमान सभालने वाले डॉ अजय सिंह पटेल को उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि हर पहले देवतालाब फिर मनगवां सुरक्षित सीट से अजेय रहे पंचूलाल प्रजापति को 2023 के चुनाव में टिकट नहीं मिला और इंजी. नरेंद्र प्रजापति को भाजपा ने मैदान में उतारा था। इस बात पर नाराजगी जताने पर पार्टी ने उनको उचित सम्मान का आश्वासन दिया था, जो अब जाकर पूरा हुआ। ये उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के तटस्थ नेताओं में हैं परिणामतः परिस्थितियां उनके पक्ष में गईं और कैबिनेट मंत्री दर्जा का पद प्राप्त हुआ। वहीं डॉ अजय सिंह को संगठन के कुशल संचालन का प्रतिसाद मिला है। डॉ सिंह को पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा का वरदहस्त प्राप्त है। विविप्रा के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति भी इसी दरवाजे के प्रभाव की मानी जा रही है।

संगठन में रीवा के नेताओं की कमजोर उपस्थिति की भाजपा ने भरपायी करते हुए रीवा के दो नेताओं को अहं पद दिया है। हालांकि भाजपा ने यहां भी जातीय संतुलन साधा। दलित को अध्यक्ष व पिछड़ा वर्ग को उपाध्यक्ष पद देकर दोनो वर्गों का विश्वास जीतने की कोशिश की है।

विधानसभा चुनावों में अजेय रहे हैं पंचूलाल

1998 में पंचूलाल प्रजापति जब पहली बार विधायक बने तब उन्हें विपक्ष की भूमिका में रहना पड़ा। इसके बाद 2003 के चुनाव में डॉ प्रजापाति को दोबारा देवतालाब विधानसभा में उतारा गया जहां व विजयी रहे। 2008 के विधान सभा चुनाव में परिसीमन के बाद मनगवां सुरक्षित सीट बनी जहां से उनकी धर्मपत्नी पन्नाबाई प्रजापति को पार्टी ने उतारा जिसमें उन्होंने जीत दर्ज करायी। 2013 के विस चुनाव में भाजपा ने फिर पन्नाबाई प्रजापति को मैदान में उतारा और इस बार उन्हें 200 मतों के मामूली अंतर से सीट खोनी पड़ी। 2018 के चुनाव में पार्टी ने फिर से पंचूलाल प्रजापति को मैदान में उतारा और वे विजयी रहे। यानी पंचूलाल जब भी मैदान में उतरे, अजेय ही रहे। पंचूलाल को विविप्रा का अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके पूर्व विधायक प्रतिनिधि व विधायक न रहने पर भी साए की तरह साथ में रहने वाले पुष्पराज सिंह, कमल किशोर पांडेय सूरा, भाजपा अजा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामजी प्रजापति, बिहारी लाल सिंह, शीतला सोनी तमा शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

कुशल संगठक माने जाते हैं अजय सिंह

डॉ अजय सिंह पटेल की बात करें तो उन्होंने अखिल विद्यार्थी परिषद में लगभग 20 वर्षों तक विभिन्न संगठनात्मक पदों में भूमिका निभाई थी। 2014 से भाजपा में सक्रिय हुए और इसके बाद 2020 से 2025 तक उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष का दायित्व बखूबी संभाला और पार्टी को नई ऊंचाई भी दी। इस दौरान 2023 का विधान सभा व 2024 का लोकसभा उनके कार्यकाल में ही भाजपा की झोली में गए। उन्होंने संगठन को संगठन की तरह चलाया, जिससे उनकी अलग छवि बनी। यही वजह है कि पार्टी ने विविप्रा उपाध्यक्ष का पद जो राज्यमंत्री दर्ज के समकक्ष माना जाता है, का दायित्व देकर उनका कद बढ़ाया है। श्री पटेल पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रहे वीडी शर्मा के करीबी नेताओं में जाने जाते हैं। डॉ अजय सिंह की नियुक्ति पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह गहरवार,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रवीण त्रिपाठी, अजा मोर्चा अध्यक्ष राम जी प्रजापति, ममता गुप्ता, कुंवर पुष्पेंद्र सिंह, संजय द्विवेदी,संतोष तिवारी, रितेश मिश्रा हर्ष व्यक्त किया है।

अमहिया मार्ग अतिक्रमणकारियों को लास्ट वार्निंग

अब दो दिन बाद चलेगा निगम का बुल्डोजर

रीवा। अमहिया मार्ग के अतिक्रमणकारियों को अपना अतिक्रमण हटाने की मोहलत अब समाप्त होगी। उन्हें लास्ट वार्निंग दे गई है। दो दिन में अतिक्रमण नहीं हटा तो निगम का बुल्डोजर चलेगा। मंगलवार को नवागत निगमायुक्त अक्षत जैन ने भ्रमण कर और उनसे बात कर आखिरी चेतावनी दे दी है। भ्रमण के दौरान निगमायुक्त श्री जैन ने अमहिया रोड चौड़ीकरण कार्य की स्थिति का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों एवं प्रभावित नागरिकों से संवाद करते हुए अपील की कि वे स्वेच्छा से अपने अतिक्रमित हिस्से को हटा लें। इसके साथ ही जिन्होंने अभी तक अतिक्रमण नहीं हटाया है, उन्हें अंतिम चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि वे शीघ्र अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा दो दिवस पश्चात जेसीबी मशीन के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की जाएगी। निगमायुक्त ने कहा कि अमहिया रोड पर दो लेन यातायात की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करना प्राथमिकता है, जिससे आवागमन सुगम एवं सुरक्षित हो सके।

SAVVY MOTHER INTERNATIONAL SCHOOL
www.savvyrewa.com
Nursery To 12th
Data science | Innovation lab
Brainywood | Innovation lab
ADMISSION OPEN 2026-27
9329517009, 9630520901
In Front Of Chamadiya Petrol Pump Azad Nagar Urrahat Rewa M.P.

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
PENTIUM POINT GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by BCI, PCI, AICTE & MPHED
ADMISSION OPEN
JOB ORIENTED COURSES
LAW: BA LLB, BBA LLB, B.COM LLB, LLB, LLM
PHARMACY: B. Pharma, D. Pharma
MANAGEMENT: BBA, MBA
SPECIAL: BCA, M.SC (Biotech), M.Sc (Chemistry), PGDCA
OTHER: BA (All Stream), MA. (All Sub.), B.Sc (CS & Biotech), M.SC, B.Com, M.Com
07662438035, 9993208439, 8349633349, 9993484354
www.ppgirewa.com pptcrewa@rediffmail.com
Head Office: Hedgewar Nagar, Near College Chowk, Rewa (M.P.)
New Campus: Semariya Road, Karahiya, Rewa (M.P.)

दैनिक जागरण रीवा संस्करण की 73वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
VHRC
विंध्य हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, रीवा
विगत 12 वर्षों से रोगियों की सेवा में समर्पित
किडनी, स्टोन एण्ड प्रोस्टेट क्लीनिक — डॉ. विशाल मिश्रा, M.S., M.Ch. (Urology)
लिवर, गैस्ट्रो एण्ड इण्डोस्कोपी क्लीनिक — डॉ. निशांत कु. जैन, Dr NB (Gastro- enterology)
जनरल एण्ड लेप्रोस्कोपी सर्जरी — डॉ. मुकुंद पाण्डेय, M.S.
कैंसर क्लीनिक — डॉ. विनीत कु. तिवारी, M.S., DrNB (Surgical Oncology); डॉ. आराधना त्रिपाठी, Radiation & Clinical Oncologist
आयुष्मान भारत योजना
ई.सी.एच.एस. एवं मेडिक्लेम सुविधा
प्रेग्नेंसी एण्ड गायनी क्लीनिक — डॉ. अनुशा पाण्डेय, M.S.; डॉ. गुंजन गोस्वामी, DNB; डॉ.साहिबा सिंह, M.S.
चाइल्ड केयर क्लीनिक — डॉ. अन्नपूर्णा सिंह, MD (Pedia); डॉ. तारिक कमाल, MD (Pedia)
ई.एन.टी. एण्ड फेशियल ट्रामा क्लीनिक — डॉ. अपराजिता पाण्डेय, M.S.; डॉ. अभिषेक मिश्रा, MDS (Maxillo-facial Surgeon)
फ्रैक्चर एण्ड ट्रामा सेंटर — डॉ. यश डी. सिंह, M.S.; डॉ. पुष्पेन्द्र तिवारी, D. Ortho; डॉ.कृपाशंकर मिश्रा, D. Ortho
क्रिटिकल केयर एण्ड आई.सी.यू. — डॉ. सौरभ पाण्डेय, MD (Chest Physical); डॉ. धीरेन्द्र गौतम, DNB (Medicine)
उपलब्ध सुविधाएं: सी.टी.स्कैन, ब्लड बैंक, डायलिसिस, आई.वी.एफ.
सम्पर्क करें पता- पुराना बस स्टैण्ड, जय स्तम्भ चौक, बांसघाट, रीवा संपर्क- 9589899826

सीईओ जनपद तथा परियोजना अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जपं के सीईओ तथा जिला पंचायत में पदस्थ परियोजना अधिकारियों एवं सहायक परियोजना अधिकारियों के वेतन आहरण पर आगामी आदेश तक रोक के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं है। मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना, पेयजल की उपलब्धता एवं वितरण, पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्रोतों का सृजन, जल गंगा संवर्धन अभियान, एकल नलजल योजनाओं के क्रियान्वयन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति संतोषजनक नहीं है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, ग्रामीण आजीविका मिशन से महिला स्वसहायता समूहों को ऋण वितरण, मनरेगा तथा अन्य योजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इससे जल गंगा संवर्धन अभियान में रीवा जिले की रैंकिंग 50वीं है। आगामी समीक्षा बैठक तक यदि योजनाओं की प्रगति में अपेक्षा के अनुरूप सुधार नहीं होगा तो उत्तरदायी अधिकारियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए अप्रैल माह का वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी।

दहेज की 5 लाख थी मांग, तिलक में 50 हजार कम मिले तो नहीं आई बारात

भोजन तैयार कराकर बारातियों के स्वागत के लिए इंतजार करता रह गया लड़की पक्ष

पीड़ित पक्ष ने थाने में दर्ज करायी शिकायत, दर्ज होगी एफआईआर

जागरण, रीवा

सरकार कितना भी जतन कर ले, कितना भी नारा दे कि बेटी ही कल है, दुल्हन ही दहेज है। दहेज देना व दहेज लेना अपराध है। कई सामाजिक संगठन प्रचार-प्रसार के लिए प्रोत्साहन राशि के नाम पर सरकार की तिजोरी खाली कर रहे हों लेकिन दहेज लोभियों का मन परिवर्तन करने में सफल नहीं हो रही है। दहेज का दानव पीछा नहीं छोड़ रहा है। आए दिन दहेज के लिए बेटियों को अपनी जान से कीमत चुकानी पड़ रही है। अधिकांश मामले तो शादी के बाद दहेज प्रताड़ना के सामने आते हैं किंतु रीवा जिले के गढ़ थाना अंतर्गत लालगांव चौकी क्षेत्र में तिलक में 50 हजार रुपए कम मिलने पर बारात ही न आने का मामला प्रकाश में आया है जबकि तिलक में 4.50 लाख रुपए दिए गए थे। वर पक्ष विवि थाना क्षेत्र के सोनौरा का है जबकि कन्या पक्ष लालगांव चौकी अंतर्गत पुर्वा गांव के रहने वाले हैं। दोनों के बीच तिलक में 5 लाख दहेज देने पर शादी तय की गई थी लेकिन कन्या पक्ष तिलक में 50 हजार कम जुटा पाया। पहले तो तिलक चढ़ने के बाद वर पक्ष द्वारा पैसे के लिए कन्या पक्ष के साथ विवाद व मारपीट की गई इसके बाद सुलह हुई और नियत तिथि 27 अप्रैल को बारात आने की रजामंदी हुई लेकिन बारात नहीं पहुंची जबकि कन्या पक्ष भोजन तैयार कराकर बारातियों के स्वागत के लिए इंतजार करता रहा। लिहाजा अब पीड़ित कन्या पक्ष ने मामले की शिकायत लालगांव पुलिस से की है। लालगांव चौकी अंतर्गत पुर्वा गांव निवासी ज्ञानेंद्र पटेल ने शिकायत पत्र में बताया कि वह अपनी लड़की का विवाह सोनौरा में तय किया था। 23 अप्रैल को तिलक कार्यक्रम हुआ। बताया गया कि 5 लाख रुपए मांगे गए थे, जिसमे 4.50 लाख रुपए नकद दिए गए। 50 हजार रुपए कम होने से वर चंद्रशेखर व उसके पिता बुद्धसेन और परिवार के लोग गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। जिसके बाद विवाद हो गया। पीड़ित पिता ने बताया कि 27 अप्रैल को बारात आनी थी। लेकिन बारात नहीं आई जबकि उन्होंने शादी की पूरी तैयारी में करीब दस लाख रुपए खर्च कर दिए। पीड़ित लड़की पक्ष के लोगों का कहना है कि साढ़े चार लाख रुपए नकद सहित चेन अंगूठी तिलक में दिए थे, शादी कैंसिल होने पर सामाजिक क्षति भी हुई। लालगांव चौकी में मामले की शिकायत करते हुए पीड़ित परिवार ने लड़के पक्ष के लोगों पर कार्रवाई और रकम सहित सामग्री वापस दिलाए जाने पुलिस से मांग की है। पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यहां जरूरत जांच को लंबा खीचने की नहीं अपितु दहेज लोभियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की है। यदि पुलिस व जिला प्रशासन पीड़ित पक्ष की शिकायत पर फौरी जांच कर कार्रवाई नहीं करता और दोषियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण पंजीवद्ध कर दहेज अधिनियम के तहत कार्रवाई में देरी करता है तो जिले वे सभी कन्याओं के हाथ पीले होने से रह जायेंगे जिनके माता-पिता आर्थिक रूप से कमजोर हैं और बेटी की खुशी के लिए चाहकर भी दहेज देने में असमर्थ हैं। कहते हैं कि न्याय में देरी भी अपराध है। यदि अविलंब जांच कार्रवाई नहीं की जाती तो यह नजीर बनेगी और न जाने कितने दरवाजे से बारात वापस जायेंगी। यह जिला प्रशासन को तय करना है कि ऐसे दहेज लोभियों का सबक सिखाकर हजारों गरीब बेटियों को दहेज के दानव से बचाना है या फिर केवल नारों व स्लोगन की औपचारिकता से अपनी पीठ थपथपाना है।

पहली पत्नी को धोखे में रखकर पति रचा रहा था दूसरा विवाह

मासूम बच्चे के साथ आई पत्नी ने पुलिस की मदद से पति को रोका

जागरण, रीवा। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया। अपने पति को पाने पत्नी तकरीबन 400 किलोमीटर दूर से एक माह के मासूम बच्चे को गोदी में लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने भी पूरे मामले को गंभीरता से लिया और पहली पत्नी की चोरी से दूसरी शादी करने जा रहे पति को रोकते हुए पहली पत्नी से पति का मिलान कराया। इसके बाद पति ने गलती मानते हुए पहली पत्नी को अपनाया और साथ वापस चला गया और दूसरी शादी करने से इंकार कर दिया। इस पूरे मामले को लेकर बैकुंठपुर थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को छत्तीसगढ़ के पेंड्रा निवासी महिला एक माह के मासूम बच्चे को गोद में लेकर थाने आई थी। महिला ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उसकी शादी रीवा जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलैया निवासी राहुल तिवारी से हुई थी। महिला के मुताबिक पहले सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन कुछ दिन पूर्व ही राहुल उसे पेंड्रा में छोड़कर अपने गांव वापस आया था जहां से वापस नहीं गया। महिला ने बताया कि उसे एक दिन पूर्व ही किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि

राहुल की दूसरी शादी सेमरिया थाना क्षेत्र में हो रही है, जिसके बाद उसने राहुल से संपर्क किया तो राहुल का फोन बंद बता रहा था। महिला इसके बाद अपने एक माह के मासूम बच्चे को गोद में लेकर सीधे बैकुंठपुर थाना पहुंची और थाने में पूरी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेंद्र सिंह चौहान से दूरभाष पर संपर्क किया। जिसके बाद एसपी के निर्देश पर तत्काल बैकुंठपुर पुलिस ने एक्शन लेते हुए राहुल तिवारी को थाने में तलब किया। जहां महिला और राहुल का सामना कराया, इसके बाद राहुल ने अपनी गलतियों को मानते हुए और परिजनों के दबाव में दूसरी शादी की बात स्वीकारी थाना प्रभारी ने बताया कि राहुल ने थाने में लिखित खाना पूर्ति करने के बाद अपनी पत्नी को लेकर घर चला गया है।

आईजी के निर्देश पर पुलिस ने जन चौपाल के माध्यम से किया जन संवाद

मऊगंज एसपी ने उमरी में जनता से किया संवाद रीवा में भी हुए आयोजन

जागरण, रीवा। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत एवं उप पुलिस महानिरीक्षक हेमन्त चौहान के निर्देशन में मंगलवार को रीवा संभाग के समस्त जिलों के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ जन चौपाल का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस एवं आमजन के बीच विश्वास, सहयोग एवं संवाद को और मजबूत करना रहा। मऊगंज अंतर्गत थाना हनुमना के ग्राम सलैया खास, शाहपुर में ग्राम गौरी, नईगढ़ी के ग्राम माडौ, लौर के ग्राम नौढ़िया एवं मऊगंज के ग्राम उमरी में जन चौपाल आयोजित की गई, जिसमें संबंधित थाना प्रभारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा थाना लौर अंतर्गत ग्राम नौढ़िया में आयोजित जन चौपाल में आमजन से संवाद स्थापित किया गया। थाना मऊगंज अंतर्गत ग्राम उमरी में आयोजित जन चौपाल में पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान नागरिकों को सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण हेतु नशामुक्ति, साइबर जागरुकता, सड़क सुरक्षा के अंतर्गत हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग तथा महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल एवं प्रेरक तरीके से जानकारी दी गई। साथ ही, नागरिकों के सुझावों एवं अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने हेतु पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाए रखने का आश्वासन दिया। यह भी निर्णय लिया गया कि जन चौपाल का आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम मंगलवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में नियमित रूप से किया जाएगा, जिससे पुलिस-जन संवाद निरंतर बना रहे। कार्यक्रम में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित नागरिकों ने इस पहल को जनहित में उपयोगी बताते हुए पुलिस के प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की अपेक्षा व्यक्त की।

जन चौपाल: आपकी पुलिस आप के द्वार

रीवा पुलिस ने भी जन चौपाल-आपकी पुलिस आप के द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया। समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों में जन संवाद कर ग्रामीणों से नशे की रोकथाम, सायबर फ्रॉड एवं महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराध में चर्चा की गई एवं प्राप्त समस्यायों का तत्समय निराकरण किया गया तथा उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभाव तथा रोकथाम के तरीकों के बारे में बताया गया। महिला सुरक्षा, शिक्षा का महत्व के संबंध में जागरूक एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, अपराध व अपराधी की सूचना देने वालो के नाम गोपनीय रखे जाएंगे इसलिए आगे आकर अपराध की सूचना दें। इस जन चौपाल को जन हितैषी और समाधानकारक बताते हुए पुलिस द्वारा की गई शुरुआत की सराहना की गई एवं इस पहल को साकार करने के लिये जनभागीदारी की भी अपेक्षा की गई ताकि नशे व अपराध को जड़ से समाप्त किया जा सके।

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरे एसपी व निगम कमिश्नर, जय स्तंभ चौराहे पर संभाला मोर्चा

जागरण, रीवा। शहर में सुबह और शाम इस समय ट्रैफिक व्यवस्था के हालात बद से बद्तर है, जाम की झाप परेशानी का कारण बना हुआ है, वहीं रात दस बजे के बाद भारी वाहनों की आवाजाही भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। बेपटरी हो चुकी यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए आज 43 डिग्री तापमान के बीच पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान मैदान पर नजर आए। उन्होंने जय स्तंभ चौक के बीच चौराहे पर खड़े होकर वाहन चालकों को समझाइश दी और चौराहे पर तैनात पुलिस कर्मियों को यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि शहर की इतनी बदतर स्थिति हो चली है कि गली मोहल्ले और हाईवे में जाम से लोग हलाकान हैं। जिन मार्गों में आने और जाने के लिए महज 10 से 15 मिनट का समय लगता था आज वहां डेढ़ से 2 घंटे का समय आम लोगों को लग रहा है। शहर के आंदर बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लेने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने दोपहर तकरीबन 12.30 बजे जय स्तंभ चौक पहुंच गए जहां उन्होंने बीच चौराहे पर खड़े होकर ट्रैफिक व्यवस्था की निगरानी की और चौराहे पर तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर निर्देशित किया। इस दौरान कई फोर व्हीलर चालकों को भी वाहन सहित पकड़ा गया।

रास्ता कर दिया बंद, तहसील के सामने आमरण अनशन करने मांगी अनुमति

रीवा। हुजूर तहसील के गोविन्दगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पतेरी निवासी गणेश प्रसाद कोल, बेबी कोल, राजाराम कोल, प्रेमलाल कोल, रोहिणी कोल, निपेन्द्र रावत, अमित रावत, शिवकुमार कोल, पुनीत कोल, प्रियांशु सेन, काजल कोल, रामबहोर कोल, संतोष, धीरू रावत आकिद ने शिकायत दर्ज करवाई कि ग्राम के ही शिवेन्द्र मिश्र, देवेन्द्र मिश्र, हरिओम मिश्र, अमित मिश्र, आलोक मिश्र व हरिओम मिश्र की पत्नी द्वारा हम लोगों का रास्ता बंद कर दिया गया, जब उन लोगों ने इसका विरोध तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। उक्ताशय की शिकायत तहसीलदार दिलीप श्रीवास्तव, एसडीएम रीवा व स्थानीय विधायक नागेन्द्र सिंह को पत्र के माध्यम से की गई, किन्तु अभी तक बंद किया गया रास्ता नहीं खुला। जिसके विरोध स्वरूप आवेदक व अन्य लोगों को आमरण अनशन करने की अनुमति प्रदान की जाए, रास्ता खोले जाने तक वे आमरण अनशन जारी रखेंगे।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

भारतीय विदेश नीति को कुंद कर रहा अमेरिका

अमेरिका भारत की स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने की क्षमता को धीरे-धीरे कुंद कर रहा है। चाबहार बंदरगाह के प्रतिबंधों का नवीनीकरण न हो पाने यह लगभग साफ तौर पर सामने आ गया है । संयुक्त राज्य अमेरिका ने रविवार (26 अप्रैल) को ईरान के चाबहार बंदरगाह पर लगे प्रतिबंधों में छूट की अवधि को खत्म हो जाने दी। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत अब इस बंदरगाह को संपर्क (कनेक्टिविटी) के एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आगे बढ़ाने के तरीके को लेकर असमंजस में है। देर से छूट के नवीनीकरण की संभावना को छोड़कर, नई दिल्ली को प्रतिबंधों को स्वीकार करने एवं अपने 620 मिलियन डॉलर के निवेश को छोड़ देने या इस परियोजना को आगे बढ़ाने और अमेरिका के कड़े प्रतिबंधों का जोखिम उठाने के बीच चुनाव करना होगा। चाबहार के शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल पर एक सुविधा विकसित करने के लिए ईरान के साथ भारत की 'रुक-रुक कर' चलने वाली बातचीत दशकों पुरानी है और तत्कालीन प्रधानमंत्री ए.बी. वाजपेयी ने 2003 में इस परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

हालांकि, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से बनाई गई योजनाओं को स्थगित करने के वास्ते भारत पर अमेरिका के दबाव के चलते इसके निर्माण में देरी हुई। मनमोहन सिंह सरकार भी इस संदर्भ में कोई खास प्रगति नहीं कर पाई, लेकिन उसने ईरान-अफगानिस्तान सीमा चौकी को काबुल से जोड़ने वाले जारंज-डेलाराम राजमार्ग पर काम जारी रखा। साल 2015 के संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान में एक राजमार्ग के रास्ते व्यापार और सहायता को बढ़ावा देने के लिए ईरान और अफगानिस्तान के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के साथ रिश्ते बिगड़ने और अफगानिस्तान तक भारत की पारगमन पहुंच को प्रतिबंधित करने की वजह से चाबहार का महत्व बढ़ गया। हालांकि, नसीब ने एक बार फिर दखल दिया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जेसीपीओए से बाहर निकल गए और सभी प्रतिबंधों को फिर से लागू करके ईरान के खिलाफ 'अधिकतम दबाव' वाला अभियान छेड़ दिया। जहां अमेरिका द्वारा भारत को ईरान से तेल के आयात और रेल लाइन की योजनाओं को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, वहीं उसने चाबहार के संबंध में 'छूट' की एक तरकीब निकाली जिससे भारत को अफगानिस्तान को गेहूं और चिकित्सा आपूर्ति भेजने की इजाजत मिली। अब वह छूट ख़त्म हो गई है, क्योंकि ट्रम्प प्रशासन ने दिल्ली को इस महीने तक अपने कामकाज को 'बंद' करने का वक्त दिया है। नवंबर 2025 से, भारत ने चाबहार से अपने कर्मियों को वापस बुला लिया है, अपने 120 मिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता का अग्रिम भुगतान कर दिया है और शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल में अपनी हिस्सेदारी एक ईरानी कंपनी को हस्तांतरित करने पर विचार कर रहा है। इसमें बाद में वापस लौटने का विकल्प भी शामिल होगा।

पश्चिम एशिया युद्ध ने स्थिति को और जटिल बना दिया है और यह साफ नहीं है कि इस संघर्ष के बाद भारत कब ईरान के साथ दोबारा रिश्ते कायम कर पाएगा या चाबहार का पुनर्निर्माण कर पाएगा। इस परियोजना को अस्थायी रूप से रोकना व्यावहारिक लग सकता है। हालांकि, चाबहार भारत के उन अनेक स्वतंत्र फैसलों में से एक है जिन्हें अमेरिका ने नाकाम कर दिया है। ईरान, वेनेजुएला और रूस से तेल खरीदना बंद करने के फरमान जारी किए गए हैं। ट्रम्प ने ईरान और ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के साथ सभी किस्म के व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। अमेरिका की ये अतृप्त मांगें अन्य देशों के साथ भारत के रिश्तों तक भी फैल सकती हैं। चाबहार पर झुकने से न सिर्फ ईरान, मध्य एशिया और अफगानिस्तान के साथ भारत की संपर्क की योजनाएं खत्म हो जायेंगी, बल्कि इससे उसके संप्रभु स्वायत्तता के दावों को भी नुकसान पहुंचेगा और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने की उसकी क्षमता भी कुंद हो जाएगी।

प्रसंगवश

बहुत देर नहीं हुई,अभी भी संभव है समाधान

स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट के अनुसार, पिछला साल 2025 अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक रहा हो, पर कुछ ठोस व रणनीतिक कदम उठाकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटा जा सकता है। यह अब कोई छिपी हुई बात नहीं है कि धरती लगातार गर्म होती जा रही है। इसके ठोस प्रमाण भी सामने हैं। हाल ही में, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा जारी की गई स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट बताती है कि दुनिया अब भी बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर है, जो हमें कार्बन-न्यूट्रल बनने के लक्ष्य से लगातार दूर धकेल रहा है। ऐसे में, सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर हमारी जलवायु के साथ हो क्या रहा है? और इस तेजी से बदलती स्थिति का सामना करने के लिए हमें कौन-से ठोस और निर्णायक कदम उठाने चाहिए?

जलवायु परिवर्तन के चार प्रमुख संकेतकों को देखें, तो तस्वीर और भी स्पष्ट एवं चिंताजनक बन जाती है। पहला संकेतक है कार्बन डाइऑक्साइड। आज वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तरों की तुलना में करीब 50 फीसदी अधिक है, जो रिकॉर्ड स्तर है। बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित हो रही है, जो वायुमंडल में लंबे समय तक बनी रहती है। यानी हर साल जितनी ज्यादा यह गैस उत्सर्जित होगी, उतनी ही तेजी से इसकी सांद्रता बढ़ेगी तथा जलवायु संकट और भी गहराएगा। दूसरा संकेतक है तापमान। पिछले साल औसत वैश्विक तापमान, औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर से लगभग 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।

दरअसल, हैरानी की बात यह है कि पिछले करीब 11 वर्षों में हर साल, तापमान के लिहाज से अपने पहले के सभी वर्षों को पीछे छोड़ता गया है। तीसरा संकेतक है-महासागर और बर्फ।दुनिया के महासागरों में गर्मी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। महासागरों के गर्म होने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है । जाहिर है इससे समुद्री जीवों के अस्तित्व के लिए गंभीर संकट पैदा होगा। चौथा संकेतक है-चरम मौसम। दुनिया भर में आई कई विनाशकारी मौसमी घटनाएं, इन्सानों द्वारा किए गए जलवायु परिवर्तन के कारण और भी खतरनाक हो रही हैं । रिपोर्ट में सामने आया है कि ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ता उत्सर्जन न केवल चरम मौसमी घटनाओं को अधिक बार ला रहा है, बल्कि उनकी तीव्रता भी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ रही है। ऐसे में, सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन परिस्थितियों में हम क्या कर सकते हैं?

स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट तुरंत कार्रवाई की जरूरत पर जोर देती है। ऐसे में, सबसे पहली और अहम प्राथमिकता है-उत्सर्जन में कटौती। बेशक, कुछ देश तेजी से डीकार्बोनाइजेशन की दिशा में बढ़ रहे हैं, खासकर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर, पर इस दिशा में और तेज व निर्णायक कदम उठाने होंगे। कई देशों ने 2050 तक नेट जीरो हासिल करने का संकल्प लिया है। इसका मतलब है-जितनी मात्रा में हम ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित करें, उतनी ही मात्रा में उन्हें वायुमंडल से हटाएं भी। हालांकि, ऐसा कर लेने भर से जलवायु परिवर्तन अचानक खत्म नहीं हो जाएगा। फिर भी, अगर जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता को कम और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में ठोस कटौती की जाए, तो भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

ऊर्जा संकट

भविष्य में क्या तेल का विकल्प बन सकता है इथेनॉल

...तो दुनिया की तेल पर निर्भरता क्यों?

प्रवीण कौशल

इथेनॉल, घरेलू स्तर पर उत्पादित जैव ईंधन (बायो फ्यूल) के रूप में, इस ऊर्जा संकट को कम करने का एक मार्ग प्रदान करता है। यह विदेशी मुद्रा की बचत का वादा करता है, ग्रामीण आय का समर्थन करता है, और स्वच्छ उत्सर्जन में योगदान देता है। ऐसे मे यदि वाहन 85 प्रतिशत या यहां तक कि 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चल सकते हैं, तो दुनिया अभी भी तेल पर निर्भर क्यों है?

यह सवाल भारत की वर्तमान ऊर्जा बहस के केंद्र में है। दुनिया में जैसे-जैसे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में, और वैश्विक तेल बाजार अस्थिर बने हुए हैं, भारत इथेनॉल सम्मिश्रण (ब्लेंडिंग) की दिशा में अपने प्रयासों को तेज कर रहा है। देश पहले ही समय से पहले ई 20 हासिल कर चुका है और अब ई 85 और यहां तक कि ई 100 की दिशा में आगे बढ़ने के रास्तों पर चर्चा कर रहा है।

दरअसल,पहली नजर में, यह ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक साहसिक और आवश्यक कदम प्रतीत होता है। लेकिन करीब से जांच करने पर एक अधिक जटिल वास्तविकता सामने आती है। उच्च इथेनॉल मिश्रणों की ओर संक्रमण केवल एक तकनीकी बदलाव नहीं है। यह एक आर्थिक, कृषि और ढांचागत परिवर्तन है जिसके साथ महत्वपूर्ण समझौते जुड़े हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 से 87 प्रतिशत आयात करता है। यह निर्भरता देश को बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील बनाती है।

भारत की अब तक की प्रगति उल्लेखनीय रही है। देश ने उम्मीद से अधिक तेजी से ई 10 से ई 20 की ओर रुख किया, जिसका राष्ट्रव्यापी रोलआउट अप्रैल 2026 में पूरा हुआ। नीति निर्माता कच्चे तेल के आयात में कमी के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा में महत्वपूर्ण बचत को उजागर करते हैं। प्रशासनिक दृष्टि से यह कार्यक्रम कुशल और निर्णायक रहा है। हालांकि, ई 20 से ई 85 या ई 100 जैसे उच्च मिश्रणों (ब्लेंड्स) की ओर बढ़ना एक रेखीय प्रगति नहीं है। यह एक संरचनात्मक छलांग है जो प्रणालीगत तत्परता की मांग करती है। पहली बाधा वैज्ञानिक है। इथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में कम ऊर्जा घनत्व होता है। इसका मतलब है कि वाहनों को समान दूरी तय करने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता होती है। जहां ई 20 के परिणामस्वरूप माइलेज में मामूली कमी आती है, वहीं उच्च मिश्रण से ईंधन दक्षता में भारी गिरावट आ सकती है।

व्यावहारिक रूप से, भले ही प्रति लीटर इथेनॉल की कीमत कम हो, प्रति किलोमीटर की लागत कम नहीं हो सकती है। उपभोक्ता अंततः अधिक बार ईंधन भरवा सकते हैं, जो पंप पर होने वाली

किसी भी स्पष्ट बचत को बेअसर कर देगा।

दूसरा मुद्दा वाहन की संगतता यैंगक कंपेटीबीलीटी का है। वर्तमान में भारतीय सड़कों पर चलने वाले अधिकांश वाहन ई 10 या अधिक से अधिक ई 20 के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। उच्च इथेनॉल मिश्रण इंजन के प्रदर्शन और स्थायित्व को प्रभावित कर सकते हैं।

इथेनॉल अधिक संक्षारक होता है और नमी को अवशोषित करता है, जो ईंधन प्रणालियों को नुकसान पहुंचा सकता है, रबर के घटकों को खराब कर सकता है, और इंजेक्टरों के बंद होने और कोल्ड स्टार्ट जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। फ्लेक्स-फ्यूल वाहन, जिन्हें इथेनॉल मिश्रणों की एक विस्तृत श्रृंखला को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है, भारत में अभी भी सीमित हैं। ई 85 या ई 100 तक विस्तार करने के लिए या तो ऐसे वाहनों में तेजी से संक्रमण या व्यापक रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता होगी, जिनमें दोनों में ही महत्वपूर्ण लागतें शामिल हैं।

बहरहाल, इसका बुनियादी ढांचा एक और गंभीर चुनौती है। इथेनॉल को समर्पित भंडारण, परिवहन प्रणाली और वितरण बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। यद्यपि सम्मिश्रण सुविधाओं का विस्तार हुआ है, फिर भी व्यापक इकोसिस्टम अभी विकसित हो रहा है। पंप-स्तर पर उपलब्धता, रसद एकीकरण और आपूर्ति की निरंतरता असमान बनी हुई है। इन कमियों को दूर किए बिना, उच्च सम्मिश्रण लक्ष्य परिचालन संबंधी अक्षमताओं का जोखिम पैदा करते हैं।

प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे से परे, सबसे गंभीर चिंताएं कृषि और संसाधन उपयोग में निहित हैं। भारत में इथेनॉल उत्पादन काफी हद तक गन्ना, मक्का और चावल जैसी फसलों पर निर्भर करता है। ऐसे देश में जहां खाद्य सुरक्षा प्राथमिकता बनी हुई है, ये अधिशेष वस्तुएं नहीं हैं। उन्हें ईंधन उत्पादन की ओर मोड़ने से भोजन और ऊर्जा की जरूरतों के बीच सीधा तनाव पैदा होता है। मक्के की बढ़ती कीमतें और बढ़ा हुआ आयात इस बदलाव के शुरुआती संकेतक हैं। समय के साथ, बड़े पैमाने पर फसलों का यह मोड़ खाद्य मुद्रास्फीति में योगदान कर सकता है और फसल पैटर्न को विकृत भी कर सकता है।

पानी का उपयोग जटिलता का एक और स्तर जोड़ता है। गन्ना, जो इथेनॉल के लिए एक प्राथमिक कच्चा माल है, अत्यधिक पानी की खपत वाली फसल है। कई क्षेत्रों में, विशेष रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में, भूजल स्तर पहले से ही दबाव में है।

बड़े पैमाने पर इथेनॉल उत्पादन का विस्तार करने के लिए पर्याप्त अतिरिक्त पानी की आवश्यकता होगी, जिससे स्थिरता के बारे में चिंताएं बढ़ेंगी। जल सुरक्षा की कीमत पर हासिल की गई ऊर्जा स्वतंत्रता एक संदिग्ध समझौता होगा। अक्सर सफल मॉडल के रूप में उद्धृत किए जाने वाले ब्राज़ील के साथ तुलना की सावधानीपूर्वक व्याख्या करने की आवश्यकता है। ब्राज़ील का इथेनॉल कार्यक्रम 1970 के दशक में शुरू हुआ और दशकों में विकसित हुआ। आज, वहां के अधिकांश वाहन फ्लेक्स-फ्यूल हैं, इथेनॉल की कीमत प्रतिस्पर्धी है, और सहायक बुनियादी ढांचा अच्छी तरह से स्थापित है।

आर्थिक तर्क की भी जांच की आवश्यकता है। इथेनॉल के माध्यम से काफी सस्ते ईंधन के दावे अक्सर प्रमुख कारकों को नजरअंदाज कर देते हैं। इथेनॉल की उत्पादन लागत जरूरी नहीं कि पेट्रोल की तुलना में कम हो। प्रति लीटर कम कीमत स्वचालित रूप से उपभोक्ताओं के लिए कम परिवहन लागत में तब्दील नहीं होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि इथेनॉल एक त्रुटिपूर्ण रणनीति है। इसके विपरीत, यह भारत के ऊर्जा संक्रमण का एक महत्वपूर्ण घटक बना हुआ है। यह उत्सर्जन को कम कर सकता है, ऊर्जा मिश्रण में विविधता ला सकता है और ग्रामीण क्षेत्रों में नए आर्थिक अवसर पैदा कर सकता है। लेकिन इसकी भूमिका को संतुलित किया जाना चाहिए। साथ ही, इथेनॉल को एक बड़े ऊर्जा पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में देखना चाहिए जिसमें इलेक्ट्रिक गतिशीलता और ग्रीन हाइड्रोजन शामिल हैं।

इथेनॉल एक आशाजनक मार्ग प्रदान करता है, लेकिन यह कोई सार्वभौमिक समाधान नहीं है।

इसलिए, केंद्रीय प्रश्न यह नहीं है कि क्या भारत 100 प्रतिशत इथेनॉल की ओर बढ़ सकता है। सवाल यह है कि क्या देश नई कमजोरियां पैदा किए बिना ऐसा करने के लिए तैयार है। इथेनॉल अधिक सुरक्षित ऊर्जा भविष्य के लिए एक पुल बन सकता है। लेकिन पुलों का निर्माण सावधानी से किया जाना चाहिए।

खुला मंच

प्यार नहीं ये रास्ते हैं तकरार के

राकेश सोहम

हालिया युद्ध नहीं छिड़ा होता तो रास्तों की अहमियत पता नहीं चलती। आमतौर पर लोग रास्ते जानते तो थे, समझते नहीं थे। क्या पता था, होमुर्ज भी कोई रास्ता है? आज इसकी चर्चा जन-जन की जुबान पर है। लोग तो अपने घर, अपने मोहल्ले और अपने देश के रास्तों में ही उलझे रहे हैं। बहुतायत तो बस 'ये रास्ते हैं प्यार के' के बारे में जानते आए हैं। फिर चाहे प्यार के भरोसे कोई उन्हें लूट ही क्यों न ले। लुटते रहे हैं। विकास के नाम पर रास्तों के निर्माण के नेताई प्यार को कौन नहीं जानता? रास्तों के एवज में वोट बटोरने की राजनीति हमेशा से चलन में रही है।

ऐसी मान्यता है कि रास्ते के जरिए ही विकास आता है। रास्ते न हों तो विकास अवरुद्ध हो जाता है। गांवों के विकास के लिए रास्तों के निर्माण की योजनाएं बनाई जाती हैं। इन्हीं रास्तों से चलकर विकास गांवों में पहुंचाया जा सकता है। अब ये बात और है कि विकास अक्सर अपने रास्ते से भटककर निर्माणकर्ता ठेकेदारों, अधिकारियों और निर्माण की स्वीकृति प्रदाताओं के घर जा पहुंचता है। और फिर वहीं ठहर जाता है। विकास आलीशान इमारतों में बैठकर ऐश करता है और रास्ते गुम जाया करते हैं। बनते-बिगड़ते रास्ते ढूंढ़ने से भी नहीं मिलते।

गली-मोहल्ले के रास्तों के निर्माण के लिए चुनाव की प्रतीक्षा करना हमारी आदत में शुमार हो गया है। गड्ढे गरिमा बन चुके हैं। जान जोखिम में डालकर गड्ढों पर फुदक-फुदककर चलना कातिल अदा बन गई है। दरअसल, रास्तों और चुनावों में अंदरूनी घालमेल रहा है। चुनावी मौसम की बयार में नए-पुराने रास्ते खिल उठते हैं। वादों में दिखाई देता सजा-संवरा विकास रिझाने लगता है।

बात चली है तो यह बता देना लाजिमी होगा कि रास्तों का महत्व प्यार में भी रहा है। जनकलाल का जवान बेटा रोजमर्रा के जरूरी काम निपटाने के लिए सीधे रास्ते से नहीं जाता। घूमकर लंबे रास्ते से जाता है, क्योंकि 'घर से निकलते ही, कुछ दूर चलते ही, रास्ते में है 'उसका' घर।'

दस-पंद्रह मिनट का जरूरी काम आध-पौन घंटे में निपटाकर लौटता है। दरअसल, प्यार के रास्ते लंबे और कांटों से भरे होते हैं। बावजूद इसके प्यार में पागल प्रेमी पागलपन की हद तक व्यवहार किया करते हैं कि 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली में हमें पांव रखना नहीं।' बहरहाल, होमुर्ज के रास्ते आम रास्ते नहीं हैं। ये रास्ते हैं व्यापार के! ट्रंप की नीयत के चलते ये कहना सही होगा कि अब 'ये रास्ते हैं तकरार के।'

डिजिटल धोखाधड़ी

आरबीआई ने डिजिटल बैंकिंग में ग्राहकों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए सख्त किए नियम

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने रिजर्व बैंक के प्रभावी कदम

विनय झैलावत

यह बहुत अच्छी बात है कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली ने बहुत तेजी से एक विश्वस्तरीय पहचान कायम की है। लेकिन, इससे जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर रिजर्व बैंक ने जो नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसे अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम साबित हो सकते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी तकनीकों के उपयोग से भारत में डिजिटल बैंकिंग का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे वित्तीय लेनदेन तेज और सुविधाजनक हो गए हैं। लेकिन इसके साथ-साथ साइबर धोखाधड़ी, फिशिंग हमले, पहचान की चोरी और अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन जैसे जोखिम भी बढ़ गए हैं। इनसे निपटने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल बैंकिंग लेनदेन को विनियमित करने और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए नियामक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

छह जुलाई 2017 को, आरबीआई ने 'उपभोक्ता संरक्षण-अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में उपभोक्ताओं की देयता को सीमित करना' शीर्षक से परिपत्र जारी किया। यह परिपत्र एक जुलाई, 2026 से प्रभावी निम्नलिखित मापदंडों को स्थापित करता है। पहला, उपभोक्ता की शून्य देयता। यदि अनधिकृत लेनदेन बैंक की लापरवाही के कारण होता है या बैंक के बुनियादी ढांचे में किसी डिवाइस की सुरक्षा में सेंध लगती है, तो उपभोक्ताओं की शून्य देयता होगी। उपभोक्ता को अनधिकृत लेनदेन की रिपोर्ट तीन कार्य दिवसों के भीतर करनी होगी। दूसरा, मापदंड सीमित देयता है। यदि धोखाधड़ी किसी तीसरे पक्ष की सुरक्षा में सेंध के कारण होती है और उपभोक्ता इसकी रिपोर्ट चार से सात दिनों के भीतर करता है, तो उपभोक्ता लेनदेन राशि और वित्तीय संस्थान की नीति के संबंध में सीमित देयता वहन कर सकता है। तीसरा मापदंड है

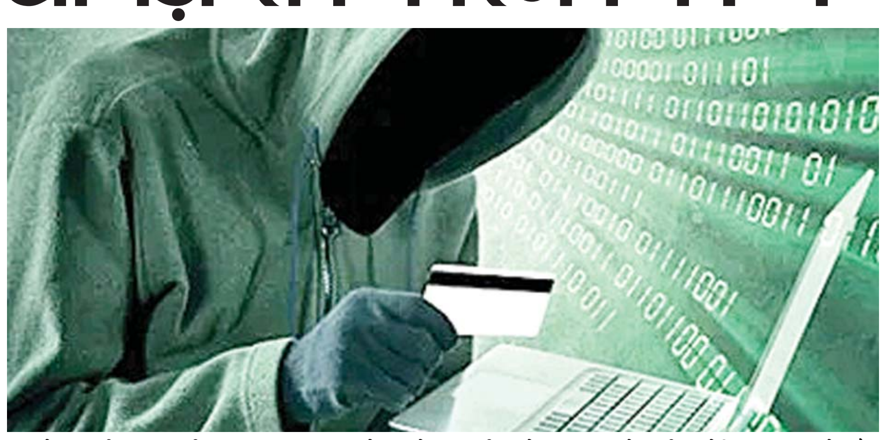

उपभोक्ता की लापरवाही। जहां नुकसान उपभोक्ताओं की लापरवाही के कारण होता है, जैसे अनधिकृत व्यक्तियों के साथ पासवर्ड या ओटीपी साझा करना या अन्य बैंकिंग संबंधी जानकारी साझा करना।

रिजर्व बैंक ने उपभोक्ताओं या ग्राहकों को सतर्क रखने के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि सभी डिजिटल लेनदेन पर बैंक तुरंत एसएमएस अलर्ट भेजेंगे। इसके अलावा, बैंकों को डिजिटल धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन या पोर्टल उपलब्ध कराने होंगे। आरबीआई ने डिजिटल बैंकिंग में ग्राहकों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए नियम सख्त किए हैं। अब बैंक किसी धोखाधड़ी के दावे को खारिज करने से पहले पक्के सबूत दिखाने के लिए जिम्मेदार होंगे। इन सबूतों में ओटीपी या बातचीत के रिकॉर्ड, आईपी एड्रेस और डिवाइस की जानकारी, एसएमएस अलर्ट और नेट बैंकिंग लॉगिन का डाटा तथा लेनदेन की मंजूरी से जुड़े रिकॉर्ड शामिल होंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के किसी भी फैसले में डिजिटल धोखाधड़ी में बैंक की जवाबदेही के लिए कोई व्यापक ढांचा निर्धारित नहीं किया गया है। अधीनस्थ अदालतें और उपभोक्ता मंच विरोधाभासी नतीजों के साथ इस कमी को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। एनसीडीआरसी का मानना है कि जहां धोखाधड़ी पूरी तरह से दूरसंचार बुनियादी ढांचे के माध्यम से की जाती है, जिसमें ग्राहक की गलती नहीं होती है, वहां बैंक को जवाबदेह होना चाहिए। कुछ उच्च न्यायालयों का मानना है कि यदि ओटीपी बैंक के फर्जी प्रतिरूपण के जरिये प्राप्त किया गया था, तो बैंक केवल यह कहकर जवाबदेही से नहीं बच सकता कि लेनदेन तकनीकी रूप से प्रमाणित था। किसी के द्वारा सही पासवर्ड का उपयोग करने मात्र से बैंक का कर्तव्य समाप्त नहीं हो जाता। सबसे विवादित क्षेत्र सोशल इंजीनियरिंग के तहत ओटीपी साझा करना है। यहां, परिणाम बहुत असंगत हैं।

मुख्य संरचनात्मक विफलताएं वर्तमान ढांचे में दो गंभीर संरचनात्मक समस्याएं हैं। पहली है लापरवाही की समस्या। आरबीआई के परिपत्र में 'लापरवाही' शब्द बिना परिभाषा के आता है और बिना किसी निश्चित मानक के लागू किया जाता है। बैंक प्रमाणीकरण प्रणालियों को डिजाइन करते हैं, सुरक्षा सलाह जारी करते हैं, लेनदेन पैटर्न की वास्तविक समय की जानकारी रखते हैं, और असामान्य लेनदेन को चिह्नित करने की तकनीकी क्षमता रखते हैं। जब कोई शातिर अपराधी इस बुनियादी ढांचे की खामियों का फायदा उठाकर ग्राहक को धोखा देता है, तो परिणामी नुकसान का पूरा कानूनी भार ग्राहक पर डालना किसी भी तर्कसंगत दायित्व सिद्धांत के तहत उचित ठहराना मुश्किल है। दूसरा मुद्दा सबूत से संबंधित है। बैंकों को उत्तरदायी ठहराने की चाह रखने वाले ग्राहकों को बैंकिंग सेवा में कमी साबित करनी होगी।

आरबीआई को वास्तविक समय में धोखाधड़ी का पता लगाने और अनियमितताओं की निगरानी करने के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित करने चाहिए, और इन मानकों को लागू करने में विफल रहने वाले बैंकों के लिए नागरिक दायित्व के परिणाम निर्धारित करने चाहिए। बैंकिंग लोकपाल योजना में सुधार किया जाना चाहिए, जिसमें उच्च मौद्रिक सीमाएं, सरलीकृत प्रक्रियाएं और बाध्यकारी पुरस्कार शामिल हों। तकनीकी विशेषज्ञता और त्वरित प्रक्रियाओं से आवश्यक संस्थागत सुधार होगा। बैंकों को अनिवार्य रूप से ग्राहकों को सरल व क्षेत्रीय भाषाओं में सामान्य प्रकार की धोखाधड़ी, बैंक की निगरानी क्षमताओं और अनधिकृत लेनदेन की स्थिति में ग्राहक के अधिकारों के बारे में सूचना देनी चाहिए।

भारत में बैंकों के खिलाफ सार्थक जवाबदेही लागू करने के लिए आवश्यक वैधानिक स्पष्टता का अभाव है। डिजिटल भुगतान प्रणालियों में उपभोक्ताओं का विश्वास भारत के वित्तीय समावेशन एजेंडा की आधारशिला है। यदि उपयोगकर्ता यह जान लें कि धोखाधड़ी से उनका बचाव बिना किसी ठोस कानूनी उपाय के खत्म हो सकता है, तो डिजिटल बैंकिंग का उपयोग रुक जाएगा।

भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था का बुनियादी ढांचा मौजूद है। डिजिटल बैंकिंग का उपयोग उल्लेखनीय है। बस कमी एक ऐसे कानूनी ढांचे की है, जो उपयोगकर्ताओं को यह आश्वासन दे कि सिस्टम गड़बड़ी होने पर उनकी रक्षा करेगा।

जीवन दर्शन

हर इंसान की होती है अपनी अलग दुनिया

जब मैंने सच में सोचना शुरू किया, तब मैं स्वयं यह नहीं समझ पाया कि मेरे भीतर कौन-सी भावना अधिक प्रबल थी-ज्ञान पाने की गहरी प्यास या मनुष्यों से जुड़ने की तीव्र आकांक्षा। धीरे-धीरे मुझे यह अनुभव हुआ कि ज्ञान अपने आप में पूर्ण नहीं होता, उसका वास्तविक अर्थ तभी प्रकट होता है, जब वह मनुष्यों को एक-दूसरे से जोड़ने का माध्यम बनता है। लेकिन किसी दूसरे मनुष्य के साथ सच्ची सहमति और समझ स्थापित करना बेहद कठिन कार्य है। जीवन के आरंभिक दिनों से ही मैं लोगों के बीच समझ की कमी देखकर आश्चर्यचकित और कभी-कभी निराश हो जाता था। अक्सर ऐसा लगता था, मानो लोग सुनना ही नहीं चाहते, वे अपने विचारों से इतने बंधे होते हैं कि तर्क, तथ्य और सच्चाई भी उन तक पहुंच नहीं पाती। उनके भीतर एक अजीब-सी दूरी होती है-एक ऐसा बचाव, जो उन्हें दूसरों के करीब आने नहीं देता।

कभी-कभी लोग अपनी भावनाओं को बिना किसी गहराई के, बिना किसी सच्चे संबंध के, यों ही प्रकट कर देते हैं, मानो उनके सामने कोई है ही नहीं। यह खुलापन भी एक प्रकार की दूरी ही बन जाता है, क्योंकि उसमें आत्मा का वास्तविक स्पर्श नहीं होता।

और जब कोई व्यक्ति आसानी से मेरी बात मान लेता था, तब भी मुझे संतोष नहीं मिलता था, क्योंकि वह सहमति सच्ची समझ से नहीं, बल्कि केवल मान लेने की प्रवृत्ति से उत्पन्न होती थी। वह दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि केवल एक सतही सहयोग भर होता था। मैंने सच्ची मित्रता के सुंदर क्षणों को भी जिया है, जहां अपनापन था, सहजता थी, और एक गहरा जुड़ाव था। लेकिन ऐसे क्षण स्थायी नहीं रहे। कई बार ऐसा भी लगा कि हर व्यक्ति अपनी अलग दुनिया में जी रहा है, जहां पहुंचना लगभग असंभव है। युवावस्था में यह अनुभव और गहरा होता गया कि अकेलापन केवल अकेले होने में नहीं, बल्कि लोगों के बीच रहते हुए भी हो सकता है। यह सबसे कठिन और पीड़ादायक अकेलापन होता है, जब चारों ओर लोग हों, पर भीतर से कोई जुड़ाव न हो। फिर भी, मेरे भीतर सबसे प्रबल इच्छा यही रही कि मैं दूसरों से जुड़ सकूं। मुझे लगा कि यदि जीवन भर की यह अधूरी यात्रा केवल एक भी व्यक्ति के साथ सच्चे रूप में पूरी हो जाए, तो वही सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

सच्चे जुड़ाव की पहचान यही है कि हम हर व्यक्ति के प्रति खुले रहें, उससे जुड़ने के लिए तैयार रहें, और जब तक यह जुड़ाव न बन पाए, तो उसका दुख हमें भीतर तक महसूस हो। दूसरों से जुड़ना केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं है। यह तो अपने वास्तविक स्वरूप को तथा अपनी सच्चाई को बिना किसी ढोंग के प्रस्तुत करने का एक निरंतर प्रयास है। ऐसा करते हुए ही हम सच्चे अर्थों में किसी दूसरे मनुष्य से जुड़ने के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं।

जब मनुष्य यह समझ लेता है कि ज्ञान का सच्चा मूल्य केवल जानकारी में नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने में है, और जब वह साहसपूर्वक अपनी सच्चाई को बिना किसी भय या दिखावे के दूसरों के सामने रखता है, तभी वह वास्तविक जुड़ाव का अनुभव करता है, जहां न अकेलापन बचता है, न दूरी, बल्कि एक गहरा मानवीय संबंध जन्म लेता है।

कार्ल जैस्पर्स

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्!
वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव संपद !!

भावार्थ

बिना सोचे - समझे आवेश में कोई काम नहीं करना चाहिए क्योंकि विवेक में न रहना सबसे बड़ा दुर्भाग्य है. वही जो व्यक्ति सोच - समझ कर कार्य करता है माँ लक्ष्मी उसी का चुनाव खुद करती है।

परीक्षा की तैयारियों में जुटा प्रशासन

शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में 3 मई को होगी नीट परीक्षा

परिजनों के लिए प्रतीक्षा स्थल निर्धारित, 3 घंटे पहले दिया जाएगा प्रवेश

जागरण,रीवा

आगामी 3 मई को शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में एनटीए नीट यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने परीक्षा केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें व सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये हैं। नीट परीक्षा 3 मई को अपरान्ह 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र में रिपोर्टिंग का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। यदि उम्मीदवार पारंपरिक पोशाक पहन रहे हैं तो उन्हें परीक्षा के दिन दोपहर 12.30 बजे तक आवंटित परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को अपने साथ एनटीए वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्र की प्रिंट कॉपी, पोस्टकार्ड साइज की एक फोटो, पासपोर्ट साइज के 2 फोटो, किसी एक अधिकृत फोटो आईडी की मूल तथा वैध प्रति (जैसे राशन कार्ड), व्यक्तिगत पारदर्शी पानी की बोतल, लड़कों के लिए हल्के कपड़े, जिनमें लंबे बाजू न हों, कोई फैंसी पॉकेट, जिपर या बैज न हो तथा लड़कियों के लिए हल्के कपड़े, जिनमें कुाई या लंबे बाजू न हों; धातु की वस्तुओं से बचें तथा केवल लो-हील चप्पल या सैंडल पहनने की अनुमति होगी जूते पहनकर आने की अनुमति नहीं होगी।

इन पर होगा प्रतिबंध

परीक्षा केन्द्र में कोई भी वस्तु जैसे मुद्रित/लिखित पाठ्य सामग्री, कागज के टुकड़े, ज्यामिति/पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, पेन, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेज़र, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन/स्कैनर आदि तथा कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफ़ोन, माइक्रोफ़ोन, पेजर, हेल्थ बैंड आदि प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार अन्य वस्तुएं जैसे बटुआ, चश्मा, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी, कोई भी घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, आभूषण/ धातु की वस्तुएं, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ, पानी की बोतल तथा कोई भी अन्य वस्तु जिसका उपयोग अनुचित उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि माइक्रोचिप, कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि को छिपाकर रखना प्रतिबंधित किया गया है।

अपर कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एडिशनल एसपी आरती सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान परीक्षा केन्द्रों में विभिन्न व्यवस्थाएं देखी गई व दिशा-निर्देश दिए गए।

इन विद्यालयों में होगी परीक्षा

शहर में निर्धारित 12 परीक्षा केन्द्रों के समीप

परीक्षार्थियों के परिजनों के लिए प्रतीक्षा स्थल निर्धारित किये गये हैं। परीक्षा केन्द्र पीएमकेन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक के समीप जयंती कुंज में, परीक्षा केन्द्र टीआरएस कॉलेज के समीप व्यंकट क्लब, परीक्षा केन्द्र पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय, परीक्षा केन्द्र एसके स्कूल के समीप पचमठा, परीक्षा केन्द्र माडल हायर सेकेण्डरी स्कूल के समीप बोर्ड ऑफिस कैंपस, परीक्षा केन्द्र पीके सांदीपनि स्कूल के समीप राजहंस स्कूल एवं ज्ञानस्थली स्कूल, परीक्षा केन्द्र मार्तण्ड क्रमांक एक के समीप मार्तण्ड क्रमांक तीन, परीक्षा केन्द्र शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक एक के समीप हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक 2, परीक्षा केन्द्र मार्तण्ड क्रमांक 2 के समीप बीएड कॉलेज, परीक्षा केन्द्र विधि महाविद्यालय के समीप टीआरएस कामर्स बिधल्डग, परीक्षा केन्द्र जीडीसी कॉलेज के समीप उद्यानिकी एवं कोर्ट पार्किंग तथा परीक्षा केन्द्र पीएम केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 के समीप बीएड कॉलेज को परिजनों के लिए प्रतीक्षा स्थल निर्धारित किये गये हैं।

शोधार्थी ऐतिहासिक तथ्यों का वैज्ञानिक और निष्पक्ष विश्लेषण करें: आशुतोष भटनागर

एमसीयू में इतिहास, स्मृति और भारतीयता पर विशेष व्याख्यान

जागरण, रीवा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, रीवा परिसर में आयोजित विशेष व्याख्यान में इतिहास, स्मृति और भारतीयता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विमर्श हुआ। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र, दिल्ली के निदेशक आशुतोष भटनागर ने कहा कि समाधान की दिशा में पहला कदम तथ्यों पर आधारित ईमानदार शोध है। निष्पक्ष अध्ययन के बिना किसी भी निष्कर्ष तक पहुँचना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास घटनाओं के संकलन तक सीमित नहीं, यह तो दीर्घकालिक सांस्कृतिक यात्रा है, जिसे समझने के लिए परंपराओं, प्रतीकों और सामाजिक संरचनाओं का अध्ययन आवश्यक है। भटनागर ने उल्लेख किया कि औपनिवेशिक काल में भारत की ऐतिहासिक धारा को प्रभावित करने के लिए कई प्रकार के बौद्धिक हस्तक्षेप किए गए, जिनके कारण समाज की मूल स्मृतियों और ऐतिहासिक दृष्टिकोण में भ्रम उत्पन्न हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात भी इतिहास लेखन में अनेक नई व्याख्याएँ सामने आईं, जिनमें से कई ने भारतीय दृष्टिकोण को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। ऐसे में आज आवश्यकता है कि शोधार्थी और विद्यार्थी मूल स्रोतों जैसे प्राचीन ग्रंथ, शिलालेख, लोकपरंपराएँ और मौखिक इतिहास की ओर लौटें और तथ्यों का वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष विश्लेषण करें। भारतीय समाज की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक निरंतरता है। यहाँ इतिहास पुस्तकों में तक सीमित न रहकर, विचारों, परंपराओं, लोकाचार और प्रतीकों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहता है। यही भारतीयता की विशिष्ट पहचान है।

पुस्तकें सबसे विश्वसनीय मार्गदर्शक: जयराम : इस अवसर पर एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पठन-पाठन ही बौद्धिक विकास की आधारशिला है। एक जागरूक छात्र के लिए पुस्तकें सबसे विश्वसनीय मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने छात्रों को नियमित अध्ययन, आलोचनात्मक चिंतन और विषय की गहराई में जाकर समझ विकसित करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. बृजेश पाण्डेय, डॉ. विनोद दुबे, डॉ. वंदना तिवारी, सौरभ मिश्रा, राहुल चतुर्वेदी, डॉ. दिव्य शंकर मिश्र, डॉ. अंजली त्रिपाठी, अमिता त्रिपाठी, प्रदीप शुक्ला, आरती श्रीवास्तव, कनिष्क तिवारी, जयप्रकाश पटेल, सोमेंद्र सिंह, सहित समस्त शिक्षक, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित

रीवा। रबी विपरण वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। गेहूं उपार्जन के दौरान कृषकों के समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जिसका दूरभाष क्रमांक 07662-255143 है। कंट्रोल रूम में तीन पालियों में अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। प्रथम पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक सहायक आपूर्ति अधिकारी सुभाष द्विवेदी मोबाइल नंबर 9754086797, द्वितीय पाली में अपरान्ह एक बजे से शाम 4 बजे तक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी विनीत मिश्रा मोबाइल नंबर 9098007799 तथा तृतीय पाली में शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अनमोल जैन मोबाइल नंबर 6265666501 को नियुक्त किया गया है। अधिकारियों के सहयोग के लिए कम्प्यूटर आपरेटर व भृत्य की भी ड्यूटी लगायी गयी है। नियुक्त किये गये अधिकारी, कर्मचारी कंट्रोल रूम में नियत समय पर उपस्थित रहकर उपार्जन से संबंधित प्राप्त समस्याओं का विवरण पंजी में संधारण कर निराकरण सुनिश्चित करायेंगे।

सरकारी कॉलेजों में प्रवेश बढ़ाने फिर शुरू होगा कॉलेज चलो अभियान

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश नोटिफिकेशन के पहले आदेश जारी करने की तैयारी

जागरण,रीवा। जिले के सभी 18 सरकारी कॉलेजों की स्नातक कक्षाओं में प्रवेश की गति बढ़ाने कॉलेज चलो अभियान फिर शुरू होगा। इस बाबत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा फिर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रवेश नोटिफिकेशन के पूर्व अभियान चलाया जाएगा। जिसमें प्राचार्यों को नजदीकी विद्यालय, ग्राम पंचायतों में पहुंचकर विद्यार्थियों को सरकारी कॉलेज में प्रवेश लेने प्रोत्साहित करना होगा। सत्र 2026-27 में ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया इसी सप्ताह से प्रारम्भ हो गई है, जिसके मद्देनजर अभियान संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन कॉलेज प्रबंधनों को करना होगा। गौरतलब है कि सरकारी व गैर सरकारी कॉलेज की स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में संबंधी नियम लगभग तय हो गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2026-27 का प्रवेश संबंधी मार्गदर्शी भी जारी कर दी गई है। इससे पहले विभाग अभियान के जरिये छात्रों को महाविद्यालयों की व्यवस्थाओं और पाठ्यक्रमों से अवगत कराना चाहता है, जिसके लिए महाविद्यालयों को अभियान चलाने के लिए आदेशित किया गया है। बता दें कि इसके पहले भी अभियान संचालन संबंधी निर्देश जारी हुए थे परंतु तब महाविद्यालय ठंड की जकड़ में रहे, लिहाजा नए सिरे से अभियान हेतु विभाग ने पत्र जारी करने की तैयारी में विभाग है।

छात्रों को किया जायेगा प्रेरित

अभियान के तहत प्रत्येक सरकारी महाविद्यालय अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के छात्रों, शिक्षकों से सम्पर्क करेंगे। महाविद्यालयों द्वारा अपने नजदीक के विद्यालयों में जाकर 12वीं के छात्रों को जागरूक व प्रेरित किया जाता है। कक्षा 12वीं के छात्रों को उच्च शिक्षा अध्ययन के लाभ से अवगत कराया जाता है। साथ ही, छात्र किस संकाय में प्रवेश लेकर अपना हुनर निखार सकते हैं, इसके लिए उन्हें मार्गदर्शन भी दिया जाता है।

अभिभावकों से करेंगे सम्पर्क

छात्रों के अभिभावकों से भी महाविद्यालयीन शिक्षक संवाद स्थापित करेंगे, ताकि महाविद्यालयों की सुविधाओं और यहां अध्ययन करने पर कैरियर आदि की जानकारी छात्रों, अभिभावकों को सीधे मिल सके। महाविद्यालयों को अभियान के तहत नई शिक्षा नीति के लाभ से अवगत कराने छात्रों के मध्य पम्पलेट का वितरण भी करना होगा। इसके अलावा विद्यालयों में पीपीटी, वीडियो आदि के प्रदर्शन महाविद्यालयीन प्राध्यापक करेंगे, जिसके माध्यम से छात्रों का ध्यान महाविद्यालयीन शिक्षा की तरफ खींचने का प्रयास होगा। अभियान के बेहतर संचालन हेतु महाविद्यालयों को किसी एक प्राध्यापक को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी देनी होगी। इस अभियान के संचालन में होने वाले व्यय की आपूर्ति महाविद्यालयों द्वारा जनभागीदारी मद से की जायेगी।

कॉलेजों में बढ़ेंगी एनसीसी कैड्ेटस की संख्या

उच्च शिक्षा विभाग ने प्राचार्यों को किया निर्देशित, बटालियन को लिखे पत्र

जागरण,रीवा। जिले के तीन शासकीय कॉलेजों में संचालित एनसीसी विंग में कैडे्टस की संख्या बढ़ाई जाएगी। वजह प्रदेश में अब कैडेट्स का कोटा 17 लाख से 20 लाख कर दिया गया है। यानी की प्रदेश में 3 लाख छात्र और एनसीसी में भर्ती किए जाएंगे। इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि वह संबंधित बटालियन को पत्र लिखें, जिसमें जिन कॉलेजों में एनसीसी विंग नहीं हैं, व एनसीसी विंग के लिए जहां संचालित हैं, वहां कैडेट्स की संख्या बढ़ाने के लिए आवेदन किया जाए। जिसको लेकर प्राचार्यों ने कार्यवाही शुरू कर दी है। बता दें कि जिले के 18 महाविद्यालयों में से तीन महाविद्यालयों में एनसीसी यूनिट हैं। इसके अलावा विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े विश्वविद्यालय में भी एनसीसी का लाभ छात्रों को नहीं मिल रहा है।

मॉडल साइंस महिला विंग की कर रहा मांग

बता दें कि जिले के अग्रणी महाविद्यालय में एनसीसी महिला विंग बीते वर्ष 2018 से बंद है, यहां किसी प्राध्यापक द्वारा ट्रेनिंग न लिए जाने के कारण महिला विंग को टीआरएस कॉलेज को दे दिया गया था। जिसके बाद से अब तक कई बार मॉडल साइंस कॉलेज से संबंधित बटालियन को पत्राचार किया गया लेकिन महिला विंग की शुरुआत नहीं हो सकी। इसके लिए कई बार आंदोलन प्रदर्शन भी छात्र नेताओं द्वारा किए गए।

267 छात्रों को मिल रहा लाभ

बता दें कि एनसीसी का लाभ जिले के इन तीन महाविद्यालयों में 267 छात्र-छात्राओं को मिल रहा है, टीआरएस कॉलेज में 107 छात्र व 53 छात्राओं को एनसीसी का लाभ मिल रहा है, इसी प्रकार जीडीसी कॉलेज में 53 छात्राओं को एनसीसी का लाभ मिल रहा है, इसके साथ ही मॉडल साइंस कॉलेज में 107 छात्रों को एनसीसी का लाभ दिया जा रहा है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किया आम बगीचों का भ्रमण एवं निरीक्षण

रीवा। कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डॉ एसके त्रिपाठी द्वारा गठित कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा के वैज्ञानिकों की टीम ने मऊगंज जिले के आम के बगीचों का विभिन्न गांवों में भ्रमण कर निरीक्षण किया। कृषि वैज्ञानिकों की टीम में प्रमुख रूप से डॉ राजेश सिंह, एके पटेल, डॉ अखिलेश कुमार एवं डॉ के एस बघेल शामिल रहे। यह कार्य केंद्र प्रमुख डॉ एके पांडेय के निर्देशन में संपन्न हुआ। वैज्ञानिकों द्वारा देखा गया कि आम में प्रमुख रूप से कीट व्याधि के प्रकोप के साथ-साथ पोषक तत्वों की कमी से पेड़ सूख रहे है जिसके लिए वैज्ञानिकों ने सलाह दिया कि 250 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड, 2.50 किलोग्राम बिना बुझा हुआ चुना, 250 मिली अलसी का तेल, 25 मिली क्लोरपायरीफास 50 ईसी नामक दवा को 6 से 8 लीटर पानी में मिलाकर पेस्ट बनाकर पेड़ के तने में लेपन या पुताई कराए साथ ही साथ पेड़ के मुख्य तने से 2 से 3 फीट के घेरे में थाला बनाकर गुड़ाई कर सड़ी गोबर की खाद या वर्मी कंपोस्ट की खाद मिलाकर सिचाई करें और फिप्रोनिल 5 प्रतिशत एससी की 40 मिली दवा 20 लीटर पानी में मिलाकर थाले में डालें। इस मौके पर उद्यान विस्तार अधिकारी मुस्कान फातिमा के साथ-साथ प्रगतिशील कृषक नरेंद्र सिंह सेंगर, बृजकिशोर पटेल, दीनानाथ मिश्रा, संतोष कुमार मिश्रा, पंकज सिंह, रामदरस पटेल आदि उपस्थित रहे।

ईश्वर आराधना के साथ करें अच्छे कर्म: शैलेंद्र महराज

पड़रिया में चल रही है श्रीमद् भागवत कथा

रीवा। पड़रिया में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस कथा वाचक शैलेंद्र महाराज ने श्री हरि के चौबीस अवतारों की कथा के साथ-साथ समुद्र मंथन की रोचक एवं सारगर्भित कथा सुनाते हुए कहा कि यह संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है। यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में भिन्न- भिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं। जब-जब कोई अपने गलत कर्मों द्वारा इस संसार रूपी भगवान के बगीचे को नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करता है तब-तब भगवान इस धरा धाम पर अवतार लेकर सज्जनों का उद्धार और दुर्जनों का संहार किया करते हैं । समुद्र मंथन की कथा सुनाते हुए कहा कि मानव हृदय ही संसार सागर है। मनुष्य के अच्छे और बुरे विचार ही देवता और दानव के द्वारा किया जाने वाला मंथन है। कभी हमारे अंदर अच्छे विचारों का और कभी बुरे विचारों का चिंतन मंथन चलता रहता। महाराज श्री ने बताया कि जिसके अंदर के दानव जीत गया उसका जीवन दुःखी, परेशान और कष्ट कठिनाइयों से भरा होगा और जिसके अंदर के देवता जीत गया उसका जीवन सुखी, संतुष्ट और भगवत प्रेम से भरा हुआ होगा । इसलिए हमेशा अपने विचारों पर पैनी नजर रखते हुए बुरे विचारों को अच्छे विचारों से जीतते हुए अपने मानव जीवन को सुखमय एवं आनंदमय बनाना चाहिए। उन्होंने वाराह अवतार सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। इससे पूर्व यजमान की ओर से पूजा-अर्चना की गई। महाराज श्री ने श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते हैं। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। भजन मंडली की ओर से प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे।

कथा सुनने के लिए आसपास के लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जिसमें मुख्य यजमान राजेंद्र सोहगौरा एवं निर्मला सोहगौरा, दिलीप सोहगौरा, रश्मि सोहगौरा, धीरेंद्र पांडेय, ज्योति पांडेय, बृजेश पाण्डेय, सुखदेव द्विवेदी, उमेश द्विवेदी, आदित्य द्विवेदी अश्वनी तिवारी, सुरेश द्विवेदी आदि शामिल हैं। कथा का लाइव प्रसारण सोशल मीडिया पर भी किया जा रहा है। कथा स्थल में यजमानों सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मतदाता सूची पुनरीक्षण: रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार नगरीय निकायों में मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्य शुरू किया गया है। पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नगर निगम रीवा तथा अन्य नगरीय निकायों में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए रजिस्ट्रीकरण और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए हैं। नगर निगम रीवा के लिए एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा प्रभारी तहसीलदार हुजूर अनुपम पाण्डेय एवं प्रभारी तहसीलदार तेजपति सिंह को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद गोविंदगढ़ के लिए प्रभारी तहसीलदार हुजूर अनुपम पाण्डेय को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा नायब तहसीलदार दिलीप श्रीवास्तव को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद गुढ़ के लिए नायब तहसीलदार अरूण यादव को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा प्रशिक्षु नायब तहसीलदार महिमा पाठक को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। जारी आदेश के अनुसार नगर परिषद मनगवां के लिए तहसीलदार आंचल अग्रहरि को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा नायब तहसीलदार अजय मिश्रा को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद त्योंथर के लिए तहसीलदार राजेन्द्र शुक्ला को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा प्रभारी तहसीलदार वीरेन्द्र द्विवेदी को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद चाकघाट के लिए प्रभारी तहसीलदार वीरेन्द्र द्विवेदी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत त्योंथर प्रवीण बसोड़ को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद डभौरा के लिए तहसीलदार जवा जितेन्द्र तिवारी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा नायब तहसीलदार निवेदिता त्रिपाठी को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद सिरमौर के लिए नायब तहसीलदार विन्ध्या मिश्रा को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा प्रशिक्षु नायब तहसीलदार बिंदु तिवारी को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद बैकुण्ठपुर के लिए प्रभारी नायब तहसीलदार ललन सिंह को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिरमौर हरिश्चन्द्र द्विवेदी को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। नगर परिषद सेमरिया के लिए नायब तहसीलदार ममता पटेल को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा प्रभारी नायब तहसीलदार राजेश तिवारी को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है।

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी की कॉलेजों में एडमिशन की मार्गदर्शिका

महाविद्यालयों की स्नातक कक्षाओं में प्रवेश 1 मई से, पीजी के लिए दो मई से होगा आवेदन

20 मई को होगा पहले चरण का आवंटन, 15 मई तक अंतिम तारीख

जागरण,रीवा। जिले के सरकारी व गैर सरकारी महाविद्यालयों की कक्षाओं में 1 मई से प्रवेश आरम्भ होंगे। माध्यमिक शिक्षा मण्डल के कक्षा 12वीं के परिणाम जारी होते ही स्नातक कक्षाओं में प्रवेश की सूचना जारी हो गई। इस बाबत उच्च शिक्षा विभाग ने समय-सारिणी भी घोषित कर दी है। तय कार्यक्रम के अनुसार स्नातक कक्षा में प्रवेश के लिए 1 मई से ऑनलाइन आवेदन किये जा सकेंगे। ऑनलाइन पंजीयन आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन करने वाले छात्रों के दस्तावेजों का सत्यापन 2 से 16 मई के बीच होगा। तत्पश्चात उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 20 मई को मेरिट के आधार पर सीट आवंटन जारी किया जायेगा। आवंटित महाविद्यालय में छात्रों को 20 मई से 26 मई के बीच शुल्क जमा कर प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। इसी अवधि में छात्र अपग्रेडेशन का विकल्प भी चयनित कर सकेंगे। ऐसे छात्र जो आवंटित महाविद्यालय से संतुष्ट नहीं हैं, वह अपग्रेडेशन के विकल्प का चयन करते हुए आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं।

दूसरा चरण 28 से होगा शुरु : प्रथम चरण में प्रवेश सुनिश्चित होने के साथ ही विभाग द्वारा स्नातक कक्षाओं में प्रवेश का दूसरा चरण शुरु कर दिया जायेगा। छात्र 28 मई से प्रवेश के दूसरे चरण में भाग ले सकेंगे। दूसरे चरण के तहत 28 मई से 6 जून तक ऑनलाइन पंजीयन आवेदन हो सकेंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 29 मई से 4 जून तक होगा। दूसरे चरण का सीट आवंटन 7 जून को जारी होगा। आवंटित महाविद्यालय में छात्रों को 7 से 13 जून तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर प्रवेश तय करना होगा। सीएली चरण तहत 15 जून से 20 जून तक ऑनलाइन पंजीयन आवेदन हो सकेंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 16 जून से 21 जून तक होगा। सीट आवंटन 23 जून को जारी होगा। आवंटित महाविद्यालय में छात्रों को 23 से 30 जून तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर प्रवेश तय करना होगा

पीजी कक्षाओं में प्रवेश आवेदन 2 से : इसी तरह, महाविद्यालयों की स्नातकोत्तर कक्षाओं में 2 मई से प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ होगी। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लेने छात्र 2 से 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दस्तावेजों का सत्यापन 4 से 16 मई तक किया जा सकेगा। तत्पश्चात विभाग द्वारा 21 मई को प्रथम चरण का सीट आवंटन ऑनलाइन जारी किया जायेगा। आवंटित महाविद्यालय में छात्रों को 21 मई से 26 मई तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर प्रवेश तय करना होगा। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश का द्वितीय चरण 28 मई से 13 जून व सीएलसी चरण 15 जून से 30 जून तक चलेगा।

छात्रों को मिलेगा अपग्रेडेशन का विकल्प : बता दें कि पिछले सप्ताह ही विभाग ने इन कक्षाओं में प्रवेश की मार्गदर्शिका जारी की है। सत्र 2026-27 में प्रवेश देने संबंधी मार्गदर्शिका (गाइडलाइन) में विभाग ने उल्लेखित किया है कि स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश के पहले चरण से अपग्रेडेशन प्रक्रिया लागू होगी। अर्थात् पहले चरण में जो महाविद्यालय छात्र को आवंटित होगा, यदि वह उसमें प्रवेश नहीं लेना चाहता और ऑनलाइन शुल्क जमा कर दिया गया है तो छात्रों को ऑनलाइन ही अपग्रेडेशन विकल्प को चयनित करना होगा। अपग्रेडेशन विकल्प चयनित होने पर अगले चरण में छात्र का प्रवेश उस महाविद्यालय में हो सकता है, जिसका नाम उसने च्वॉइस फिलिंग में सबसे पहले दर्ज किया था। हालांकि अपग्रेडेशन के तहत पसंदीदा महविद्यालय में भी छात्र को प्रवेश मेरिट के आधार पर ही दिया जायेगा। यह अपग्रेडेशन विकल्प प्रवेश के प्रत्येक चरण, सीएलसी में भी छात्र को मिलता रहेगा।

ई-प्रवेश पोर्टल के जरिये चलेगी प्रक्रिया : गौरतलब है कि रीवा जिले में 18 सरकारी महाविद्यालय है, जबकि 29 के लगभग निजी महाविद्यालय हैं। इन महाविद्यालयों के स्नातक बीए, बीएससी, बीकॉम व स्नातकोत्तर एमए, एमएससी, एमकॉम सहित अन्य पाठ्यक्रमों में एक साथ ऑनलाइन प्रवेश दिए जाते हैं। यह प्रक्रिया उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल के जरिये चलती है।

मोबाइल पर मिलेगी त्रुटिपूर्ण आवेदन की सूचना : मार्गदर्शिका में स्पष्ट किया गया है कि जिन छात्रों के ऑनलाइन आवेदन या दस्तावेज अपलोड में कोई त्रुटि है, उनके आवेदनों का सत्यापन नहीं होगा। ऐसे आवेदनकर्ता छात्रों को मोबाइल पर सूचना देने की जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय की होगी। संबंधित छात्रों को एमपी ऑनलाइन के संदेश से भी जानकारी दी जायेगी। इसके अलावा, छात्र ई-प्रवेश पोर्टल पर ऑनलाइन भी अपने आवेदन का स्टेटस जांचते रहें, ताकि उन्हें आवेदन त्रुटि से संबंधित जानकारी शीघ्र मिल सके और उसमें आवश्यक सुधार कर सकें।

ऐसे चलेगी यूजी पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया

पंजीयन आवेदन	-	1 से 15 मई तक
दस्तावेज सत्यापन	-	2 से 16 मई तक
सीट आवंटन जारी होना	-	20 मई
शुल्क जमा की तिथि	-	20 मई से 26 मई तक

पीजी प्रवेश प्रथम चरण प्रक्रिया

पंजीयन आवेदन	-	2 से 15 मई तक
दस्तावेज सत्यापन	-	4 से 16 मई तक
सीट आवंटन जारी होना	-	21 मई
शुल्क जमा की तिथि	-	21 मई से 26 मई तक

कॉलेजों में प्रवेश संबंधी मार्गदर्शिका उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई है, स्नातक में 1 मई व स्नातकोत्तर में 2 मई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो रही है। प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है।

कमिश्नर साहब निकलेंगे, अपनी-अपनी दुकानें हटा लो!

खुद की कारस्तानी छिपाने मातहतों ने अवैध दुकानदारों को पहुंचाई पूर्व सूचना

जागरण, रीवा। अभी कुछ देर बाद कमिश्नर साहब निकलेंगे, सभी लोग जल्दी से अपनी-अपनी दुकानें हटा लो, उनके निकलने के बाद फिर से दुकानें लगा लेना, उक्ताशय की सूचना मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे नगर निगम के मातहतों के माध्यम से अवैध ठेला संचालक, अवैध दुकान लगाने वालों को पहुंचाई गयी, उक्त आदेश का पालन करने तत्काल दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें व ठेले यहां से हटाकर कोई लाडली लक्ष्मी पथ की ओर चल दिया तो कोई चौराहे से आगे बढ़ गया। निगम कमिश्नर इस मार्ग पर निकलेंगे इसकी सूचना विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों के अलावा और किसी को होना संभव ही नहीं, इससे तो यही जाहिर होता है कि शहर में जो भी अवैध दुकानें, ठेले आदि लग रहे हैं उनमें निगम के मातहतों का ही मौन स्वीकृति है।

कभी कोई डिमांड अथवा राशि मांगते हैं तो वह पूरी कर देते हैं : जब इस संबंध में ठेले वाले व दुकानदारों से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम यहां धंधा कर रहे हैं, जब दुकानें हटाने को बोलते हैं हटा लेते हैं, कितना किराया देते हो पूछने पर दुकानदार आनकानी करने लगे किसी ने कहा नहीं किराया वगैरह नहीं देते, तो किसी ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि जब कभी किसी सामग्री अथवा राशि की डिमांड करते हैं वह पूरी कर देते हैं, इसकी उन्हें किसी प्रकार की रसीद वगैरह नहीं दी जाती। कमिश्नर साहब के निकलने के बाद फिर से अपनी दुकानें लगा लेंगे। शहर में अधिकतर दुकानदार इसी तरीके से अपनी दुकानें और ठेले लगा रहे हैं। कुछ दुकानदारों की प्रतिदिन रसीद भी काटी जाती है। कॉलेज चौराहे में तो कुछ ही ठेले व दुकानें लगी हैं, किन्तु शहर के कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठेले के साथ ही दुकानों का अंबार है, इस मान से तो अवैध रूप से दुकानें संचालित करवाने वाले नगर निगम प्रशासन को कितने राजस्व की चपत लगा रहे होंगे, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

2019 में बना आयुष्मान कार्ड आज तक नहीं मिला

रीवा। गुढ़ निवासी प्रकाश पिता गोपाल बंसल ने कलेक्टर को शिकायत दर्ज करवाई कि उसका आयुष्मान कार्ड 2019 में व्हीआईएचओ टीम द्वारा घर पर आकर बनाया गया था, उस समय आयुष्मान कार्ड घर-घर जाकर बनाए जाते थे। आवेदक का आयुष्मान कार्ड का आवेदन भी भरकर ले गए किन्तु आज दिनांक तक आवेदक को आयुष्मान कार्ड मिला नहीं। नमो नामक व्यक्ति आवेदक का आयुष्मान कार्ड बना गया था जिसने अपना मो. नंबर 8349082116 बताया था। हॉस्पिटल वाले कहते हैं कि आयुष्मान कार्ड संबंधित व्यक्ति को दे दिया गया है, किन्तु आवेदक अभी भी उससे वंचित है।

निगमायुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण स्वच्छता को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

रतहरा तालाब में सुरक्षा सुदृढ़ करने एक और अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने के निर्देश

जागरण, रीवा। निगमायुक्त अक्षत जैन द्वारा शहर की स्वच्छता एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों का प्रातः भ्रमण किया गया। उन्होंने वार्ड क्रमांक 13 नेहरू नगर, रतहरा, कोष्टा डंपिंग साइट, रतहरा तालाब, रानी तालाब एवं बिछिया एसटीपी का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने रतहरा तालाब में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने के निर्देश दिए। साथ ही कचरे के ढेरों के शीघ्र उठाव हेतु समय निर्धारण कर नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। खाली प्लॉटों में कचरा फैलने की समस्या पर उन्होंने प्लॉट मालिकों से समन्वय कर उन्हें अपने प्लॉट सुरक्षित रखने के लिए स्वच्छता सहयोगी के रूप में प्रेरित करने को कहा। निगमायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को सख्ती से निर्देशित किया कि स्वच्छता कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। इस दौरान उपायुक्त एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड दरोगा एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिछिया एसटीपी के हाउस कनेक्शन में तेजी लायें : भ्रमण के दौरान निगमायुक्त ने बिछिया स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण कर पंपिंग, प्राइमरी ट्रीटमेंट, एसबीआर-1, एसबीआर-2 एवं स्लज ट्रीटमेंट जैसी प्रक्रियाओं की जानकारी ली। स्काडा रिपोर्ट का जायजा लिया। उन्होंने चल रहे हाउस कनेक्शन कार्यों की जानकारी ली जिसमें बताया गया कि एक दिन में 2 से 3 कनेक्शन किए जाते है। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि अतिरिक्त टीम लगाकर कार्य में गति लाये और शीघ्रता से हाउस कनेक्शन के लक्ष्य पूर्ण करें।

सीवेज रोड रेस्टोरेशन की सतत मानीटरिंग करें : सीवेज रोड रेस्टोरेशन कार्यों को लेकर निगमायुक्त श्री जैन ने निर्देशित किया कि सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाए एवं जिन क्षेत्रों में कार्य लंबित हैं, वहां गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से रोड रेस्टोरेशन किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक आबादी एवं आवागमन वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे नागरिकों को असुविधा न हो। तालाब परिसर के भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि परिसर की स्वच्छता में कोई लापरवाही न बरती जाए। जिनसे नागरिकों और आगंतुकों के भ्रमण के दौरान स्वच्छता का बेहतर वातावरण मिल सके।

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (सामान्य शाखा) खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है।, **क्र सं. 1 निविदा सूचना कमांक**–जबल–एल–टी–न 01–2026 दिनांक 11/04/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– दो विविध विद्युत कार्य (i) एडेन (एस) STA उपमंडल के अंतर्गत PTWA स्टेशन पर 2 यूनिट आरबी द्वितीय क्वार्टर और LGCE स्टेशन पर 4 यूनिट आरबी द्वितीय क्वार्टर का निर्माण (ii) रेल सौरभ कॉलोनी जबलपुर में 22 मुफ्त बंगलों और अधिकारी बंगले, में एक अतिरिक्त कमरे का निर्माण। एडेन (मुख्यालय) जेबीबीपी उपमंडल, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयों में)**– Rs. 4140692.64, **बयाना राशि रूपये** – Rs. 82800.00, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**– 04/05/2026, निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)– 04/05/2026, **क्र सं. 2 निविदा सूचना कमांक**–जबल–एल–टी–न 02–2026 दिनांक 15/04/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित– जबलपुर मंडल के पथरिया में पंप के संचालन के लिए 5 किलोवाट का वाणिज्यिक कनेक्शन।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयों में)**– Rs. 1148019.26, **बयाना राशि रूपये** – Rs. 23000.00, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**– 07/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)**– 07/05/2026, **उपरोक्त सभी निविदा के लिये फार्म की कीमत (रूपये में)**– 0.00/–, **कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है।**– वरि.मंडल विद्युत अभिंता/सामान्य/जबलपुर, **समापन अवधि (माह)**– 06 माह, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेब साइट https://ireps.gov.in. पर उपलब्ध है पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेब साइट से डाउन लोड की जा सकती।

(हस्ता.)
वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सिरमौर चौराहे पर खोदा गया गड्ढा आवगमन में बना बाधक

ओवर लोड वाहन रात्रि में फंसा, मशक्कत कर निकाला

जागरण, रीवा। क्षतिग्रस्त हो चुकी पेयजल पाइप लाइन को दुरुस्त करने तीन दिन पूर्व सिरमौर चौराहे पर ओवर ब्रिज के नीचे सड़क पर जेसीबी से गड्ढा खोदा गया था, कार्य करने के बाद ऊपर से मिट्टी बिछाकर छोड़ गए, जिससे यहां अच्छा खासा मिट्टी का ढेर लगा है, बायपास का पुल क्षतिग्रस्त होने से प्रतिदिन रात्रि 11 बजे के बाद से शहर के भीतर से भारी वाहनों का आवागमन होता है, कई वाहन चालक ओवर ब्रिज चढ़ने की बजाय ब्रिज के बगल से बने सर्विस रोड से ही अपने वाहन निकाल रहे हैं, सोमवार रात्रि हल्की बूंदाबांदी हुई, सतना की ओर से आने वाला ओवर लोड वाहन चालक अपना वाहन लेकर सर्विस रोड में घुस गया, खोदे गए गड्ढे के ऊपर वाहन चढ़ जाने से वाहन के पहिए धंस गए, वाहन चालक काफी देर तक वाहन को आगे, पीछे बढ़ाकर निकालने का प्रयास करता रहा, कुछ वाहन चालकों ने खोदे गए गड्ढे में पत्थर वगैरह डाले जब जाकर यहां से वाहन निकल पाया। अभी और कितने दिनों तक वाहन चालकों को सिरमौर चौराहे पर इस समस्या का सामना करना पड़ेगा, कहा नहीं जा सकता।

उम्मीद फाउंडेशन ने किया हज यात्रियों का सम्मान

रीवा। उम्मीद फाउंडेशन बिछिया ने हज में जाने वाले यात्रियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें विशेष रूप से हज यात्री मो. तौहीद व उनकी वालिदा अजीजुन्निशा शामिल रहीं। इस मौके पर आलिम नदीम अहमद शाकिबी ने हज की अहमियत व फजीलत की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सम्मान समारोह में उम्मीद फाउंडेशन के संरक्षक अब्दुल वाहिद खान, हाजी डीडी खान, याकूब खान, मास्टर रफी खान, हाजी असलम खान, कलीम खान, हाजी मतीन खान, हाजी मास्टर शफीक खान, रहमुददीन खान, इंजी. राशिद खान, आमिर खान, आरिफ खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं अरुण कुमार द्विवेदी पिता श्री मोतीलाल द्विवेदी उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम कुलबहेरिया जिला रीवा जो वर्तमान में जिला मऊगंज म.प्र. है। में मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र सिद्धार्थ द्विवेदी के नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम ब्रांच रीवा तानसेन काम्प्लेक्स रीवा म.प्र. की पॉलिसी क्रमांक-357702211 में उसका नाम आयुष कुमार द्विवेदी लेख है। जबकि आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम सिद्धार्थ द्विवेदी लेख है। जो सही एवं सत्य है। सिद्धार्थ द्विवेदी एवं आयुष कुमार द्विवेदी दोनों ही नाम मेरे पुत्र के हैं। अत: भारतीय जीवन बीमा निगम ब्रांच रीवा पॉलिसी क्रमांक-357702211 में मेरे पुत्र का सही नाम सिद्धार्थ द्विवेदी पढ़ा लिखा एवं दर्ज किया जाये।

R-85256 अरुण कुमार द्विवेदी

सूचनार्थ

प्रति,

श्री दीपक कुमार तनय श्री संतोष कुमार पता- ब्लॉक नं. 1, क्वार्टर नं. 3, सेन्ट्रल जेल के पास, जेल रोड, पुलिस लाइन रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) **.....नोटिसग्रहीता**

मांग की सूचना

मेरे पक्षकार अभिषेक सिंह तनय श्री पुष्पराज सिंह पता-शिल्पी ग्रीन्स रीवा, तहसील हुजूर, जिला रीवा (म.प्र.) ने सभी तथ्यों से अवगत कराते हुए मुझे अधिकृत किया है कि विधिक आधार पर आपके विरूद्ध मांग की सूचना प्रेषित करूं।

1- यह कि मेरे पक्षकार और आपके मध्य मित्रवत् संबंध थे।

2- यह कि मेरा पक्षकार हार्डवेयर की दुकान का संचालन करता है जिसमें आप नोटिसग्रहीता ने कुल 32,86,348/-रू. (बत्तीस लाख छियासी हजार तीन सौ अड़तालीस रू.) का हार्डवेयर का सामान खरीदा था। जिसमें से 2,86,348/- रू. का आपके द्वारा नगद भुगतान किया गया था एवं शेष राशि 30,00,000/- रू. (तीस लाख रू.) की अदायगी का चेक क्रमांक 028216 दिनांकित 16.02.2026 यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया शाखा बिछिया, जिला रीवा (म.प्र.) को मेरे पक्षकार को प्रदत्त किया व कहा कि अपने खाते में लगाकर भुगतान प्राप्त कर लेवें।

3- यह कि मेरे पक्षकार ने उक्त 30,00,000/- रू. (तीस लाख रू.) के भुगतान प्राप्त हेतु उसी दिन (16.02.2026) को अपने बैंक खाता यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया शाखा शिल्पी प्लाजा रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) में जमा किया जो 'Funds Insufficient' की टीप के साथ अनादरित कर दिया गया। जिसके बाद आपसे पुन: सम्पर्क करने पर आप नोटिसग्रहीता द्वारा बताया गया कि पुन: एक माह पश्चात् चेक लगाकर भुगतान प्राप्त कर लेवें जिसकी बात का विश्वास कर मेरे पक्षकार ने पुन: दिनांक 23.03.2026 को उक्त चेक बैंक खाता में जमा किया जो पुन: 'Funds Insufficient' के साथ दोबारा दिनांक 23.03.2026 को अनादरित कर वापस कर दिया गया। इस तरह आपके द्वारा किया गया कृत्य धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत अपराध है। मांग की सूचना आपको रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई थी जो मिथ्या टीप अंकित कराकर वापस कर दी गई है। जिससे यह नोटिस समाचार पत्र में प्रकाशित की जा रही है। अत: आप नोटिसग्रहीता 30,00,000/-रू. (तीस लाख रू.) का भुगतान नोटिस प्रकाशन के पश्चात् कर दें अन्यथा मेरा पक्षकार विधिक कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र होगा।

दिनांक- 28.04.2026

भवदीय
सोनल दुबे एडवोकेट
जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा (म.प्र.)
मो.नं.-9713076297 R-85042

आसमान पर छा रहे काले बादल, खरीदी केन्द्रों में खुले आसमान के नीचे रखा गेहूं

रीवा। पिछले तीन दिनों से आसमान पर काले बादल छा रहे हैं, सोमवार रात तेज हवा, आंधी चलने के साथ हल्की बूंदाबांदी भी हुई, मौसम विभाग के अनुसार बारिश होने की भी संभावना जताई गई है, ऐसे में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी केन्द्रों में खुले आसमान के नीचे खरीदा गया गेहूं रखा है, यदि बारिश होती है तो इस साल भी गेहूं के गीले होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। खरीदी के लिए जो शेड निर्धारित किए गए हैं वे सभी बारदानों से भरे हैं, कई टन गेहूं शेड के बाहर रखा हुआ है, जिसका परिवहन धीमी गति से किया जा रहा है, अभी भी गेहूं भरे कई बारदानें शेड के बाहर ही रखे हैं।

व्यापारी समय पर नहीं उठवाते खरीदा गया अनाज मण्डी के अधिकतर शेडों में यहां अनाज खरीदी करने वाले व्यापारियों का कब्जा है, शासन के नियमानुसार मण्डी में अनाज खरीदने वाले व्यापारियों को 24 घंटे के अंदर खरीदा गया अनाज मण्डी से उठवाकर अपने गोदामों में पहुंचाने का प्रावधान है, किन्तु अधिकतर व्यापारी खरीदा गया अनाज यहीं जमाकर रखते हैं, सरकारी खरीदी केन्द्रों के साथ निजी व्यापारी भी गेहूं, चना आदि की खरीदी कर रहे हैं जो मण्डी के शेडों में बारदानों में भरकर जमाते जा रहे हैं और उन्हें यहां से हटाने की बजाय बरसाती आदि ढंककर मण्डी के शेडों में ही अनाज को सुरक्षित रख रहे हैं।

अभी भी खेतों में पड़ी काटी गई फसल : कई किसानों की गेहूं की कटी फसल अभी उनके खेतों में रखी है, कुछ किसान मौसम खराब होने पर ट्रैक्टरों में फसल भरकर सुरक्षित कर रहेहैं तो कुछ गेहूं वगैरह निकलवाने के लिए थ्रेसर आदि की व्यवस्था में जुटे हैं, किसानों ने बताया कि अचानक मौसम बदल जाएगा इसका उन्हें अनुमान नहीं था, पहले दिन कुछ देर बादल छाए फिर आसमान साफ हो गया, लेकिन सोमवार को बादलों की आवाजाही बनी रही, मंगलवार को भी आसमान पर बादल मंडराते रहे, जिससे बारिश की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

आम सूचना
मूल रजिस्ट्री गुमी

आराजी नं. 566/1/1/2 की रजिस्ट्री दिनांक 25/04/2026 को बरेही से गुम गई है। जो राजेश कुमार पटेल पिता स्व. बंसरूप पटेल ग्राम बुड़वा गोरगाँव थाना रायपुर कर्चु. जिला रीवा के नाम पर थी। जिस किसी को मिली हो निम्न पते पर पहुचाएं।

पता : राजेश कुमार पटेल पिता स्व. वंसरूप पटेल ग्राम बुड़वा पो. गोरगाँव थाना रायपुर कर्चु. जिला रीवा (म.प्र.)

मो. नं. : 7067635956

कार्यालय नगर परिषद डभौरा जिला रीवा (म.प्र.)

cmodabhora@mpurban.gov.in

क्रमांक/554 स्टोर/न.प./2026 डभौरा दिनांक-28/04/2626

ई-निविदा सूचना-द्वितीय आमंत्रण

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यालय नगर परिषद डभौरा में स्ट्रीट लाईट सामग्री, अस्थाई दखल शुल्क 2026-27 हेतु निम्नानुसार कॉलम में वर्णित सामग्री की दरों की आवश्यकता है। जिस हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदार/फर्म/सप्लायर्स से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा विस्तृत वेबसाइट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	सामग्री/कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	निविदा की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_503607_1 Date-28.04.2026	स्ट्रीट लाइट सामग्री क्रय	05.00 लाख	5000	2000	05.05.2026
2.	2026_UAD_503594_1 Date 28.04.2026	अस्थाई दखल शुल्क वसूली	2.50 लाख	2500	2000	05.05.2026

नोट: निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in/ की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद डभौरा जिला रीवा (म.प्र.)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्वाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./4245/22/D-12/NIT-Maint./2026 Bhopal, Dated : 28.04.2026

NOTICE INVITING TENDER No. 379/MTN/2026

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.**
- **Table-1: Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Agar Malwa	1	19934390.00
2.	Anuppur	4	144602572.00
3.	Alirajpur	1	20405084.00
4.	Betul	5	130973110.00
5.	Dewas	2	47755343.00
6.	Dhar	1	2374697.00
7.	Guna	1	36125233.00
8.	Harda	1	22106176.00
9.	Mandsaur	1	4584665.00
10.	Narmadapuram	6	91904943.00
11.	Neemuch	1	4325152.00
12.	Niwari	1	11028617.00
13.	Raisen	2	35645453.00
14.	Rajgarh	5	97053745.00
15.	Rewa	1	13627398.00
16.	Sagar	1	30686026.00
17.	Sehore	3	6024827.00
18.	Sheopur	1	11930716.00
19.	Ujjain	2	79462726.00
20.	Vidisha	3	93030573.00

- **Table-2 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR TEN YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	4	34621059.00
2.	Betul	3	36340860.00
3.	Bhind	1	9516549.00
4.	Burhanpur	1	3456637.00
5.	Chhindwara	1	13691605.00
6.	Damoh	1	6234120.00
7.	Dindori	1	16135301.00
8.	Guna	3	64022944.00
9.	Jabalpur	1	18042996.00
10.	Katni	1	32631223.00
11.	Narmadapuram	6	55752557.00
12.	Narsinghpur	3	49840645.00
13.	Pandhurna	1	16384754.00
14.	Panna	1	12904854.00
15.	Raisen	2	26535360.00
16.	Rajgarh	2	24833637.00
17.	Sagar	1	5269648.00
18.	Sehore	8	58955035.00
19.	Seoni	1	36477329.00
20.	Shivpuri	1	3358770.00
21.	Sidhi	2	54557700.00
23.	Singrauli	1	17388832.00
24.	Ujjain	1	24499950.00
25.	Vidisha	1	14888193.00

- **Table-3 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIFTEEN YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Betul	9	180940454.00
2.	Chhindwara	1	28387778.00
3.	Dhar	2	38608338.00
4.	Dindori	1	5254499.00
5.	Guna	1	7123555.00
6.	Harda	1	4154015.00
7.	Jhabua	1	35158524.00
8.	Khargone	2	31279186.00
9.	Narmadapuram	3	30076052.00
10.	Raisen	2	19244733.00
11.	Rajgarh	2	42342051.00
12.	Sagar	1	7032505.00
13.	Sehore	1	16226055.00
14.	Seoni	1	70372724.00
15.	Shajapur	1	29256795.00
16.	Shivpuri	1	11316781.00
17.	Singrauli	1	69147813.00
18.	Ujjain	1	23220909.00
19.	Vidisha	6	45403535.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from 05.05.2026 from 17:30 hrs. and last date for online bid submission is 26.05.2026 (17:00 hrs.).
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. M./125540/2026 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेंडर नं. NCRPU-KRJ-CPYZ-MSDAC-T-05-2026 दिनांक: 23.04.2026

ई-टेंडर नोटिस

डिप्टी चीफ सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर/पीयू/अलीगढ़, एन.सी. रेलवे, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से सील "ओपन टेंडर" आमंत्रित किया गया है।

ई-टेंडर नं.: NCRPU-KRJ-CPYZ-MSDAC-T-05-2026, Dated: 23.04.2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज डिवीजन के KRJ-CPYZ खंड के बीच डीएन लाइन में पुराने एएफटीसी को एमएसडीएसी से बदलना।

अनुमानित लागत (रु.): 6,77,19,396.25/-	**बयाना पैसा (रु.):** 13,54,400.00
निविदा प्रपत्र की लागत: 0.00/-	**निविदा की वैधता:** 90 दिन

निविदा बंद करने की तिथि और समय: 28.05.2026, 15:00 hrs.

स्वीकृति पत्र जारी करने से पूर्ण/अवधि की तिथि: 15 माह

नोट- 1) टेंडर डॉक्यूमेंट के साथ समस्त जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **15:00 बजे** तक उपलब्ध रहेगी। 2) ई-बिड्स के अलावा किसी प्रकार की बिड्स स्वीकार नहीं की जाएगी। इस कार्य के लिए वेंडर्स अपने क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट **(CCA अंडर आईटी एक्ट 2000 द्वारा जारी)** के साथ **ireps** वेबसाइट में रजिस्टर्ड होने चाहिए। 3) रेट्स जो कि फाइनेंसियल रेट पेज में इंटर किये गए है और डिजीटल सिग्नेचर किये गए है वही विचार किये जायेंगे रेट्स और कोई भी फाइनेंसियल स्थिति किसी भी रूप में या लैटर हेड संलग्न किया गया हो, वह इगनोर किया जायेगा और विचार नहीं किया जायेगा। 4) जो भी डॉक्यूमेंट्स संलग्न किये गए है वे ठेकेदार के द्वारा डिजीटल सिग्नेचर किये गए हो। 5) सभी डिटेल्स के लिए और बिड जमा करने के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखे। **925/26 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांक: झाँसी/टी.डी./ड्रा.से./टेन्डर/नोटिस/149 **दिनांक:** 24.04.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इन्जी (कर्षण वितरण) झाँसी के निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन: (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-01

कार्य का नामः (1) झाँसी मंडल में 20000 से अधिक टी0वी0यू0 वाले लेबिल क्रासिंग गेट संख्या 377 (BWR-NEW), 382 (MGRR-TKA) एवं 473 (KHU-ATE) के इण्टरलांकिंग के सम्बन्ध में 10 के0वी0ए0 ए0टी0 आपूर्ति का प्रावधान का कार्य। (2) झाँसी मंडल में 10000 से अधिक एवं < 20000 टी0वी0यू0 वाले लेबिल क्रासिंग गेट संख्या 394 (MRPR-RORA), 406 (GTI-BTX), 409 (BTX-KLAR), 410 (BTX-KLAR) एवं S-46 (DPSR-HAR) के इण्टरलाकिंग के सम्बन्ध में 10 के0वी0ए0 ए0टी0 आपूर्ति का प्रावधान का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹4761876.52 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹95200.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-02

कार्य का नामः झाँसी मंडल के झाँसी-धौलपुर खण्ड में SIKRODA KWANRI स्टेशन पर 3rd लाइन पर Longer loop लाइन के संबंध में ओ0एच0ई0 मोडिफिकेशन का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹3237176.66 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹64800.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-03

कार्य का नामः झाँसी मंडल के झाँसी-बीना खण्ड में Jiron स्टेशन पर UP लूप लाइन की CSR बढाने के लिए UP लूप लाइन के पिछले सिरे को झाँसी छोर की ओर 90mtr तक शिफ्ट करने के संबंध में ओ0एच0ई0 मोडिफिकेशन का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹6981140.42 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹139600.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-04

कार्य का नामः झाँसी मंडल के करारी (KRQ) स्टेशन पर 3rd लाइन पर Longer loop लाइन के संबंध में ओ0एच0ई0 मोडिफिकेशन का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹7826054.04 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹156500.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-05

कार्य का नामः झाँसी मंडल के झाँसी-धौलपुर खण्ड में अंतपेठ स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग का विस्तार करते हुए 3rd लाइन पर Longer loop लाइन के संबंध में ओ0एच0ई0 मोडिफिकेशन का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹5991869.56 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹119800.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-06

कार्य का नामः झाँसी मंडल के झाँसी-बीना खण्ड में मोहासा स्टेशन (VGL छोर) पर 3rd लाइन पर Longer loop लाइन के संबंध में ओ0एच0ई0 मोडिफिकेशन का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹11237072.08 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹224800.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-टी.डी.-टेन्डर-2026-07

कार्य का नामः झाँसी मंडल के JHS EI-1 पर UP दिशा में 02 लूप लाइनों के प्रावधान के संबंध में ओ0एच0ई0 मोडिफिकेशन का कार्य।

अनुमानित लागत (रु): ₹15419739.65 | **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी (रु):** ₹308400.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 19.05.2026 15.00 pm.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

- निविदा **दिनांक 19.05.2026** को **15.00 बजे** तक आन लाईन जमा कर सकेगें।
- पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट www.ireps.gov.in पर देखें। **912/26(A)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त खबरें

यादव आज संभालेंगे अपेक्स बैंक प्रशासक का पद

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक)के नव नियुक्त प्रशासक महेंद्र सिंह यादव बुधवार को अपना पदग्रहण करेंगे। श्री यादव शाम 4 बजे टीटी नगर स्थित बैंक मुख्यालय पहुंचकर अपना पद संभालेंगे। इससे पहले यादव भाजपा कार्यालय जाएंगे,जहां से उनकी पदभार यात्रा निकाली जाएगी,जो बोर्ड ऑफिस होते हुए अपेक्स बैंक मुख्यालय पहुंचेगी।

नगायच भी ग्रहण करेंगे पद: इसी तरह मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगायच द्वारा पदभार ग्रहण किया जाएगा। नगायच दोपहर 3 बजे पार्टी मुख्यालय में महापुरुषों के प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके उपरांत वे विधिविधान के साथ अपने पद ग्रहण करेंगे। इन दोनों नेताओं के पदभार ग्रहण के दौरान प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित दूसरे नेता मौजूद रहेंगे।

एमपी को मिला लीडिंग टूरिज्म डेस्टीनेशन अवार्ड

मुख्य संवाददाता. भोपाल। एमपी टूरिज्म को जयपुर में आयोजित ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के दौरान लीडिंग टूरिज्म डेस्टीनेशन के सम्मान से नवाजा गया। यह पुरस्कार फिक्की द्वारा पर्यटन मंत्रालय (भारत सरकार) और राजस्थान पर्यटन के सहयोग से आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्सीलेंस अवॉर्ड्स में दिया गया। एमपी टूरिज्म बोर्ड के अतिरिक्त प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने यह सम्मान ग्रहण किया। इस मौके पर पर्यटन सचिव और प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा कि यह पुरस्कार मध्य प्रदेश की समृद्ध विरासत, वन्यजीव और संस्कृति की बढ़ती वैश्विक पहचान का प्रमाण है। जयपुर में हुए इस आयोजन में एमपी पवेलियन आकर्षण का केंद्र रहा। यहां बधाई नृत्य और एमपी के सेव, गजक और आम पना आगंतुकों को परोसा गया। पवेलियन में यूनेस्को धरोहर स्थलों, आध्यात्मिक केंद्रों और ईको-टूरिज्म पर विशेष फोकस किया गया।

योजनाओं का लाभार्थियों तक पहुंचाएं लाभ : देशमुख

विसं भोपाल। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास की अतिरिक्त सचिव कैरोलिन खोंगवार देशमुख ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ लाभार्थियों तक सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करना प्रशासनिक तंत्र की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मंगलवार को भोपाल प्रवास के दौरान उन्होंने यह बात महिला एवं बाल विकास संचालनालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कही, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पोषण 2.0, मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य की प्रगति का विश्लेषण किया। श्रीमती खोंगवार ने विभागीय नवाचारों की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता और गतिशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। श्रीमती देशमुख ने मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखने के लिए भोपाल जिले के विभिन्न केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ईंटखेड़ी परियोजना के जेपी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया, जहाँ बच्चों के साथ सीधा संवाद कर उनकी शिक्षा और पोषण के स्तर को समझा। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शगुफ्ता खान ने उन्हें अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और एसआर फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किए गए शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं।

5वीं और 8वीं के एक लाख बच्चों को बोर्ड पैटर्न पर दूसरा मौका 1 जून से

परीक्षा के ठीक पहले स्कूल ही प्रिंट करेंगे पेपर, गोपनीयता भी रखेंगे, फिर से मिलेंगे एडमिट कार्ड

जागरण, भोपाल। लंबे अंतराल के बाद प्रदेश में हुई बोर्ड पैटर्न की पांचवी-आठवीं की परीक्षा में नाकाम रहे छात्र-छात्राओं के लिए एक और मौका है। वे एक बार फिर परीक्षा देकर अपना साल बचा सकते हैं। मुख्य परीक्षा में फेल हुए या सप्लामेंट्री पाने वाले परीक्षार्थी 1 जून से दोबारा परीक्षा दे सकते हैं।

इस परीक्षा में उन छात्र-छात्राओं को भी मौका दिया जाएगा, जो पहली परीक्षा देने से चूक गए थे। फरवरी-मार्च में हुई पहली परीक्षा में एक लाख से ज्यादा परीक्षार्थी उत्तीर्ण नहीं हो सके थे। राज्य शिक्षा केंद्र आरएसके ने 1 जून से होने वाली द्वितीय परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षा पूरे प्रदेश में 1 से 6 जून तक एक साथ आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों व पर्यवेक्षकों के लिए भी गाइड लाइन जारी की गई है। इस परीक्षा में प्रदेश के समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं और पंजीकृत मदरसों के अनुत्तीर्ण व सप्लीमेंट्री पाने वाले विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। इन परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र भी अलग से जारी किए जाएंगे। जो राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे। शाला प्रमुख/ जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी/ बीआरसीसी, डीपीसी भी अपने लॉगिन के जरिए परीक्षा पोर्टल से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षार्थियों को उपलब्ध करा सकते हैं। सभी स्कूलों को प्रधानाध्यापकों के माध्यम से 25 मई तक उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ताकि बच्चों को भी समय पर प्रवेश पत्र मिल जाएं।

आरटीई में नहीं है फेल करने का नियम

शिक्षा के अधिकार आरटीई में आठवीं तक फेल करने का प्रावधान नहीं है। पास होने के लिए 33 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। इससे कम अंक पाने वाले छात्रों को फिर से तैयारी कराकर दूसरी परीक्षा का मौका दिया जाता है। ताकि कमजोर छात्रों का शैक्षणिक स्तर भी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों के समान हो सके। इसके लिए प्रोजेक्ट के नंबर भी हर छात्र को दिए जाते हैं। आरएसके ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि जो परीक्षार्थी पूर्व में प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण नहीं कर सके अथवा जिन्हें प्रोजेक्ट कार्य में 7 से कम अंक प्राप्त हुए हैं, उनके सभी विषयों के प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करवाकर स्कूल स्तर पर मूल्यांकन किया जाए। प्रोजेक्ट के नंबर भी परीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए जाएं, ताकि उनके रिजल्ट में प्रोजेक्ट के नंबर जोड़े जा सकें।

एक लाख परीक्षार्थी होंगे शामिल

मुख्य परीक्षा में करीब 23 लाख छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। इनमें करीब एक लाख छात्र-छात्रा उत्तीर्ण नहीं हो सके थे। ये एक-दो या पूरे विषयों में अनुत्तीर्ण रहे थे। इनके अलावा करीब 40 हजार विद्यार्थी गैर हाजिर रहे। अब ये सारे छात्र-छात्राएं इस दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। विशेष परीक्षा देने के बाद ही उन्हें अगली क्लास में प्रमोट किया जाएगा। मुख्य परीक्षा का रिजल्ट 25 मार्च को घोषित किया गया था। पांचवीं में 95.14 प्रतिशत और 8वीं का 93.83 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल रहे थे।

स्कूल में ऑन स्पॉट प्रिंट होंगे पेपर

परीक्षाओं के पेपर परीक्षा केंद्र पर ही ऑनस्पॉट प्रिंट होंगे और केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। किसी केंद्र में 500 से अधिक परीक्षार्थी होने की स्थिति में ही दूसरा परीक्षा केन्द्र बनाया जा सकेगा। परीक्षा केंद्रों की मैपिंग बीआरसीसी द्वारा 15 मई तक पूर्ण कर ली जाएगी। हर स्कूल में दो प्रिंटर रखे जाएंगे। आरएसके सुबह 7 बजे तक पोर्टल पर पेपर अपलोड कर देगा। परीक्षा केंद्र प्रभारी द्वारा परीक्षा के पहले पेपर प्रिंट कर परीक्षार्थियों को वितरित किए जाएंगे। पेपर डाउनलोड एवं प्रिंट करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक नोडल अधिकारी होंगे।

सरकार ने अब ओबीसी छात्रगृह योजना की राशि बढ़ाई, छात्र को मिलेंगे 10 हजार

कैबिनेट ने विकास कार्यों के लिए विभाग के बजट प्रस्ताव को दी मंजूरी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद ने मंगलवार को अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के बाद ओबीसी छात्रों की छात्रगृह योजना की राशि में वृद्धि कर दी। अब दिल्ली या प्रदेश से बाहर अध्ययनरत छात्रों को 10 हजार रुपए प्रति माह राशि दी जाएगी। इसी तरह कैबिनेट ने लोकनिर्माण विभाग चिकित्सा शिक्षा, आंगनवाड़ी एवं सिंचाई योजना के लिए बजट प्रस्तावों पर भी अपनी सहमति प्रदान कर दी। मंत्रालय में दोपहर को हुई कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जिसमें लिए गए निर्णयों की जानकारी एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के विकास,किसानों और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई प्रस्तावों पर सर्वसम्मत मंजूरी दी गई है। विकास योजनाओं के लिये 26 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें लोक निर्माण के कार्यों के लिए 26311 करोड़ और चिकित्सा शिक्षा, आंगनवाड़ी एवं सिंचाई योजना के लिए 490 करोड़ रूपये की स्वीकृति किए गए है। इसमें सबसे अहम शाजापुर जिले की लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना है,जिसके लिए कैबिनेट ने 155 करोड़ 82 लाख रूपये के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिल्ली स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रगृह योजना-2005 में संशोधन की स्वीकृति दी है। जिससे अब हर साल 100 नए विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिसमें 50 सीटें स्नातक और 50 सीटें स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए तय की गई हैं। इसके साथ ही, जो विद्यार्थी पहले से इस योजना का लाभ ले रहे हैं, उन्हें उनके कोर्स की अवधि पूरी होने तक सहायता मिलती रहेगी।

दो मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी सुविधाएं

कैबिनेट ने पी.जी. सीट वृद्धि योजना के अंतर्गत गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के लिए रेडियोथैरिपी विभाग की ओ.पी.डी, लीनियक मशीन बंकर, बोनमैरो ट्रांसप्लांट यूनिट और कैथलैब का निर्माण कार्य के लिए 14 करोड़ 8 लाख रूपये की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही 79 करोड़ 16 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।इसी तरह रीवा के श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के अंतर्गत सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के विस्तार के तहत निर्माण कार्य के लिए 164 करोड़ 49 लाख रूपये के स्थान पर 174 करोड़ 80 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

भूअर्जन मुआवजा राशि स्वीकृत

काश्यप ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि संबंधी योजनाओं के लिए 6 हजार 925 करोड़ रूपये, एफ-टाईप से उच्च श्रेणी के शासकीय आवास एवं गैर आवासीय भवनों का अनुरक्षण का कार्य संबंधी योजना के लिए 1 हजार 680 करोड़ रूपये और भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है। इसके अलावा भारतीय सड़क कांग्रेस को अनुदान और डिक्रीधन के भुगतान के लिए 25 करोड़ 50 लाख रूपये और मुख्य जिला मार्गों, जिला मार्ग तथा अन्य जिला मार्गों के नवीनीकरण संबंधी योजना के लिए 5 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में विद्युतीकरण के लिए राशि स्वीकृत

मंत्रि-परिषद द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत विद्युतविहीन आँगनवाड़ी भवनों में विद्युत व्यवस्था अन्तर्गत 38 हजार 901 ऑगनवाड़ी भवनों में बाहय विद्युतीकरण संबंधी योजना की 16 वें वित्त आयोग की निर्धारित अवधि (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक) की स्वीकृति एवं निरंतरता के लिए 80 करोड़ 41 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। काश्यप ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 से वित्तीय वर्ष 2030-31 तक कुल 38,814 विभागीय आँगनवाड़ी भवनों, धरती आबा योजना अंतर्गत शेष संभावित 69 आँगनवाड़ी भवन एवं जिला खनिज फंड से निर्मित 18 आँगनवाड़ी भवनों सहित अनुमानत 38,901 आँगनवाड़ी भवनों में बाहय विदयुतीकरण का लक्ष्य है।

कोई माई का लाल आरक्षण नहीं छीन सकता: उमा भारती

विशेष संवाददाता, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मंगलवार को जम्बूरी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जब तक विशेष परिवारों के बच्चे गरीबों के बच्चों के साथ नहीं पढ़ते,तब तक पात्रों से आरक्षण कोई माई का लाल नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज लंबे समय तक जातिगत आधार पर बंटा रहा,जिसकी वजह से आर्थिक असमानताएं गहरी हो चुकी है। उमा भारती ने आरक्षण का विरोध करने वाले लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आरक्षण उस विषमता को कम करने का प्रयास है,जो वर्षो से इस देश में पनपता रहा है। बराबरी सिर्फ कानून से नहीं,बल्कि व्यवहार में बदलाव से आएगी। जब तक राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस के परिवार को लोग एक साथ सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगे,तब शिक्षा व्यवस्था और समाज दोनों में वास्तविक समानता नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पेड़,पहाड़ और जीव जतुंओं तक की पूजा की जाती है।

पहले भी दे चुकी है ऐसा बयान: ऐसा नहीं है कि उमा भारती ने माई का लाल वाला बयान मंगलवार को पहली बार दिया हो। उन्होंने अक्टूबर 2023 में भी भोपाल में ही आहुत किए गए पिछड़ा वर्ग के एक कार्यक्रम में आरक्षण का खुलकर समर्थन किया था। तब भी उमा भारती ने कहा था कि कोई माई का लाल आरक्षण खत्म नहीं कर सकता। हालांकि तब उन्होंने यह भी कहा था कि सरकारी नौकरियों में ओबीसी के साथ-साथ एससी-एसटी के अलावा गरीब सवर्णो को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। यह व्यवस्था सिर्फ तब बदले जब एसटी-एसटी खुद बोले कि उन्हें आरक्षण नहीं चाहिए।

शिवराज के बयान पर मचा था बवाल: उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि देश में कोई भी माई का लाल आरक्षण खत्म नहीं कर सकता। उनके इस बयान को वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा की हार के पीछे इस बयान को माना जाता है।

पेंशन का पेमेंट कर तीन सप्ताह में दो जवाब: कोर्ट

हाईकोर्ट से रादुविवि के सेवानिवृत्त कर्मियों को मिली राहत

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के सेवानिवृत्त कर्मियों के पक्ष में राहतकारी आदेश पारित किया है। कोर्ट ने मामले में आवेदकों के पेंशन भुगतान करने का निर्देश देते हुए कहा है कि आगामी तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं किया गया तो उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को तलब किया जाएगा।

कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 11 मई को शुरू हो रहे सप्ताह में निर्धारित की है। रादुविवि के सेवानिवृत्त कर्मी एलएल रैकवार, जीपी कोरी, मुकेश चंद, सविता मिश्रा, आरडी पटेल, दुर्गा पदमांगे, अजय कुमार झारिया, कलावती दुबे व केशव प्रसाद की ओर से हाईकोर्ट में मामले दायर किए गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता अर्पण पवार ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि पिछले दो वर्षो से इन पेंशनर्स को पेंशन से वंचित रखा गया है।

जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान न देने पर इन्हें हाई कोर्ट की शरण लेना पड़ी है। मामले की सुनवाई दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि उक्त मामले में उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त को उन्होंने पत्राचार कर जवाब के लिए लिखा था, लेकिन अब तक कोई दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए। जिस पर कोर्ट ने अंतिम अवसर देते हुए उक्त निर्देश दिए।

नई गाइडलाइन: हर मामले में सीधे एफआईआर नहीं

खनन, टैक्स चोरी, पासपोर्ट, घरेलू हिंसा के लिए बदले नियम, सीआईडी का सर्कुलर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने प्रदेश के सभी एसपी, इंदौर-भोपाल के पुलिस कमिश्नरों और 1100 से अधिक थाना प्रभारियों को निर्देश जारी कर विशेष कानूनों में सीधे एफआईआर दर्ज करने पर रोक लगा दी है। पीएचक्यू ने साफ किया है कि कुछ खास कानून ऐसे हैं जिनमें पुलिस को सीधे केस दर्ज करने का अधिकार नहीं है, बल्कि उनमें एक तय प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। हाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान यह बात सामने आई कि कई थानों में पुलिस अधिकारी विशेष अधिनियमों के तहत आने वाले अपराधों को भी सामान्य अपराध मानकर सीधे एफआईआर लिख रहे हैं। नियमों के मुताबिक, कई ऐसे कानून हैं जिनमें सजा तो ज्यादा है, लेकिन उनकी जांच का अधिकार पुलिस के पास नहीं है। इसी भ्रम को दूर करने के लिए अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने नया सर्कुलर जारी किया है।

नियमों के उल्लंघन को न मानें अपराध

● **मनी लॉन्ड्रिंग:** ईडी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में सजा 7 साल तक है, लेकिन पुलिस इसमें एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती। इन मामलों की जांच केवल प्रवर्तन निदेशालय ही करता है और इसमें कोर्ट में सीधे शिकायत (परिवाद) पेश की जाती है।

● **दिव्यांगों से जुड़े मामले-** अगर कोई दिव्यांग अपनी समस्या लेकर थाने आता है, तो पुलिस अधिकारी की पहली जिम्मेदारी उसे उसके अधिकारों के बारे में जानकारी देना है। अधिकारी को बताना होगा कि वह मजिस्ट्रेट को आवेदन कर सकता है, उसे मुफ्त कानूनी सहायता मिल सकती है और वह पुनर्वास संस्थाओं की मदद ले सकता है। पुलिस एफआईआर तभी दर्ज करेगी जब दिव्यांग के साथ मारपीट या कोई अन्य संज्ञेय अपराध हुआ हो।

● **घरेलू हिंसा:** घरेलू हिंसा के मामलों में भी मजिस्ट्रेट के पास शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया है। पुलिस को पीड़िता को यह बताना होगा कि वह संरक्षण अधिकारी की मदद ले सकती है। हालांकि, अगर मामला शारीरिक चोट या किसी संज्ञेय अपराध का है, तो ही पुलिस एफआईआर दर्ज कर सकती है।

● **जीएसटी और माइनिंग से जुड़े केस :** जीएसटी चोरी के मामलों में बिना कमिश्नर की मंजूरी के कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। इसी तरह अवैध खनन के मामलों में पुलिस सीधे कोर्ट में चालान (अंतिम प्रतिवेदन) पेश नहीं कर सकती। इसमें केवल सरकार द्वारा तय अधिकृत अधिकारी ही कोर्ट में शिकायत पेश कर सकता है।

● **पासपोर्ट एक्ट:** पासपोर्ट से जुड़े मामलों में भी अभियोजन शुरू करने से पहले केंद्र सरकार या उनके अधिकृत अधिकारी की मंजूरी लेना अनिवार्य है।

सुविधा एमपी में दिव्यांगों के लिए बनेगी नई नीति, 18 साल से अधिक आयु वालों को मिलेगी एंट्री

बड़े शहरों में बनेंगे मानसिक दिव्यांगों के लिए 100 बिस्तरों वाले शेल्टर होम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के लाखों दिव्यांगजनों के लिए नई दिव्यांग नीति तैयार कर रही है, जिसके लागू होने के बाद इन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। साल के अंत तक आने वाली इस नई नीति का ड्राफ्ट बनना शुरू हो गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के अनुसार, इसमें सबसे बड़ी राहत 18 साल से अधिक आयु वाले मानसिक दिव्यांगों को होगी, जिनके लिए स्पेशल शेल्टर होम स्थापित किए जाएंगे। योजना के मुताबिक, पहले चरण में ग्वालियर, भोपाल, जबलपुर, इंदौर, सागर और रीवा में ये शेल्टर होम बनाए जाएंगे। विभाग को मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश में कम आयु के मानसिक दिव्यांगों के लिए तो कई जगहों पर सुविधाएं हैं, लेकिन वयस्क मानसिक दिव्यांगों की देखभाल के लिए पर्याप्त संख्या में संस्थान नहीं हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए सरकार संभाग स्तर पर 100 बिस्तरों वाले विशेष आश्रय गृह यानी शेल्टर होम खोलने का प्रस्ताव तैयार कर रही है।

2027 में आएगी सटीक संख्या, एनजीओ की भी ली जा रही मदद

आंकड़ों के हिसाब से 2011 की जनगणना में प्रदेश में लगभग 20 लाख दिव्यांगजन थे, जिनमें से सरकारी लाभ के दायरे में आने वाले केवल 10 लाख हैं। 2027 की जनगणना में यह संख्या बढ़कर 25 से 30 लाख तक पहुंच सकती है। इस बीच प्रदेश सरकार ने दिव्यांगता की श्रेणियों को भी 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया है, जिससे इनका आंकड़ा बढ़ सकता है। नीति बनाने के लिए फिलहाल अधिकारियों को ग्रामीण और दूरदराज के आदिवासी इलाकों में भेजा जा रहा है। इसके अलावा विभागीय अफसर दिव्यांगों के लिए काम करने वाली संस्थाओं से संवाद कर उनकी जरूरतों को भी नीति में शामिल करेंगे। फिलहाल सरकार को कई सुझाव इस तरह की संस्थाओं द्वारा दिए गए हैं, जिनमें दिव्यांगों को आयुष्मान योजना के दायरे में लाना, फिजियोथेरेपी की फ्री सुविधा और दिव्यांग पेंशन में बढ़ोतरी जैसे बिंदु शामिल हैं।

चौबीसों घंटे रहेगी डॉक्टर से लेकर केयरटेकर की सुविधा

नई नीति में ये प्रावधान रहेगा कि इस शेल्टर होम में चौबीसों घंटे डॉक्टर और केयरटेकर भी मौजूद रहें। अभी प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय विभाग दिव्यांगों के लिए अलग-अलग योजनाएं चलाते हैं, जिसमें तालमेल की कमी रहती है। नई नीति के जरिए इन सभी योजनाओं को एक ही मंच पर लाया जाएगा ताकि इसकी मदद सीधे और आसानी से जरूरतमंद तक पहुंच सके। सरकार इस पॉलिसी को बनाने के लिए तेलंगाना और त्रिपुरा जैसे राच्यों के मॉडल का अध्ययन कर रही है। मुख्यमंत्री खुद भी इस संबंध में निर्देश दे चुके हैं कि नई नीति के तहत बनने वाले इन शेल्टर होम्स में इंटरनेशनल स्तर की सुविधाएं हों। इसके अलावा अन्य दिव्यांगों के लिए जिला स्तर पर शेल्टर होम बनाने की योजना इस नीति का हिस्सा होगी।

परिजन भी नहीं होंगे परेशान, अकेला छोड़ने पर भी लगेगी रोक

अभी यह देखा जाता है कि वयस्क मानसिक दिव्यांगों की देखभाल परिवार के लिए चुनौती बन जाती है। सामाजिक जागरूकता की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई बार मजबूर होकर परिवार इन्हें अकेला छोड़ देते हैं। ऐसे बेसहारा दिव्यांग अक्सर बस अड्डों, मेन रोड, चौराहों और रेलवे स्टेशनों पर भटकते रहते हैं, जहां उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य पर खतरा मंडराता रहता है। समाज भी इन्हें तिरस्कार से देखता है। कई हादसों में सड़कों पर घूमने से न केवल ये हादसे का शिकार हो जाते हैं बल्कि कई बार इनका जनता के साथ टकराव भी हो जाता है। सरकार के इन शेल्टर होम न इन दिव्यांगों को छत के साथ भोजन-पानी और इलाज मिल सकेगा, बल्कि इनके परिवारों को भी राहत रहेगी।

> नई नीति बनाने पर काम कर रहे हैं, जिसमें दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के सभी प्रावधानों को पूरा करें। अन्य राज्यों की पॉलिसी के साथ दिव्यांगजनों, एनजीओ, एक्सपर्ट और केंद्र सरकार के संस्थानों से सुझाव भी ले रहे हैं। साल के अंत तक नई नीति बनकर तैयार होने की संभावना है।
>
> ● **डॉ. अजय खेमरिया,** आयुक्त, दिव्यांगजन

प्रथम पृष्ठ के शेष

एफआईए की चेतावनी....

अब यह बढ़कर 55-60 फीसदी तक पहुंच गई है। यह स्थिति एयरलाइंस के लिए संचालन को आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बना रही है। सरकार ने अप्रैल महीने में घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमतों में अधिकतम 25 फीसदी की वृद्धि को सीमित किया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए यह बढ़ोतरी 100 फीसदी से अधिक रही। मई के लिए नई कीमतों की समीक्षा इस सप्ताह होने वाली है, जिससे उद्योग की चिंताएं और बढ़ गई हैं। 'एड-हॉक प्राइसिंग' पर आपत्ति: एफआईए ने सरकार की मौजूदा 'एड-हॉक' एटीएफ प्राइसिंग प्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अलग-अलग कीमत तय करने से बाजार में असंतुलन पैदा हो रहा है और एयरलाइंस का नेटवर्क संचालन टिकाऊ नहीं रह गया है। एफआईए का कहना है कि अक्टूबर 2022 में लागू किए गए 'क्रैक बैंड मैकेनिज्म' को फिर से लागू किया जाए, जिससे कीमतों में पारदर्शिता और स्थिरता लाई जा सके।

गार्डों से कलमा पढ़ने ...

ने उस पर भी हमला कर दिया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घर से मिले संदिग्ध दस्तावेज: एटीएस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के घर की तलाशी के दौरान एक हस्तलिखित नोट बरामद हुआ है, जिसमें 'लोन वुल्फ अटैक' और आईएसआईएस का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा एक लैपटॉप, मोबाइल डिवाइस और धार्मिक साहित्य की कई प्रतियां भी मिली हैं, जिनकी जांच की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने अपने नोट्स में किसी आतंकी संगठन से जुड़ने की इच्छा भी व्यक्त की थी और इस हमले को उस दिशा में पहला कदम बताया था। इससे यह आशंका और मजबूत हो गई है कि वह इंटरनेट के जरिए कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित हुआ था। 'सेल्फ-रैडिकलाइजेशन' का मामला: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से यह मामला 'सेल्फ-रैडिकलाइजेशन' का प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने ऑनलाइन सामग्री के जरिए चरमपंथी विचार अपनाए हो सकते हैं। फडणवीस ने कहा, 'ऐसा लगता है कि आरोपी किसी बाहरी नेटवर्क से सीधे जुड़ा नहीं था, लेकिन उसने इंटरनेट के माध्यम से कट्टरपंथी विचारधारा विकसित की।' 'लोन वुल्फ' हमले की आशंका: एटीएफ के अनुसार, यह एक 'लोन वुल्फ' हमला हो सकता है। ऐसा हमला जिसमें कोई व्यक्ति बिना किसी संगठन के सीधे निर्देश के, अकेले ही योजना बनाकर हिंसक घटना को अंजाम देता है। हालांकि, एजेंसियां इस बात की भी जांच कर रही हैं कि क्या आरोपी किसी ऑनलाइन नेटवर्क या समूह के संपर्क में था, जिसने उसे प्रभावित किया।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में सभी 15 निगमों में भाजपा जीती

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की है। राज्य के 15 नगर निगमों, 84 नगरपालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के चुनाव की काउंटिंग सुबह 8 बजे से जारी है। इनमें 9992 सीटें हैं। भाजपा ने अब तक 6161 सीटें जीत ली हैं। कांग्रेस के खाते में 1315 और अन्य को 592 सीटें मिली हैं। इस चुनाव भाजपा का स्ट्राइक रेट 76 प्रतिशत है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि उसे 380 सीटों पर जीत मिली है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के 3 उम्मीदवारों को जीत मिली है। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन बहन नयनाबा जडेजा राजकोट से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव हार गई हैं। वहीं अहमदाबाद एलडीएस कॉलेज के काउंटिंग सेंटर के पास पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हुई। जामनगर वार्ड-12 में आप के असलम खिलजी और कांग्रेस के अल्ताफ खफी जेल में रहते हुए चुनाव जीते।

टीवी होस्ट पर भड़के ट्रंप कहा- नौकरी से निकालो

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने टीवी होस्ट जिमी किमेल पर परिवार को लेकर विवादित मजाक करने का आरोप लगाते हुए एबीसी नेटवर्क से कार्रवाई की मांग की है। मेलानिया ने कहा कि किमेल का बयान नफरत फैलाने वाला और हिंसक सोच को बढ़ावा देने वाला है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर से पहले अपने शो में जिमी किमेल ने मेलानिया ट्रंप पर टिप्पणी करते हुए उन्हें 'ई एंड पेक्टेंट विडो' (होने वाली विधवा) कहा। इस बयान के बाद ट्रंप समर्थकों ने नाराजगी जताई। मेलानिया ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह कॉमेडी नहीं, बल्कि जहरीली राजनीति है। उन्होंने सवाल उठाया कि एबीसी प्रबंधन कब तक ऐसे व्यवहार को सहन करेगा। उन्होंने नेटवर्क से सख्त कदम उठाने की मांग की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जिमी किमेल की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी हिंसा को बढ़ावा देने जैसी है। उन्होंने एबीसी और डिज्नी से किमेल को तुरंत हटाने की मांग की। बता दें कि कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हमले के बाद में सोशल मीडिया पर किमेल की पुरानी क्लिप वायरल हुई।

ओडिशा में बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा शख्स

क्योंझर, जेएनएन। ओडिशा के क्योंझर में सोमवार को हैरान करने वाला मामला सामने आया। आदिवासी जीतू मुंडा अपनी मरी हुई बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। कंकाल देख बैंक में अफरा-तफरी मच गई। दरअसल, जीतू अपनी बहन कलारा मुंडा के खाते से 20 हजार रुपए निकालना चाहता था, इसके लिए वह कई बार बैंक भी गया। लेकिन कर्मचारियों ने खाता धारक को लाने को कहा। जीतू बैंक में पहले ही कलारा की मौत की जानकारी दे चुका था। फिर भी उसे कोई मदद नहीं मिली, इससे परेशान होकर उसने कब्र से कंकाल निकालकर बैंक में पेश किया। बहन का कंकाल कंधे पर लेकर जीतू करीब 3 किमी पैदल चला। फिर मल्लिपसी में बने ओडिशा ग्रामीण बैंक ब्रांच के बरामदे में कंकाल को रख दिया। इसे देख वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। पुलिस के अनुसार, जीतू अनपढ़ है और कानूनी प्रक्रिया से अनजान था। प्रशासन ने उसे नियम समझाए और जल्द पैसे दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद शव को दोबारा कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद दिखीं दीपिका

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। मंगलवार को उन्हें अपने पति और अभिनेता रणवीर सिंह के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। इस दौरान दीपिका ने बेहद सादगी भरा लेकिन स्टाइलिश अंदाज अपनाया। अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर साझा करने के बाद से ही फैंस उनकी एक झलक पाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

वो 'सिंघम' तो मैं 'पुष्पा'

चुनाव पर्यवेक्षक और टीएमसी प्रत्याशी के बीच ठनी

नई दिल्ली/कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में मंगलवार को उस समय भारी राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के समर्थकों ने चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। चुनाव आयोग को शिकायत मिली थी कि टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी लोग कथित तौर पर मतदाताओं के पहचान पत्र जमा कर रहे हैं और उन्हें धमका रहे हैं। इस पर उत्तर प्रदेश में 'सिंघम' के नाम से मशहूर आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की गई, तो सख्त कार्रवाई होगी। एक वायरल वीडियो में वे खान के परिवार से यह कहते नजर आए, 'उसे बता देना, अगर उसके लोगों ने डराना बंद नहीं किया तो हम उससे ठीक से निपटेंगे... फिर रोना या पछताना मत।' इस पर पलटवार करते हुए टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने कहा, 'यह बंगाल है; अगर वह 'सिंघम' हैं, तो मैं 'पुष्पा' हूं। भाजपा के इशारे पर काम करने वाले पुलिस अधिकारियों की कोई भी धमकी यहां नहीं चलेगी।'

मंत्रियों ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई

वहीं राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सवाल उठाया कि क्या किसी पर्यवेक्षक को देर रात बिना सबूत के घर जाकर धमकी देने का अधिकार है? मंत्री अरूप बिस्वास ने कहा कि पर्यवेक्षकों को निष्पक्ष रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी भाजपा की मदद करने के लिए असंवैधानिक तरीके अपना रहे हैं। वहीं जहांगीर खान का आरोप है कि पुलिस पर्यवेक्षक ने उनके सुरक्षा कर्मचारियों और परिवार को डराया, जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

पीएम ने सिक्किम में बच्चों के साथ खेली फुटबॉल

गंगटोक, जेएनएन। पीएम नरेंद्र मोदी 2 दिन के सिक्किम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली। पीएम ने सोशल मीडिया पर फुटबॉल खेलते हुए तस्वीरें शेयर कीं। पीएम ने एक्स पर लिखा, 'इन बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर ऊर्जा से भर गया।' आज मोदी राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा उन्होंने 4000 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। इस दौरान मोदी का फुटबॉल खेलने का वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें वह गोल करते हैं। पीएम मोदी के एक्स हैंडल से भी एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें वह खिलाड़ियों से बात कर रहे हैं और इस दौरान कहते हैं, 'ऐसा तो नहीं मुझे हरा दोगे।'

प. एशिया संघर्ष: ईरान बोला-होर्मुज खोलने को तैयार पर अमेरिका समुद्री नाकेबंदी हटाए

ईरान की दो टूक, अमेरिका अब दूसरे देशों पर शर्तें थोपने की स्थिति में नहीं

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका उस स्थिति में नहीं है कि वह दूसरे देशों को बताए कि उन्हें क्या करना चाहिए। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलाएई-निक ने सरकारी टीवी से कहा कि वे ट्रंप का दबाव नहीं सहन करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी गलत मांगों को छोड़ना ही होगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका, होर्मुज को खोलने से जुड़े ईरान के नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच फिलहाल युद्धविराम लागू है, लेकिन इस संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के लिए जो बातचीत चल रही है, उसमें अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इस बीच ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। एक मीडिया संस्थान ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए रविवार को एक नया प्रस्ताव दिया था।

ईरान ने बातचीत के लिए यह रखीं शर्तें: अमेरिका-इजराइल के साथ चल रहा युद्ध खत्म हो और आगे हमला न करने की गारंटी मिले। फिर अमेरिका की समुद्री नाकेबंदी हटे, होर्मुज खुले और जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू हो। सबसे आखिर में परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम संवर्धन जैसे विवादित मुद्दों पर बात हो।

हालांकि ट्रंप इस प्रस्ताव को मानने को तैयार नहीं हैं। सीएनएन के मुताबिक ट्रंप सरकार का मानना है कि अगर बिना परमाणु कार्यक्रम का मामला सुलझाए बिना होर्मुज खोला, तो बातचीत में अमेरिकी पक्ष कमजोर हो जाएगा। इसलिए दोनों का हल एक साथ ही निकाला जाना चाहिए।

हिजबुल्लाह के करीब 20 ठिकानों पर इजरायल के ताबड़तोड़ हमले, बढ़ा तनाव: मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह के करीब 20 ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब पिछले कुछ दिनों से सीमा पर लगातार झड़पें और रॉकेट हमलों की घटनाएं बढ़ती जा रही थीं। आईडीएफ के अनुसार, इन हमलों का लक्ष्य हिजबुल्लाह के सैन्य ठिकाने, हथियार डिपो, और कमांड सेंटर थे। सेना का कहना है कि ये ठिकाने इज़रायल के उत्तरी क्षेत्रों पर हमले की साजिश रच रहे थे, जिन्हें समय रहते नष्ट करना जरूरी था। हमलों के बाद दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में धमाकों की आवाजें सुनी गईं और धुएं के गुबार उठते देखे गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन हमलों से भारी नुकसान हुआ है। हिजबुल्लाह की ओर से भी बयान जारी किया गया है, जिसमें इन हमलों को 'आक्रामक और उकसावे वाली कार्रवाई' बताया गया है।

48 घंटे में तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे अराघची

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर जारी है। दोनों देशों की ओर से बातचीत पर सस्पेंस है, लेकिन शर्तों का पुलिंदा एक-दूसरे को थमाने का सिलसिला जारी है। अमेरिका-ईरान बातचीत पर सस्पेंस के बीच अब्बास अराघची फिर से पाकिस्तान पहुंच गए हैं। पिछले 48 घंटों के भीतर अराघची का यह तीसरा पाकिस्तान दौरा है। अब्बास अराघची का यह तीसरा पाकिस्तान दौरा रूस और ओमान समेत कई देशों के दौरे, उच्चस्तरीय बैठकों के बाद हो रहा है। अब्बास अराघची पाकिस्तान से रूस रवाना हो गए थे। अब वह रूस दौरे के बाद सीधे पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंच गए हैं।

ट्रंप बोले- ईरान ढहने की कगार पर पहुंचा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ढहने की कगार पर पहुंच चुका है और जल्द से जल्द होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना चाहता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान ने अमेरिका को बताया है कि वह 'स्टेट ऑफ कोलैप्स' यानी बुरी स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि ईरान जल्द से जल्द होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना चाहता है, ताकि समुद्री आवाजाही सामान्य हो सके। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान इस समय अपनी नेतृत्व स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भरोसा है कि ईरान इससे बाहर निकल जाएगा। होर्मुज वाली शर्त पर ट्रंप की नाखुशी और यूएन महासचिव की दो टूक के बाद अराघची का यह इस्लामाबाद दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लिंक्डइन की रिपोर्ट, भारत बना बादशाह

एआई नियुक्तियों में भारत में 59.5% की रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली, जेएनएन। लिंक्डइन की ताजा रिपोर्ट 'एआई लेबर मार्केट रिपोर्ट 2026' के अनुसार, भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में नौकरियों की मांग वैश्विक स्तर पर सबसे तेज गति से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में एआई इंजीनियरिंग से जुड़ी जॉब पोस्टिंग में साल-दर-साल 59.5 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो प्रमुख वैश्विक बाजारों में सबसे अधिक है।

51% वृद्धि एआई जॉब में हुई हैदराबाद में

45.5% नौकरियों की मांग विजयवाड़ा में बढ़ी

दिलचस्प बात यह है कि एआई नौकरियों का यह उछाल अब केवल बेंगलुरु जैसे पारंपरिक टेक हब तक सीमित नहीं रहा है। छोटे शहरों में भी इस दिशा में काफी प्रगति देखी जा रही है। हैदराबाद में एआई नियुक्तियों में 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि विजयवाड़ा जैसे शहर में 45.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है, जो यह दर्शाता है कि अवसर अब टियर-1 शहरों से आगे बढ़ रहे हैं। इस मांग के पीछे मुख्य कारण विभिन्न उद्योगों में एआई को बड़े पैमाने पर अपनाना है। रिपोर्ट बताती है कि बड़ी कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और गवर्नेंस में भारी निवेश कर रही हैं, जबकि छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय भी इस तकनीक को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

व्यावहारिक एआई कौशल की मांग बढ़ी

लिंक्डइन इंडिया के इंजीनियरिंग प्रमुख मलई लक्ष्मणन ने कहा कि एआई एजेंट और उत्पादकता उपकरणों जैसे व्यावहारिक एआई कौशल की मांग बढ़ रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि जो इंजीनियर प्रयोग से हटकर वास्तविक कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करेंगे, उनके लिए इस क्षेत्र में सबसे अधिक संभावनाएं होंगी।

विनिर्माण में प्रतिभाओं का विस्तार 4 गुना बढ़ा

यह रिपोर्ट भारत के जॉब मार्केट में एक संरचनात्मक बदलाव की ओर इशारा करती है, जहां एआई की मांग अब पूरे देश में फैल रही है। विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) क्षेत्र में एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा का विस्तार चार गुना बढ़ गया है।

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

धार्मिक प्रथाओं के नाम पर सड़कें ब्लॉक नहीं कर सकते

नई दिल्ली, जेएनएन। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को 9वें दिन भी सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक कामों के नाम पर सड़कें ब्लॉक नहीं की जा सकतीं। कोर्ट ने कहा कि किसी संप्रदाय को पूजा के तरीके में स्वतंत्रता है और वह उसके धार्मिक मामलों पर फैसला नहीं दे सकता, लेकिन अगर कोई सेक्युलर काम प्रभावित हो रहा है, तो सरकार दखल दे सकती है। हिंदू धर्म आचार्य सभा की ओर से पेश वकील अक्षय नागराजन ने कहा कि सरकार आर्टिकल 25(2)(ए) के तहत आधार बताकर किसी धार्मिक पंथ के अधिकारों में दखल नहीं दे सकती।

इन दलीलों पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर कोई सेक्युलर एक्टिविटी धार्मिक गतिविधियों से प्रभावित होती है, तो राज्य दखल दे सकता है। मस्जिद दरगाह में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ दलील दे रहे एडवोकेट निजाम पाशा ने कहा कि कोई व्यक्ति हिजाब को धार्मिक रूप से अनिवार्य मान सकता है, लेकिन स्कूल के नियम अलग हो सकते हैं। अगर किसी मोहल्ले की मस्जिद सबके लिए खुली हो तो भी कोई जाकर घंटी नहीं बजा सकता।

पाक का अफगानिस्तान पर मिसाइल से हमला, सात की मौत, 75 घायल

6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

काबुल/इस्लामाबाद, जेएनएन। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। बता दें कि इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के कंधार इलाके में पाकिस्तान के साथ सीमा पर फिर हिंसक झड़प की घटना हुई थी, जिसमें कई लोग हताहत हुए थे।

विलुप्त होते वन्य जीवों का मप्र में होगा पुनर्वास : डॉ यादव

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के वन वन्य प्राणियों से समृद्ध होंगे। इस दिशा में राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तकरीबन 100 वर्षों से प्रदेश की धरती से विलुप्त जंगली भैंसे के पुनर्स्थापन से स्थानीय स्तर जहां टूरिज्म बढ़ेगा,तो वहीं लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को बालाघाट जिले के सूपखार में असम से लाए गए 4 जंगली भैंसों पुनर्स्थापन के उपरांत पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश के वन्य-जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंसा के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इको सिस्टम को मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियों के वन्य-जीवों को मध्यप्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि उनकी असम यात्रा के दौरान वहां के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिस्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मौसम के दो रूप ग्लोबल वार्मिंग का ट्रेलर, एशिया के दो बड़े देशों में मौसम बिल्कुल उल्टा

भारत में 'अग्निपरीक्षा' तो चीन में 'जल-प्रलय'

नई दिल्ली, जेएनएन। 2026 के आखिरी दिनों में एशिया के दो बड़े देशों में मौसम बिल्कुल उल्टा व्यवहार कर रहा है। भारत में भयंकर गर्मी पड़ रही है, कई जगहों पर तापमान 45 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। वहीं चीन के ग्वांग्शी प्रांत के क्रिनझाउ शहर में इतनी तेज बारिश हुई कि सड़कें, गाड़ियां और घर पानी में डूब गए।

27 अप्रैल को सिर्फ 8 घंटे में 273 मिलीमीटर बारिश हुई, जिसमें एक घंटे में ही 160 मिलीमीटर पानी गिरा। यह अप्रैल के रिकॉर्ड तोड़ने वाली बारिश थी। सड़कें, स्कूल बंद किए गए। बचाव कार्य शुरू हो गए। सवाल उठ रहा है कि इतने करीब के देशों में मौसम में इतना बड़ा अंतर क्यों है?

भारत के उत्तर, मध्य और पश्चिमी हिस्सों में इस समय हीटवेव चल रही है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और विदर्भ जैसे इलाकों में दिन का तापमान 42 से 47 डिग्री तक पहुंच रहा है, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कई दिनों तक हीटवेव की चेतावनी जारी की है। लोग कह रहे हैं कि गर्मी बहुत तेज और पहले आ गई है। दूसरी ओर चीन के दक्षिणी प्रांत ग्वांग्शी में 27 अप्रैल की सुबह से भारी बारिश शुरू हुई। क्रिनझाउ शहर में 8 घंटे में 273 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। एक घंटे में 160 मिलीमीटर पानी गिरने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया।

दोनों देशों में चरम मौसम की वजहें: भारत में गर्मी बढ़ने के कई कारण हैं। हीट डोम बनने से गर्म हवा नीचे फंस जाती है और ठंडी हवा ऊपर नहीं जा पाती। पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने से बारिश और ठंडी हवाएं नहीं आ रही हैं। थार रेगिस्तान की गर्म हवाएं, हिमालय की दीवार और शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट-सीमेंट गर्मी को और बढ़ा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन भी लंबे समय से गर्मी की तीव्रता बढ़ा रहा है। चीन में भारी बारिश की मुख्य वजह तेज गर्मी के कारण वातावरण में ज्यादा नमी का होना है।

भौगोलिक स्थिति के कारण इतना अंतर क्यों?: एशिया बहुत बड़ा महाद्वीप है। अलग-अलग इलाकों में भौगोलिक स्थिति, समुद्र की दूरी, पहाड़ और हवा के रुख अलग-अलग हैं। भारत मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में है जहां गर्मी जल्दी बढ़ती है। चीन का दक्षिणी भाग जैसे ग्वांग्शी समुद्र के करीब है, जहां नमी आसानी से पहुंचती है। वैज्ञानिक कारण मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन है। ग्लोबल वार्मिंग से वातावरण ज्यादा नमी पकड़ता है, जिससे जहां गर्मी पड़ रही वहां गर्मी तेज हो जाती है और जहां बारिश होती है वहां बहुत भारी बारिश होती है। इसे एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स यानी चरम मौसमी घटनाएं कहते हैं। अल-नीनो जैसी घटनाएं भी मौसम के पैटर्न बदलती हैं।

ओबीसी आरक्षण: सुप्रीम कोर्ट से रिकार्ड लाए शासन: हाईकोर्ट

दस्तावेज मिलने पर ही होगी अगली सुनवाई, टीम बदली

जागरण, जबलपुर। अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी आरक्षण मामले एक बार फिर टल गई। मामले की सुनवाई अब तक 60 से ज्यादा बार टल चुकी है। इस बार वजह बनी लीगल टीम। राज्य शासन ने अचानक अदालत में अपना पक्ष रखने वाले अधिवक्ताओं को बदल दिया। अब सुप्रीम कोर्ट के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सालिसिटर जनरल केएम नटराज सरकार की ओर से पक्ष रखेंगे। वहीं सुप्रीम कोर्ट की याचिकाओं का रिकार्ड पेश नहीं हो पाया। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य शासन को आदेश दिया कि वह सुप्रीम कोर्ट से याचिकाओं का रिकॉर्ड ट्रांसफर कराए। याचिका से जुड़े दस्तावेज अपलोड होने के बाद ही मामले की अगली सुनवाई की तिथि तय की जाएगी। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष ओबीसी आरक्षण के मामले पर अंतिम सुनवाई मंगलवार को होना थी। मगर सुनवाई शुरू होने तक इस मामले की याचिकाओं से जुड़े दस्तावेज हाईकोर्ट को नहीं मिल सके। जबकि हाईकोर्ट ने इस मामले में 27, 28 एवं 29 अप्रैल को नियमित सुनवाई तय कर रखी थी। इसे देखते हुए अदालत ने राज्य शासन को सुप्रीम कोर्ट से रिकार्ड ट्रांसफर कराने के निर्देश दिए। ये दस्तावेज अपलोड होने के बाद ही सुनवाई शुरू होगी। कोर्ट ने 13, 14 और 15 मई को अंतिम सुनवाई करने के निर्देश दिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से ट्रांसफर हुई चार लंबित याचिकाओं की अब तक लिस्टिंग नहीं की गई थी। ओबीसी आरक्षण मामले की सुनवाई 27, 28 और 29 अप्रैल को लगातार होनी थी, लेकिन दूसरे दिन ही तकनीकी कारणों के चलते यह टल गई। 27 अप्रैल को कोर्ट ने सभी पक्षों के अधिवक्ताओं के लिए बहस की समय सीमा भी तय कर दी थी।

भारत-न्यूजीलैंड समझौते से बढ़ गई है सेब किसानों की चिंता

शिमला, जेएनएन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को लेकर हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब किसानों में चिंता बढ़ गई है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड से आने वाले सेब पर आयात शुल्क (इम्पोर्ट ड्यूटी) 50 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी कर दी गई है, जिससे घरेलू बाजार पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय किसानों ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि इससे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान हो सकता है। पहले साल में 32,500 मीट्रिक टन सेब आयात होगा, जो छठे साल तक बढ़कर 45,000 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगा। खास बात यह है कि यह आयात अप्रैल से अगस्त के बीच होगा, यानी घरेलू सीजन की शुरुआत से पहले ही बाजार में विदेशी सेब उपलब्ध हो जाएगा, जिससे कीमतों पर दबाव पड़ेगा। **लाखों परिवारों की आजीविका पर असर:** भारत का सेब उत्पादन मुख्य रूप से हिमालयी राज्यों में केंद्रित है। जम्मू-कश्मीर देश का लगभग 76-77 फीसदी सेब उत्पादन करता है, जबकि हिमाचल प्रदेश 21-22 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। अकेले हिमाचल में 1.15 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सेब की खेती होती है और करीब 2.5 लाख परिवार इस पर निर्भर हैं। ऐसे में समझौते का असर सीधे इन परिवारों की आय पर पड़ सकता है।

कोल्ड स्टोरेज पर भी पड़ेगा असर: किसानों ने चेतावनी दी कि विदेशी सेब का सबसे ज्यादा असर कोल्ड स्टोरेज में रखे भारतीय सेब पर पड़ेगा। जब बाजार में पहले से सस्ता आयातित सेब मौजूद होगा, तो स्टोरेज से निकलने वाले सेब की कीमतें गिर सकती हैं।

उत्पादन में है बड़ा अंतर

सेब एसोसिएशन के मुताबिक, न्यूजीलैंड में आधुनिक बागवानी तकनीकों के कारण प्रति हेक्टेयर 50-70 टन तक उत्पादन होता है, जबकि हिमाचल प्रदेश में औसतन 7-8 टन प्रति हेक्टेयर है। इस वजह से भारत में उत्पादन लागत अधिक है और विदेशी सेब सस्ते पड़ते हैं, जिससे स्थानीय बागवानों को उचित दाम नहीं मिल पाएंगे।

सरकार से मांग

सेब एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से मांग की है कि आयात कोटा और कीमतों पर सख्त निगरानी रखी जाए। साथ ही कोल्ड स्टोरेज, ग्रेडिंग और ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत किया जाए और किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराई जाए। यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे किसी भी फैसले से पहले किसानों से सलाह ली जानी चाहिए। कुल मिलाकर, यह एफटीए जहां व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अहम माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इससे देश के सेब उत्पादकों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

यूएई ने ओपेक छोड़ा, तेल बाजार में बड़ा बदलाव

ट्रंप को मिला फायदा

अबू धाबी/वॉशिंगटन, जेएनएन। वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए बड़ा झटका देते हुए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने करीब 60 साल बाद ओपेक से बाहर होने का ऐलान किया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया संकट के चलते तेल बाजार पहले से ही भारी दबाव में है। यूएई, ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश था। उसके बाहर निकलने से इस संगठन की ताकत और प्रभाव कमजोर होने की आशंका है। दशकों से ओपेक अपने सदस्य देशों के उत्पादन को नियंत्रित कर वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करता रहा है।

ट्रंप के लिए बड़ी राजनीतिक जीत

यूएई का यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। ट्रंप पहले भी ओपेक पर आरोप लगाते रहे हैं कि यह संगठन उत्पादन कम करके वैश्विक तेल कीमतों को कृत्रिम रूप से बढ़ाता है और दुनिया का शोषण करता है। यूएई के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि ओपेक से अलग होकर देश को 'नई ऊर्जा व्यवस्था' के अनुसार फैसले लेने की ज्यादा स्वतंत्रता मिलेगी। माना जा रहा है कि यूएई अब उत्पादन बढ़ाकर अपने आर्थिक और लो-कार्बन भविष्य की योजनाओं को तेजी देना चाहता है। दरअसल, ओपेक के भीतर लंबे समय से यूएई और सऊदी अरब के बीच उत्पादन सीमाओं को लेकर मतभेद चल रहे थे। सऊदी अरब कीमतों को स्थिर रखने के लिए उत्पादन कम करने के पक्ष में रहा, जबकि यूएई अधिक उत्पादन चाहता था।

ई-20 के बाद ई-85 फ्लैक्स फ्यूल की तैयारी में भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक तेल संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत अब ईंधन के वैकल्पिक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। सरकार ई20 के बाद अब ई85 फ्लेक्स-फ्यूल को लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए जल्द ही ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है, जिस पर उद्योग जगत में भी सहमति बन चुकी है। ई85 फ्यूल में 85 फीसदी एथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल का मिश्रण होता है। फिलहाल देश में ई20 यानी 20 फीसदी एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री अनिवार्य है। एथेनॉल गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है, जो इसे पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर बनाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से आधे से ज्यादा की आपूर्ति पश्चिम एशिया से होती है। ईरान-अमेरिका तनाव के चलते 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' मार्ग पर संकट के कारण तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। सरकार का लक्ष्य आयात पर निर्भरता कम कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करना है। ऑटोमोबाइल कंपनियां पहले ही फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के लिए तैयार हैं।

आयात पर निर्भरता घटाने के लिए भारत-रूस लगाएंगे यूरिया फैक्ट्री

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में दोनों देश मिलकर करेंगे करीब 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक तनाव और यूरिया आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच भारत और रूस ने संयुक्त रूप से यूरिया उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों देशों के बीच रूस के समारा क्षेत्र में एक बड़े फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अनुमान है कि यह प्लांट अगले दो सालों में बनकर तैयार हो जाएगा और उत्पादन शुरू कर देगा।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। इसमें भारत की प्रमुख कंपनियां इंडियन पोटाश लिमिटेड, राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड संयुक्त रूप से लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। वहीं रूस की कंपनी उराल्चेम ग्रुप बाकी निवेश करेगी। यह प्लांट सालाना करीब 20 लाख टन यूरिया उत्पादन करने की क्षमता रखेगा, जिससे भारत को एक स्थायी और भरोसेमंद आपूर्ति स्रोत मिलेगा। हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, खासकर ईरान से जुड़े हालात, ने यूरिया सप्लाई पर असर डाला है। इसी को देखते हुए भारत सरकार ने वैकल्पिक स्रोतों से 25 लाख टन यूरिया आयात को मंजूरी दी है। अब सप्लाई अल्जीरिया, नाइजीरिया, ओमान और रूस जैसे देशों से भी की जा रही है, ताकि 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' पर निर्भरता कम हो सके। यूरिया उत्पादन के लिए सबसे अहम कच्चा माल नेचुरल गैस होता है, जो भारत में सीमित मात्रा में उपलब्ध है और आयात करना महंगा पड़ता है।

AI जनरेटेड

आयात निर्भरता कम करने की कोशिश

भारत में खेती के लिए यूरिया बेहद जरूरी है, लेकिन वर्तमान में देश अपनी जरूरत का लगभग 71 फीसदी यूरिया मिडिल-ईस्ट देशों से आयात करता है। इससे सप्लाई चेन पर बाहरी निर्भरता बनी रहती है, जो वैश्विक संकट के समय जोखिम पैदा करती है। भारत की सालाना यूरिया खपत करीब 400 लाख मीट्रिक टन है, जबकि घरेलू उत्पादन लगभग 300 लाख मीट्रिक टन ही हो पाता है। यानी हर साल करीब 100 लाख मीट्रिक टन की कमी आयात के जरिए पूरी करनी पड़ती है। सिर्फ 2025 में ही भारत ने यूरिया आयात पर करीब 20 हजार करोड़ रुपए खर्च किए।

2025 में रखी गई थी नींव

इस प्रोजेक्ट की नींव दिसंबर 2025 में रखी गई थी, जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन भारत दौरे पर आए थे। उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की मौजूदगी में दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

यूरिया एक प्रमुख नाइट्रोजन आधारित उर्वरक है, जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। धान, गेहूं और मक्का जैसी फसलों में इसके उपयोग से पैदावार 20 फीसदी से 50 फीसदी तक बढ़ सकती है। यही कारण है कि सरकार इसकी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। यह संयुक्त परियोजना भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत देश खाद के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना चाहता है। रूस में बनने वाला यह प्लांट न सिर्फ भारत की आयात निर्भरता कम करेगा, बल्कि वैश्विक संकट के समय स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी मदद करेगा।

बड़ी कार्रवाई: अनिल अंबानी समूह की 3,034 करोड़ की संपत्ति जब्त, कुल अटैचमेंट 19,344 करोड़ रुपये

मुंबई, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी से जुड़े समूह पर एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3,034 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कर ली हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है और इसमें रिलायंस कम्युनिकेशन (आरकॉम) और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संपत्तियां शामिल हैं।
ईडी द्वारा जब्त की गई संपत्तियों में मुंबई स्थित एक प्रीमियम फ्लैट और महाराष्ट्र के खंडाला में स्थित एक फार्महाउस प्रमुख हैं। इसके अलावा, रिलायंस इंफ्रा के 7.71 करोड़ शेयर और गुजरात के अहमदाबाद जिले के साणंद क्षेत्र में स्थित जमीन को भी कुर्क किया गया है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी कर की गई है, जिसके तहत संदिग्ध संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया जाता है। यह पहली बार नहीं है जब अनिल अंबानी समूह की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई हो। ताजा कार्रवाई के बाद इस पूरे मामले में अब तक कुल 19,344 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच की जा चुकी हैं। ईडी लंबे समय से समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित बैंक धोखाधड़ी और फंड डायवर्जन (धन के दुरुपयोग) के मामलों की जांच कर रही है।

गूगल का अमेरिकी रक्षा विभाग से एआई समझौता

वॉशिंगटन, जेएनएन। टेक दिग्गज गूगल ने अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के साथ एक गोपनीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समझौता किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील के तहत पेंटागन को गूगल के एआई मॉडल 'किसी भी वैध सरकारी उद्देश्य' के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति होगी। यह गूगल को उन कंपनियों की सूची में शामिल करता है, जो पहले से ही अमेरिकी सेना के साथ एआई सहयोग कर रही हैं। इनमें ओपन एआई और एक्सएआई जैसी कंपनियां भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के तहत गूगल को जरूरत पड़ने पर अपने एआई सिस्टम के सुरक्षा फिल्टर और सेटिंग्स में बदलाव करना होगा, ताकि उन्हें सरकारी उपयोग के अनुसार ढाला जा सके। इस समझौते को लेकर गूगल के कर्मचारियों में भारी असंतोष है। 600 से अधिक कर्मचारियों ने सीईओ सुंदर पिचाई को खुला पत्र लिखकर कहा कि इस तरह की तकनीक का उपयोग 'अमानवीय या खतरनाक उद्देश्यों' के लिए हो सकता है।

फीनिक्स गैस एजेंसी का लाइसेंस निलंबित

भोपाल। जेके रोड स्थित फीनिक्स एचपीसीएल गैस एजेंसी का लाइसेंस अनियमितताओं के चलते सस्पेंड कर दिया गया है। इस एजेंसी से जुड़े करीब 18 हजार उपभोक्ताओं को अब आसपास की अन्य गैस एजेंसियों के माध्यम से सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि उपभोक्ताओं को नया नंबर नहीं लेना पड़ेगा, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वे पहले की तरह उसी नंबर पर गैस बुकिंग कर सकेंगे और उन्हें दूसरी एजेंसी के जरिए घर तक सिलेंडर की डिलीवरी मिलती रहेगी। जिला प्रशासन की जांच में एजेंसी में कई गंभीर गड़बड़ी सामने आईं। जांच के दौरान लगभग 2000 छोटे (5 किलो वाले) सिलेंडरों का रिकॉर्ड नहीं मिला, वहीं 40 भरे सिलेंडर स्टॉक में कम पाए गए।

हर शराब दुकान पर अब क्यूआर कोड जरूरी, स्कैन करते खुलेगी रेट लिस्ट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में शराब दुकानों पर एमआरपी (अधिकतम मूल्य) से अधिक पैसे वसूलने की शिकायतों के बाद आबकारी विभाग ने हर वाइन शॉप पर क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है। ये क्यूआर कोड आबकारी विभाग द्वारा जनरेटेड होंगे, जिनमें संबंधित जिले में शराब के हर ब्रांड के दाम लिखे होंगे। आबकारी आयुक्त ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं और चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई ठेकेदार इसे दुकान के बाहर नहीं लगाता है या तय दाम से अधिक पर शराब बेचता है, तो उसका ठेका निरस्त कर दिया जाएगा। शराब दुकानों को लेकर अक्सर शिकायतें आती रही हैं कि वहां प्रिंट रेट से ज्यादा पैसे लिए जाते हैं या फिर कई बार प्रतिस्पर्धा में तय न्यूनतम मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर शराब बेची जाती है। इसे रोकने के लिए ही हर दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल से बना एक खास क्यूआर कोड लगाने का फैसला लिया गया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। **इस तरह काम करेगा नया सिस्टम :** इस क्यूआर कोड को ग्राहक जैसे ही अपने मोबाइल से स्कैन करेगा, वैसे ही उनके फोन पर उस जिले की शराब की रेट लिस्ट खुल जाएगी। इससे उपभोक्ता तुरंत देख सकेंगे कि जिस ब्रांड की शराब वे खरीद रहे हैं, उसकी सही कीमत क्या है।

क्यूआर कोड लगाने के लिए ये निर्देश जारी

- मजबूत स्टिकर पर कराना होगा प्रिंट - क्यूआर कोड को ए-3 साइज के स्टिकर पर प्रिंट किया जाएगा, जिसकी क्वालिटी कम से कम 250 जीएसएम की होगी। इसे आसानी से फाड़ा या निकाला नहीं जा सकेगा।
- हर दुकान पर कम से कम 5 कोड - हर दुकान के लिए ठेकेदार को कम से कम 5 क्यूआर कोड प्रिंट कराने होंगे। इनमें से तीन क्यूआर कोड दुकान के ऐसे हिस्सों पर लगाए जाएंगे जहां ग्राहक आसानी से उन्हें देख और स्कैन कर सकें। इसके अलावा 2 क्यूआर कोड रिजर्व में रखे जाएंगे ताकि कोई कोड खराब हो जाए, तो तुरंत दूसरा लगाया जा सके और ठेकेदार इस तरह के बहाने न बना सकें कि क्यूआर कोड बनने के लिए विभाग के पास आवेदन गया है।
- विभाग ने साफ कर दिया है कि अब आबकारी के सर्किल इंचार्ज खुद मौके पर जाकर कोड को स्कैन करेंगे और चेक करेंगे कि रेट लिस्ट सही से दिख रही है या नहीं। इसके बाद अधिकारी क्यूआर कोड के साथ दुकान की फोटो खींचकर विभाग को भेजेंगे।

राजेंद्र भारती केस में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली

जागरण, दतिया। प्रदेश के दतिया से कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती से जुड़े भूमि विकास बैंक धोखाधड़ी मामले में मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की बेंच में सुनवाई टल गई। अब इस मामले में 29 जुलाई को फिर सुनवाई तय हुई है। इससे पहले दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने भारती को तीन साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी थी।

पश्चिम एशिया संकट आईएमएफ के आंकड़ों के आधार पर जलवायु संगठन 350 डॉट ओआरजी का अनुमान

युद्ध से दुनिया पर 83 लाख करोड़ का आर्थिक बोझ

नई दिल्ली/ सांता मार्टा, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी तेल-गैस संकट का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ता दिख रहा है। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, इस संकट के चलते दुनिया को 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 83 लाख करोड़ रुपए) तक का अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ सकता है, जबकि तेल कंपनियां ऊंची कीमतों के कारण रिकॉर्ड मुनाफा कमा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधाओं और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के आधार पर जलवायु संगठन 350 डॉट ओआरजी ने अनुमान लगाया है कि यदि स्थिति जल्द सामान्य हो जाती है, तब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर करीब 600 अरब डॉलर का असर पड़ेगा। लेकिन अगर आपूर्ति में व्यवधान जारी रहता है, तो यह नुकसान 1 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो सकता है।

तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ा

इस संकट के बीच तेल कंपनियों की कमाई तेजी से बढ़ी है। बीपी ने बताया कि इस साल की पहली तिमाही में उसके मुनाफे में दोगुना इजाफा हुआ है। ऊंची कीमतों का फायदा अमेरिका और अन्य गैर-खाड़ी देशों की कंपनियों को भी मिला है।

> यह स्थिति बेहद असमान है। एक तरफ युद्ध और महंगाई से आम लोग परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ कंपनियां भारी मुनाफा कमा रही हैं।
> **- ऐन जेल्लेमा**
> 350 डॉट ओआरजी की प्रमुख

विकासशील देशों पर सबसे ज्यादा असर

कोलंबिया के सांता मार्टा में आयोजित सम्मेलन में कई देशों के प्रतिनिधियों ने बताया कि उनके यहां पहले से ही ईंधन की कमी और महंगाई का असर दिख रहा है। मार्शल आइलैंड्स की प्रतिनिधि टीना स्टेगे ने कहा कि उनके देश में ऊर्जा बचाने के लिए सरकारी कामकाज जल्दी बंद करना पड़ रहा है। वहीं मलावी के मंत्री चिपिलिरो मपिंगांजिरा ने बताया कि ईंधन महंगा होने से परिवहन और खाद्य कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे शिक्षा जैसे क्षेत्रों के बजट पर भी असर पड़ रहा है।

विंडफॉल टैक्स की मांग

जलवायु संगठनों ने सरकारों से तेल कंपनियों के अतिरिक्त मुनाफे पर 'विंडफॉल टैक्स' लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस टैक्स से मिलने वाली राशि का उपयोग सामाजिक सुरक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए किया जा सकता है। घाना के एक अधिकारी ने चेतावनी दी कि अगर यह संकट लंबे समय तक जारी रहा, तो कई अफ्रीकी देश आर्थिक रूप से अस्थिर हो सकते हैं। बढ़ती कीमतें सामाजिक असंतोष और विरोध प्रदर्शनों को जन्म दे सकती हैं। विशेषज्ञों और पूर्व नेताओं के समूह 'प्लैनेटरी गार्डियंस' ने कहा कि दुनिया अभी भी जीवाश्म ईंधन पर अत्यधिक निर्भर है। उनके अनुसार, सरकारें हर साल करीब 1 ट्रिलियन डॉलर सब्सिडी के रूप में इस सेक्टर पर खर्च करती हैं।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./4242/22/D-12/NIT-Maint./2026 Bhopal, Dated : 28/04/2026

NOTICE INVITING TENDER No. 378/MTN/2026

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable ;- SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.**
- **Table-1: Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)**

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Balaghat	2	93099476.00
2.	Barwani	2	39693356.00
3.	Betul	2	20769653.00
4.	Bhind	2	4514102.00
5.	Burhanpur	1	7691154.00
6.	Chhatarpur	1	19832996.00
7.	Damoh	1	2561528.00
8.	Dewas	2	27115441.00
9.	Guna	3	37795776.00
10.	Indore	2	34689930.00
11.	Jabalpur	2	42719123.00
12.	Khargone	2	16804086.00
13.	Morena	1	44637502.00
14.	Narmadapuram	2	18303379.00
15.	Panna	1	21667719.00
16.	Rewa	1	1370879.00
17.	Sagar	2	27295250.00
18.	Satna	3	47511546.00
19.	Sehore	1	9577681.00
20.	Seoni	2	15656715.00
21.	Shajapur	2	25968539.00
22.	Shivpuri	2	50603102.00
23.	Ujjain	1	755531.00

- **Table-2 : Name of Work – REPAIR / MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR TEN YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Agar Malwa	1	7050989.00
2.	Balaghat	3	31449664.00
3.	Bhind	5	40570538.00
4.	Burhanpur	1	1041502.00
5.	Chhindwara	1	33431079.00
6.	Damoh	1	5493574.00
7.	Dewas	1	5787702.00
8.	Dhar	6	63991580.00
9.	Harda	1	16874977.00
10.	Indore	2	14632087.00
11.	Jabalpur	1	6583975.00
12.	Khandwa	1	9959278.00
13.	Khargone	5	73674837.00
14.	Mandla	1	32423409.00
15.	Mandsaur	2	20061342.00
16.	Narmadapuram	1	2225360.00
17.	Neemuch	2	22053110.00
18.	Raisen	2	12332251.00
19.	Sagar	3	49084707.00
20.	Satna	1	37573650.00
21.	Seoni	2	47637517.00
22.	Shivpuri	2	13821653.00
23.	Sidhi	1	5699386.00
24.	Vidisha	1	12459016.00

- **Table-3 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIFTEEN YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Ashoknagar	1	22385174.00
2	Balaghat	4	181026720.00
3	Betul	3	58619370.00
4	Bhind	2	24818399.00
5	Chhindwara	2	96868641.00
6	Dewas	3	42348261.00
7	Dhar	5	82737162.00
8	Gwalior	1	4612809.00
9	Harda	1	15123462.00
10	Katni	1	31893088.00
11	Khargone	2	24478724.00
12	Mandla	2	131943629.00
13	Mandsaur	2	55814419.00
14	Narmadapuram	2	7946486.00
15	Neemuch	2	36471465.00
14	Pandhurna	1	7047644.00
15	Sagar	4	34568118.00
16	Shajapur	2	28308300.00
17	Singrauli	1	2177372.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from 30.04.2026 from 17:30 hrs. and last date for online bid submission is 15.05.2026 (17:00 hrs.).
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/125541/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

अटल ग्राम सुशासन भवन एवं बाउंड्रीवॉल का हुआ लोकार्पण

मनगवां। जनपद पंचायत गंगेव की ग्राम पंचायत पिपरहा में अटल ग्राम सुशासन भवन का लोकार्पण एवं 25.00 लाख रुपए की लागत से बनने वाले अटल सुशासन भवन की बाउंड्रीवॉल सहित 15.00 लाख रुपए की लागत से निर्मित हुई ग्रेबल सड़क का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनगवां विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अंत्योदय से राष्ट्रोदय के मूलमंत्र को साकार करने की दिशा में सतत अग्रसर है और जनकल्याण के कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं को धरातल में मूर्त रूप देने के लिए भारतीय जनता पार्टी का एक एक कार्यकर्ता अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

इनकी रही उपस्थिति

लोकार्पण कार्यक्रम में जनपद पंचायत गंगेव के अध्यक्ष विकास तिवारी, जिला पंचायत सदस्य मृत्युंजय मिश्रा, जनपद सदस्य रावेन्द्र पटेल, महेन्द्र त्रिपाठी सरपंच पिपरहा, दिलीप त्रिपाठी सरपंच देउरा, केसी तिवारी सरपंच मौहरिया, जगत नारायण मिश्रा सरपंच सहेबा, उपेन्द्र पांडे सरपंच सिसवा, सौखीलाल कोल मंडल अध्यक्ष भाजपा,शास्त्री जी सरपंच खैरा, भाजपा नेता देवव्रत त्रिपाठी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय वरिष्ठ जन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन आशीष तिवारी निर्मल ने किया।

पंचायतों में लटका रहता है ताला, सचिव और जीआरएस नहीं आते कार्यालय

रायपुर कर्चु. जनपद की पंचायतों में मनमानी पर लगाम लगाने बायोमेट्रिक हाजिरी की उठी मांग

मनिकवार, नि.प्र.। रीवा जिले के जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतर चुकी है। स्थानीय जनता ने संवाददाता को बताया कि क्षेत्र की अधिकांश ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन महज सफेद हाथी साबित हो रहे हैं,क्योंकि यहाँ पदस्थ पंचायत सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों के बैठने का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं है। स्थिति यह है कि पंचायत भवनों में अक्सर ताला लटका रहता है और कर्मचारी महीने में केवल एक या दो दिन ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुँचते हैं।

ग्रामीणों की समस्याएं और प्रशासनिक उदासीनता

ग्रामीणों का आरोप है कि अपनी जायज समस्याओं और शासकीय कार्यों जैसे मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, पीएम आवास योजना और मनरेगा कार्य के लिए उन्हें बार-बार पंचायत भवन के चक्कर लगाने पड़ते हैं लेकिन कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ता है। शिकायतों के बावजूद निचले स्तर पर कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

बायोमेट्रिक उपस्थिति की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए पंचायतों में अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक मशीनें स्थापित की जानी चाहिए। यदि कर्मचारियों का आने-जाने का समय फिक्स होगा और ऑनलाइन हाजिरी लगेगी, तभी पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो सकेगी।

जनपद सीईओ के निरीक्षण पर उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ जहाँ रीवा कलेक्टर स्वयं धरातल पर उतरकर पंचायतों का निरीक्षण कर रहे हैं और आम जनता से रूबरू हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनपद सीईओ की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जनपद सीईओ को भी समय-समय पर प्रत्येक पंचायत का औचक निरीक्षण करना चाहिए।अधिकारियों की फील्ड में अनुपस्थिति के कारण ही कर्मचारियों में शासन और प्रशासन का डर समाप्त हो गया है।

सिद्ध श्रीदुअरानाथ मन्दिर में मंगलवार को सुन्दरकाण्ड पाठ का हुआ आयोजन

जवा ब्यूरो। सिद्ध श्री दुअरानाथ हनुमान मन्दिर में मंगलवार को सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन महीने के अंतिम मंगलवार को नियमित रूप से किया जाता है। सरपंच ग्राम पंचायत सितलहा अमित चक्रधर सिंह द्वारा विगत वर्षों से आयोजित इस कार्यक्रम के संरक्षक, कॉग्रेस नेता चक्रधर सिंह जवा, विधानसभा सिरमौर 68 जिला रीवा, पूर्व महामंत्री मध्यप्रदेश कॉग्रेस कमेटी ने कहा कि यह आयोजन आत्म कल्याण एवं जनकल्याण के निमित्त है। गायन टीम विजय मिश्रा, दीपक पटेल, पंकज यादव की प्रस्तुति मनमोहक रही। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से प्रारम्भ हुआ और आरती प्रसाद वितरण के साथ 12 बजे दिन समापन हुआ।

आयुष्मान योजना से 2000 मरीजों का किया जा चुका है निःशुल्क उपचार

मऊगंज ब्यूरो। आशीर्वाद मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई पहचान दी है। संवाददाता से बात करते हुए अस्पताल के प्रबंधन ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पताल द्वारा अब तक करीब 2000 से अधिक जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा चुका है। इससे गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और आयुष्मान कार्ड धारकों को बड़ी राहत मिली है। अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के तहत सोनोग्राफी, सी.टी. स्कैन सहित विभिन्न जांच सेवायें उपलब्ध है। इसके साथ ही दूरबीन (लेप्रोस्कोपिक) तकनीक के माध्यम से कई जटिल ऑपरेशन आयुष्मान योजना के तहत सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं। यहां पथरी, प्रोस्टेट, हड्डी टूटने जैसे मामलों के साथ-साथ प्लास्टिक सर्जरी जैसे बड़े ऑपरेशन भी आयुष्मान योजना के तहत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुये हैं। पहले इन उपचारों के लिये मरीजों को रीवा या जबलपुर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था लेकिन अब मऊगंज में ही बेहतर इलाज उपलब्ध हो रहा है।

कलेक्टर मऊगंज ने आमजनता के आवेदनों में की जनसुनवाई

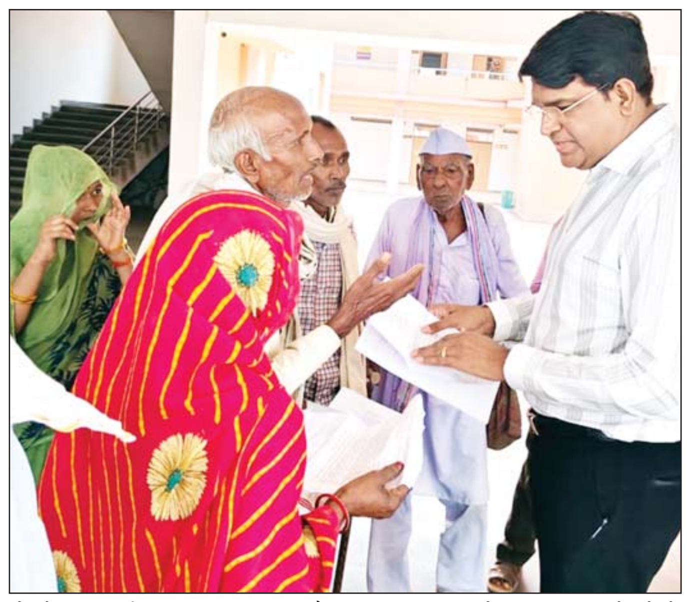

मऊगंज जागरण। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में गलबल साकेत निवासी ग्राम सलैया ने उनके पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जा रोकने तथा कच्चे मकान की सुरक्षा के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हनुमना को मौके पर जाकर सुनवाई करके प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। चौरसिया कहार निवासी ग्राम बिछरहटा ने सेवा सहकारी समिति में किए गए चौकीदारी कार्य का पाँच वर्ष की राशि के भुगतान के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने महाप्रबंधक सहकारी बैंक को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कामना केवट निवासी ग्राम बिछरहटा ने सेवा सहकारी समिति बिछरहटा में उनके खाते में जमा दो लाख 10 हजार रुपए देने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने महाप्रबंधक सहकारी बैंक को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। समर बहादुर सिंह निवासी झलवार ने उनके पुत्र पंकज सिंह की मृत्यु के बाद अनुग्रह सहायता राशि के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीईओ नईगढ़ी को तत्काल अनुग्रह राशि सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गीता देवी मिश्रा निवासी ग्राम अकौरी ने उनकी जमीन को जालसाजी करके बैंक में बंधक बनाने तथा जमीन में किए गए अवैध कब्जे को हटाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार नईगढ़ी को मौके पर जाकर सुनवाई कर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम तारी ने नक्शा तरमीम में सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार नईगढ़ी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सविताबाई सरपंच ग्राम हर्दिहा ने हैण्डपंप लगाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत हनुमना को ग्राम पंचायत में पेयजल की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। इसी तरह जनसुनवाई में खाद्यान्न न मिलने तथा अन्य आवेदनों में सुनवाई की गई।

गौवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने सौंपा ज्ञापन

नए कानून तथा गौवंश को संवैधानिक संरक्षण दिलाने राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री से की मांग

सेमरिया, नि.प्र.। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम गौ भक्तों ने गौवंश के संरक्षण अधिनियम लागू करने तथा पृथक गौपालन मंत्रालय की स्थापना हेतु अनुशंसा प्रेषित करने की मांग की है, ताकि संपूर्ण राष्ट्र में गौवंश वध पर पूर्ण प्रतिबंध लग सके। साथ ही राज्य स्तर पर समस्त वधशालाओं के लाइसेंस तुरंत निरस्त कर वध पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को विशेष संकल्प पारित कर प्रस्ताव भेजा जाए की देशी गोवंश को राष्ट्रमाता के रूप में आधिकारिक संवैधानिक मान्यता प्रदान कर उसे विशेष राष्ट्रीय संरक्षण दिया जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर नंदी शाला और जिला स्तर पर न्यूनतम एक आदर्श को अभ्यारण अथवा वृहद गौशाला की स्थापना अनिवार्य हो, जहां निराश्रित गोवंश को ससम्मान आश्रय मिले। पृथ्वी पर गौवंश मात्र एक प्राणी नहीं, अपितु हमारी पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। इस प्रार्थना पत्र का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश की उस गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करना है, जहां गौवंश केवल दया का पात्र नहीं बल्कि राज्य की अमूल संपत्ति और ग्रामीण विकास का सशक्त इंजन के रूप में स्थापित हो। यह पत्र केवल एक करुण पुकार नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक वैधानिक आग्रह है। प्रदेश के संवैधानिक प्रमुख रूप मे आपके समक्ष मार्गदर्शन में ही यह संभव है कि हम अपनी आने वाली पीढियां को एक सुरक्षित पर्यावरण रसायन मुक्त कृषि और समृद्धि सांस्कृतिक विरासत सौंप सके। उपरोक्त मांग का ज्ञापन सेमरिया तहसील कार्यालय में सौंपा गया। इस अवसर पर समाजसेवी रामायण मिश्रा, आशिक खान, रामप्रसाद शुक्ला भइयन, पूर्णेन्द्र द्विवेदी ,धर्मेंद्र शर्मा ,राजेश शर्मा, देवेंद्र पयासी, सुजीत सोनी बंटा, सोहन खान, अजय अग्निहोत्री, राज नारायण शर्मा,असलम खान, राजेश तिवारी सहित अन्य गौभक्त उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय लालगांव में की गई पानी के टंकी और प्लेटफॉर्म की सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रैली निकालकर जागरुकता संदेश

लालगाँव, नि.प्र.। जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 19 मार्च से 30 जून तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्व. रुक्मिणी रमण प्रताप सिंह सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालगांव में मंगलवार के दिन जल संचयन के प्रति जागरुकता रैली निकालकर प्राचार्य बालेन्दु शेखर द्विवेदी ने अपने पूरे विद्यालय स्टाफ और छात्रों के साथ पानी के टंकी और प्लेटफॉर्म की साफ सफाई कर प्रदेश में जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, संरक्षण और इस अभियान को जन आन्दोलन बनाए रखने के क्रम में अपने विद्यालय के योगदान का उदाहरण पेश किया। इस अवसर पर प्राचार्य बालेन्दु शेखर द्विवेदी ने जल ही जीवन है के महत्व को समझाते हुए अपने पूरे विद्यालय परिवार के साथ-साथ संकुल और जन शिक्षा केन्द्र अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालय जिन्होंने इस अभियान को अपने विद्यालय में मनाया है, उनको बधाई देते हुए और अभी तक इस अभियान को न मनाने वाले विद्यालयों के संस्था प्रमुख से जल गंगा संवर्धन अभियान को अपने-अपने विद्यालय में मनाकर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई लिंक को भरने की अपील की है।

सोहरवा स्टॉप डैम में रेत की जगह डस्ट का हो रहा उपयोग

लोहे के जाल की जगह लगा रहे सरिया

निर्माण कार्य में अनियमितता से ग्रामीणों में आक्रोश

त्योंथर ब्यूरो। जनपद पंचायत त्योंथर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोहरवा में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन की जमकर बंदरबांट की जा रही है। यहाँ निर्माणाधीन स्टॉप डैम में सरपंच और सचिव की जुगलबंदी ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं। ग्रामीणों ने संवाददाता से बात करते हुए आरोप लगाया है कि स्टॉप डैम का निर्माण पूरी तरह से गुणवत्ताविहीन सामग्री से किया जा रहा है, जो पहली बारिश की मार भी झेलने में सक्षम नहीं दिख रहा। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि यदि एक बरसात ही निर्माण कार्य नहीं टिक पाएगा तो ऐसे में सरकारी राशि का दुरुपयोग क्यों किया जा रहा है।

जनता ने समाचार पत्रों के माध्यम से कई बार उठाया मुद्दा

ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि जब से निर्माण कार्य शुरू हुआ तब से सरकार द्वारा तय मानकों का ध्यान नहीं रखा जा रहा था तभी से समाचार पत्रों के माध्यम से जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया जा रहा था लेकिन अभी तक निर्माण कार्य का निरीक्षण नहीं किया गया है तथा ठेकेदार द्वारा लगातार अनियमितता बरती जा रही है। नियमों के मुताबिक, स्टॉप डैम की मजबूती के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन सोहरवा में बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार जाल के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। डैम के बेस और स्ट्रक्चर में जहां लोहे का मजबूत जाल बिछाया जाना चाहिए था, वहां केवल नाममात्र के सरिये लगाकर काम चलाया जा रहा है।

रेत की जगह डस्ट का हो रहा उपयोग : ग्रामीणों ने संवाददाता से बात करते हुए कहा कि ठेकेदार द्वारा रेत की जगह डस्ट का उपयोग किया जा रहा है तथा रेत का नाममात्र का उपयोग हो रहा है। निर्माण में उपयोग की जा रही सीमेंट, रेत और गिट्टी का मिश्रण निर्धारित अनुपात में नहीं है। अमानक स्तर की सामग्री के उपयोग से डैम की उम्र और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सरपंच-सचिव की पर भी लगाए आरोप : ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में सरपंच और सचिव की भूमिका संदिग्ध है। शिकायतों के बावजूद निर्माण कार्य में सुधार करने के बजाय इसे जल्दबाजी में पूरा करने की कोशिश की जा रही है, ताकि भुगतान निकाला जा सके। भ्रष्टाचार के इस खुले खेल से न केवल शासन को लाखों की चपत लग रही है, बल्कि भविष्य में डैम टूटने से आसपास के खेतों और ग्रामीणों को भी खतरा हो सकता है।

ग्रामीणों ने आंदोलन की दी चेतावनी : स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और जिला पंचायत सीईओ रीवा से मांग की है कि सोहरवा ग्राम पंचायत में हो रहे इस घटिया निर्माण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य रोककर इसकी गुणवत्ता की जांच नहीं की गई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। सरकारी पैसे का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोऑपरेटिव बैंक में 2 दिन से सर्वर न होने से नहीं मिल रहा खातेदारों को भुगतान

चाकघाट,नि.प्र.। कृषकों की वित्तीय बैंकिंग संस्था कहीं जाने वाली जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (कोऑपरेटिव बैंक) चाकघाट को कंप्यूटरीकृत शाखा का दर्जा प्राप्त है किंतु सर्वर न होने से किसान ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संवाददाता को बैंक के हितग्राहियों जिला केंद्रीय सहकारी बैंक शाखा चाकघाट में 27 अप्रैल एवं 28 अप्रैल को बैंक का सर्वर काम न करने के कारण किसानों को अपनी जमा की गई राशि ही नहीं प्राप्त हो रही है। खातेदार किसान इस समय शादी विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्यों के चलते जब पैसा निकालने के लिए शाखा कार्यालय चाकघाट पहुंचते हैं, तब वहां सरवर न होने की बात कह कर उसे लौटा दिया जाता है। सुबह से पहुंचे खातेदार कृषक शाम तक इस आशा में बैठे रहते हैं, शायद सर्वर चालू हो और उन्हें पैसा मिल जाए किंतु यहां ऐसा नहीं हो पा रहा है। 27 अप्रैल एवं 28 अप्रैल को भी किसानों को निराश होकर वापस जाना पड़ा जिला प्रशासन एवं जिला केंद्रीय सरकारी बैंक के अधिकारियों से अपेक्षा है कि बैंक के खातेदार किसानों को उनकी आवश्यकता पड़ने पर उनकी जमा राशि प्रदान करने की व्यवस्था बनाई जाय। सर्वर के नाम पर किसानों को परेशान किया जाना उचित नहीं है।

उपयंत्री के संरक्षण में ग्राम पंचायत सतपुड़ा के सरपंच-सचिव कर रहे अनियमितता

त्योंथर ब्यूरो । जनपद पंचायत त्योंथर अंतर्गत ग्राम पंचायत सतपुड़ा में सरपंच/पंचायत सचिव और संबंधित उपयंत्री की मिली भगत से ग्राम पंचायत में गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य कराने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने संवाददाता को बताया कि सतपुड़ा पंचायत अंतर्गत कराए गए सभी निर्माण कार्यों में निर्धारित मापदंडों को दरकिनार करते हुए घटिया सामग्री का उपयोग करते हुए गुणवत्ताहीन निर्माण कराया गया है। रेत, गिट्टी एवं सीमेंट का एक तो सही मिश्रण नहीं किया गया है तथा रेत, गिट्टी एवं सीमेंट भी गुणवत्ताहीन उपयोग की गई है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य प्रारंभ होने के दौरान ही इसकी शिकायत समाचार पत्रों के माध्यम से की थी लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए संवाददाता को बताया कि सरपंच एवं सचिव की इन अनियमितताओं के पीछे संबंधित उपयंत्री का संरक्षण है जिनकी वजह से खुले आम भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है।

गौवंश को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने मऊगंज की तहसीलों से हजारों हस्ताक्षरों सहित सौंपा ज्ञापन

मऊगंज ब्यूरो। गौ सम्मान पदयात्रा एवं जनजागरण अभियान के पश्चात 27 अप्रैल को गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर विभिन्न स्थानों पर ज्ञापन सौंपे गए। यह ज्ञापन मऊगंज कलेक्टर मुख्यालय सहित हनुमना, देवतालाब एवं नईगढ़ी तहसीलों में राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित कर सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन विज्ञान धर्म सरकार शाहपुर के पीठाधीश्वर परम पूज्य लक्ष्मी नारायण महाराज के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वेदांती प्रसाद शुक्ला, अखिलेश पाण्डेय, मुकेश चतुर्वेदी, देवेंद्र पाण्डेय, के.डी. शुक्ला, रोहित शुक्ला, शंकरलाल गुप्ता, संपत दास गुप्ता, रज्जन पटेल (विहिप), योगी भारद्वाज, शशि भार्गव, राजू, मयंक मिश्रा, भरत तिवारी, पार्थ मिश्रा, दिनेश तिवारी, उमेश मिश्रा, संजय मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, जमू उपाध्याय, पुनीत मिश्रा, सुख सागर, प्रवेश मिश्रा, कृष्ण सोनी, विमराज मिश्रा, संदीप रावत, अंशु मिश्रा, सुरेश मिश्रा, सौरभ मिश्रा, संदीप राल्ही, भूषण मिश्रा, अमन मिश्रा, अमन चतुर्वेदी, अमन सिंह, रामजी सिंह, आशुतोष मिश्रा, संजय तिवारी, उदय सिंह, प्रशांत अग्निहोत्री, शनि मिश्रा, शनि सेन, सागर सेन, रोहित तिवारी, शिवा सहित सैकड़ों गौभक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर समर्थन दिया, जिसमें मऊगंज 8,349 हस्ताक्षर, हनुमना 2,540 हस्ताक्षर देवतालाब 7,620 हस्ताक्षर, नईगढ़ी 3,500 हस्ताक्षर, इस प्रकार हजारों गौभक्तों ने एकजुट होकर गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

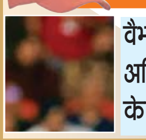

वैभव (राजस्थान)	400
अभिषेक (हैदराबाद)	380
केएल राहुल (दिल्ली)	358

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	14
अंशुल कंबोज(चेन्नई)	14
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	14

बाउंड्री मीटर

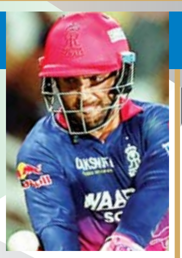

687 छक्के
1205 चौके
73 अर्धशतक

डोनोवन फरेरा ने आखिरी में 26 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	8	6	1	13	1.043
बेंगलुरु	8	6	2	12	1.919
राजस्थान	9	6	3	12	0.617
हैदराबाद	8	5	3	10	0.815
गुजरात	8	4	4	8	-0.475
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
दिल्ली	8	3	5	6	-1.060
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	7	2	5	4	0.736
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

राजस्थान रॉयल्स ने दी पंजाब को सीजन की पहली शिकस्त

यशस्वी जायसवाल-फरेरा की फिफ्टी, वैभव सूर्यवंशी ने 16 बॉल पर 43 रन बनाए

चंडीगढ़, जेएनएन। आईपीएल 2026 के 40वें मुकाबले में दो धाकड़ टीमों की भिड़ंत में टेबल टॉपर पंजाब किंग्स का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। राजस्थान ने पंजाब के विजय रथ को रोका। आईपीएल में यह राजस्थान का सबसे बड़ा रन चेज भी है। डोनोवन फरेरा ने आखिरी में 26 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। जायसवाल ने 51 और वैभव ने 43 रन की पारियां खेलीं। न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में टॉस हारकर पंजाब ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस ने नाबाद 62 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन बनाए कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30 रन का योगदान दिया। 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने पावरप्ले में तेज शुरुआत करते हुए 84 रन बना लिए। वैभव ने 16 गेंदों पर 43 रन बनाए। जायसवाल ने 27 गेंदों पर 51 रन की फिफ्टी लगाई। फरेरा ने 52 रन की नाबाद पारी खेली। शुभम दुबे ने 31 रन बनाए और दोनों ने 5वें विकेट के लिए 32 बॉल पर 77 रन जोड़े। इस मैच में राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पहले खेलते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन बनाए। प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन की पारी खेली और अंत में मार्कस स्टाइनिस ने 22 गेंद पर नाबाद 62 रन ठोक मैच का रुख बदल दिया। राजस्थान के लिए दो विकेट यशराज पुंजा ने लिए और एक-एक विकेट आर्चर और बर्गर को मिले।

राजस्थान का सबसे बड़ा रन चेज

राजस्थान ने पंजाब के विजय रथ को रोका है और 6 विकेट से 223 रन का लक्ष्य चेज करते हुए मैच जीता। आईपीएल में यह राजस्थान का सबसे बड़ा रन चेज भी है। डोनोवन फरेरा ने आखिरी में 26 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। यशस्वी जायसवाल ने 51 और वैभव सूर्यवंशी ने 43 रन की पारियां खेलीं।

पंजाब टेबल के टॉप पर कायम

हार के बावजूद पंजाब की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम है। जबकि, राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर आ गई है।

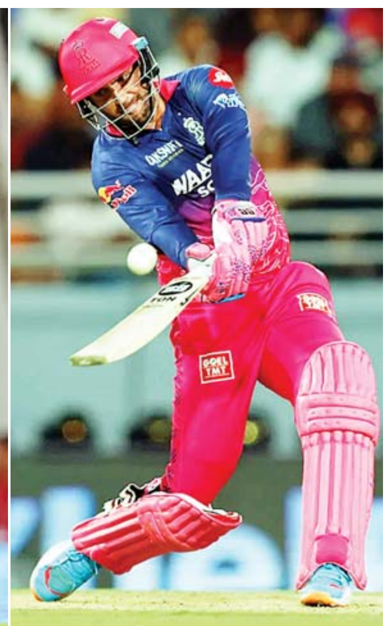

डोनोवन फरेरा बने प्लेयर ऑफ द मैच

डोनोवन फरेरा ने 26 गेंद पर नाबाद 52 रन की पारी खेलते हुए राजस्थान को 6 विकेट से आसान जीत दिला दी। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। उन्होंने इस पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। आईपीएल 2026 के 40वें मैच में पंजाब किंग्स को सीजन की पहली हार मिली। इस मैच में जीत के साथ राजस्थान अंकतालिका में टॉप 3 में पहुंच गई।

43 रन
16 गेंद
03 चौके
05 छक्के

वैभव ने 400 रन ठोक कर रसेल, अभिषेक को छोड़ा पीछे

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 40वें मैच में अपने 400 रन इस सीजन पूरे कर लिए। इसी के साथ वह आईपीएल के एक सीजन में सबसे तेज (गेंदों के लिहाज से) 400 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने अभिषेक शर्मा, आंद्रे रसेल, निकोलस पूरन समेत चार धाकड़ बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया। वहीं उन्होंने 230 प्लस के स्ट्राइक रेट से 400 रन बनाकर इतिहास भी रचा। इससे पहले आईपीएल के किसी भी सीजन में किसी बल्लेबाज ने 400 रन 230 प्लस के स्ट्राइक रेट से नहीं बनाए थे। यानी आईपीएल में 2008 से 2025 तक जो नहीं हुआ था, वह वैभव ने 2026 में कर दिखाया है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ महज 16 गेंद पर 43 रन की पारी खेलते हुए जलवा बिखेरा। इस पारी में वैभव ने पांच छक्के लगाए। वैभव के नाम इस सीजन अभी तक सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के दर्ज हो गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 40वें मैच में भी जलवा बिखेरा और पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की क्लास लगा दी। उन्होंने इस पारी में अपने सीजन के 400 रन पूरे किए और एक बार फिर से ऑरेंज कैप होल्डर भी बन गए।

गोंडा रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया

20 माह बाद विनेश फोगाट ने की रेसलिंग में वापसी

नई दिल्ली, जेएनएन। विनेश फोगाट 20 महीने बाद किसी रेसलिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। उन्होंने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। विनेश ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। हालांकि विनेश ने पहले आरोप लगाया था कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) उन्हें टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से रोक रहा है। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'आज सुबह मेरा रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने की वजह से मैं रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाई थी। सबके सपोर्ट के लिए शुक्रिया।

पेरिस ओलिंपिक के बाद संन्यास लिया था

पेरिस ओलिंपिक 2024 में विनेश ने 50 किलोग्राम फ्री-स्टाइल कुश्ती में हिस्सा लिया था। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली थी, लेकिन मुकाबले से पहले उनका वजन लगभग 100 ग्राम ज्यादा पाया गया। इसके बाद ओलिंपिक नियमों के तहत उन्हें टूर्नामेंट से डिसक्वालिफाई कर दिया गया। इससे दुखी होकर विनेश ने 8 अगस्त को संन्यास लेने की घोषणा की थी। हालांकि दिसंबर 2024 में उन्होंने अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया।

एशियन गेम्स और 2028 ओलंपिक पर निगाहें

विनेश 57 किलो कैटेगरी में 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। अब उनका लक्ष्य आने वाले एशियन गेम्स और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर है। विनेश हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक भी चुनी गई हैं।

रजिस्ट्रेशन में देरी पर डब्ल्यूएफआई ने सफाई दी

विनेश के रजिस्ट्रेशन में हुई देरी पर डब्ल्यूएफआई ने बताया कि पोर्टल में तकनीकी दिक्कत आई थी। इसकी वजह से सिर्फ विनेश नहीं, बल्कि कई पहलवानों का रजिस्ट्रेशन अटका हुआ था। बाद में लिंक खुलने पर एंट्री सबमिट हुई है। फेडरेशन ने कहा कि विनेश का रजिस्ट्रेशन सोमवार रात 10.29 बजे पूरा हो गया था, जबकि विनेश ने अपनी पोस्ट में मंगलवार सुबह इसका जिक्र किया है।

मैदान से हटकर

विराट का ऑटोग्राफ नहीं मिला तो बच्चा रोया, बल्ला फेंका

नई दिल्ली, जेनएन। सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में विराट कोहली से ऑटोग्राफ लेने की कोशिश में एक नन्हा फैन नाकाम रहा और मैदान पर रोने लगा। उसने दो-तीन बार कोहली तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने रोक दिया। कोहली का ध्यान बच्चे की ओर नहीं गया और वह खाली हाथ लौट गया। निराशा में बच्चे ने अपना बल्ला भी जमीन पर पटक दिया। सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच खेला गया। इसमें बेंगलुरु ने जीत दर्ज की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। गेंदबाजों ने पारी 16.3 ओवर में 75 रन पर समेट दी। 76 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 6.3 ओवर में जीत हासिल की। विराट कोहली ने टी नटराजन की गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़कर मैच खत्म किया।

खेल एक नजर

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर हुआ

होर्सेंस (डेनमार्क), जेएनएन। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया। भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी। उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशरानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया गया।

मैराथन रिकॉर्ड धारक ने स्वयं कराए डोप टेस्ट

लंदन, जेएनएन। दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले पहले धावक सबास्टियन सावे ने यह रिकॉर्ड बनाने से पहले स्वयं ही डोपिंग के कई परीक्षण करवाए और उन्हें उम्मीद है कि वह दुनिया के सामने यह साबित कर देंगे कि वह पूरी तरह से साफ सुथरा होकर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कीनिया के इस 29 वर्षीय धावक ने रविवार को लंदन मैराथन में एक घंटे, 59 मिनट और 30 सेकंड का समय लेकर वह कारनामा कर दिखाया जिसे लंबे समय से असंभव माना जा रहा था। कीनिया में हाल के वर्षों में कई प्रमुख धावक डोपिंग के दोषी पाए गए जिनमें महिला मैराथन में विश्व रिकॉर्ड धारक रूथ चेपनगेटिच भी शामिल हैं जिन पर अक्टूबर में तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया था। इसलिए सावे ने अपने कोच और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर अपने प्रदर्शन को लेकर किसी भी संदेह को दूर करने के लिए स्वेच्छा से 'कई' डोपिंग परीक्षण करवाए।

हैदराबाद की कड़ी चुनौती पार कर जीत की राह पर लौटना चाहेगी मुंबई

मुंबई, जेएनएन। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को अगर अपनी किस्मत पलटनी है तो उसे शानदार फॉर्म में चल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के महत्वपूर्ण मुकाबले में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुंबई की टीम पहले सात मैचों में पांच में हार से चार अंक लेकर नौवें स्थान पर है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 103 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था जिससे उसका नेट रन रेट भी बिगड़ गया है। मुंबई की टीम की चिंता भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के चार खिलाड़ियों में शामिल कप्तान हार्दिक पंड्या (तीन विकेट और 97 रन) और सूर्यकुमार यादव (110) का खराब प्रदर्शन है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल में पहले शतक से मुंबई लगातार चार मैचों में हार का सिलसिला तोड़ने में सफल रहा था लेकिन चेन्नई से मिली करारी हार ने एक बार फिर उसके लड़खड़ाते अभियान को और भी मुश्किल में डाल दिया।

सनराइजर्स को अभिषेक के फार्म का फायदा मिलेगा

सनराइजर्स इस बात से अच्छी तरह वाकिफ होगा कि मुंबई अपनी हार का सिलसिला तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। ऐसे में उसकी उम्मीद बल्लेबाजों पर टिकी रहेगी जो वानखेड़े स्टेडियम की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। सनराइजर्स में पिछले मैच में वैभव सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को हराया था। अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद फॉर्म में लौट आए हैं और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने अब तक 212.29 के स्ट्राइक रेट और 54.28 के औसत से 380 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। ईशान किशन (312) और हेनरिक क्लासेन (349) ने भी बल्लेबाजी ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन ट्रैविस हेड (186) से टीम को और अधिक उम्मीदें होंगी, जो अभी तक इस टूर्नामेंट में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

वायरस के खतरे के बीच एरीना सबालेंका क्वार्टर फाइनल में, कोको गॉफ और रायबाकिना हुईं बाहर

मैड्रिड, जेएनएन। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की बीमारी का कारण बने वायरस के खतरे और नाओमी ओसाका के जुझारू खेल से खुद को बचाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इगा स्वियातेक, कोको गॉफ, मारिन सिलिच और कुछ अन्य खिलाड़ी पेट में संक्रमण से प्रभावित हुए हैं लेकिन सबालेंका ने कहा कि वह साधारण आहार करके बीमारी से बचने की कोशिश कर रही है। खिलाड़ियों के बीच यह अफवाह थी कि खराब झींगा टैको संक्रमण के लिए जिम्मेदार थे। सबालेंका ने कहा, अभी तक तो सब ठीक है। मैंने सुना है कि मुझे उन टैकोस से परहेज करना होगा। मैं वही खाना खा रही हूं, जो मैं टूर्नामेंट की शुरुआत से खा रही हूं रविवार को सोराना सिर्स्टिया पर जीत के दौरान गॉफ ने कोर्ट पर उल्टी कर दी थी लेकिन सोमवार को लिंडा नोस्कोवा से 6-4, 1-6, 7-6 (5) से हार के दौरान अमेरिकी खिलाड़ी में बीमारी के कोई लक्षण नहीं दिखे। लिंडा नोस्कोवा पिछले साल उपविजेता रही थीं। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक ने शनिवार को मैच के बीच से हटने के बाद कहा, मैंने सुना है कि कोई वायरस फैल रहा है। मेरी तबीयत बहुत खराब है। सिलिच शुक्रवार को जोआओ फोन्सेका के खिलाफ अपना मैच नहीं खेल सके। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से मुझे फूड पॉइज़निंग हो गई है। मैंने अपनी तरफ से काफी कोशिश की लेकिन मैं मैच खेलने की स्थिति में नहीं हूं। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने चौथे दौर के मुकाबले में ओसाका के खिलाफ एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 6-7 (1), 6-3, 6-2 से जीत हासिल की।

हेली बैपटिस्ट से होगा मुकाबला

सबालेंका का अगला मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी हेली बैपटिस्ट से होगा, जिन्होंने बेलिंडा बेनसिच को हराया। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी एलेना रायबाकिना भी अनास्तासिया पोटापोवा से सीधे सेटों में हार गईं। पुरुष वर्ग में 19 वर्षीय राफेल जोडर ही एकमात्र स्पेनिश खिलाड़ी बचे हैं क्योंकि अन्य स्थानीय खिलाड़ियों में डेनियल मेरिडा स्टेफानोस सिटसिपास से और एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना मौजूदा चैंपियन कैस्पर रूड से हार गए। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और स्पेन के शीर्ष खिलाड़ी अल्काराज ने दाहिनी कलाई में चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।

बल्लेबाज 'हार्ड लेंथ' के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर रहे हैं: डेल स्टेन

नयी दिल्ली, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि वर्तमान समय में बल्लेबाज 'हार्ड लेंथ' (सटीक लेंथ पर की गई गेंद) के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर रहे हैं तथा जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार ने सोमवार को यहां खेले गए आईपीएल मैच में बल्लेबाजों की यह कमजोरी उजागर कर दी। हेज़लवुड और भुवनेश्वर ने पहले चार ओवरों में छह विकेट लेकर दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली को 16.3 ओवरों में 75 रन पर आउट कर दिया और नौ विकेट से आसान जीत दर्ज की।

अब गेंदबाजों का खौफ नहीं

स्टेन ने कहा कि बल्लेबाज अब डरते नहीं हैं, लेकिन वह हेज़लवुड, भुवनेश्वर, कगिसो रबाडा और जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाजों की सही लेंथ पर की गई गेंदों का सामना करने के लिए पर्याप्त अभ्यास नहीं करते हैं। स्टेन ने एक्स पर लिखा, बल्लेबाज भुवी (भुवनेश्वर), हेज़लवुड, रबाडा और आर्चर जैसे तेज गेंदबाजों से खौफ नहीं खाते लेकिन उनके मन में डर रहता है क्योंकि वे जानते हैं कि यह दिग्गज गेंदबाज कहां गेंदबाजी करने वाले हैं लेकिन वह इसकी पर्याप्त तैयारी नहीं करते हैं। उनके पास इस तरह की गेंदों का कोई जवाब नहीं होता है।

उन्होंने कहा, डर तकनीकी कौशल को लेकर है। इसमें अब बदलाव करना संभव नहीं है। देखते रहिए कि ये गेंदबाज अपना दबदबा बनाए रखते हैं। इसे 'हार्ड लेंथ' यूं ही नहीं कहा जाता। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हर्शल गिब्स ने स्टेन की टिप्पणी को बल्लेबाजी के नजरिए से समझाते हुए कहा कि बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ आगे बढ़कर आक्रामक होकर नहीं खेलते हैं जिससे उनकी लेंथ बिगाड़ सके। गिब्स ने कहा, कोई भी बल्लेबाज उनकी लेंथ बिगाड़ने और उन पर तेजी से रन बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है।

इंग्लैंड ने महिला टी-20 विश्व कप के लिए टीम घोषित की

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा की जिसकी अगुआई ऑलराउंडर नैट स्काइवर ब्रंट करेंगी। स्काइवर ब्रंट की कप्तानी वाली इंग्लैंड की यही टीम मई-जून में भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला में भी हिस्सा लेगी जिसके बाद टी20 विश्व कप होगा। यह स्काइवर ब्रंट सातवां टी20 विश्व कप होगा। भारतीय महिला टीम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और लॉर्ड्स में एक टेस्ट मैच खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड टीम में नया नाम 18 वर्षीय सरे की स्पिनर टिली हैं जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगी। साथ ही वारविकशर की इसी वोंग और डरहम की लॉरेन को भी पहली बार टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिली है। चार्ली डीन टीम की उप कप्तान होंगी। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी। इंग्लैंड में 2009 में हुए टी20 विश्व कप में टीम की अगुआई करते हुए उसे खिताब दिलाने वाली मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स की खिलाड़ियों को 12 जून से एजबस्टन में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 960 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव है।

राष्ट्रमंडल युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत के नाम 4 स्वर्ण

नयी दिल्ली, जेएनएन। भारतीय भारोत्तोलकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समोआ के अपिया में चल रही राष्ट्रमंडल युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप और संबंधित यूनिवर्सल कप (सीनियर) में प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार स्वर्ण पदक जीते। सुनील सिंह ने 65 किलोग्राम पुरुष वर्ग में कुल 271 किलोग्राम (स्नैच में 126 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 145 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ऐसांगफा गोगोई ने 58 किलोग्राम महिला वर्ग में और अभिनव गोगोई ने 71 किलोग्राम पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। ऐसांगफा ने कुल 185 किलोग्राम (स्नैच में 79 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 106 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिनव ने कुल 284 किलोग्राम (स्नैच में 129 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 155 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यूनिवर्सल कप में अरुणाचल प्रदेश के चारू पेसी ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में 289 किलोग्राम (स्नैच में 127 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 162 किलोग्राम) के कुल भार के साथ स्वर्ण पदक जीता।

उपलब्धि टीम की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों, कोच और सहायक कर्मचारियों को बधाई दी। यादव ने अपने बधाई संदेश में कहा, ये उपलब्धियाँ हमारे खिलाड़ियों और सहायक टीम की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

मुख्य सचिव आज करेंगे समीक्षा

रीवा। मुख्य सचिव अनुराग जैन 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे से भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा करेंगे। बैठक में कानून व्यवस्था, सुशासन, राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, शिक्षा, खाद्य, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का बैंकवार लक्ष्य निर्धारित

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का बैंकवार लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। उन्होंने बैंक अधिकारियों से कहा है कि निर्धारित लक्ष्य एवं मापदण्ड का पालन करते हुए शाखा स्तर से लाभप्रद एवं व्यवहार्य प्रकरणों में स्वीकृत एवं वितरण की कार्यवाही करते हुए योजनान्तर्गत प्राप्त प्रकरणों में पात्रतानुसार ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया जाना सुनिश्चित करें।

बंद खदान में चट्टान की चपेट में आई महिला की मौत

बैजनाथ में बंद खदान में कंडा बीनने गई थी महिला

जागरण, रीवा। चोरहटा थाना क्षेत्र के बैजनाथ में स्थित खदान में एक महिला हादसे का शिकार हो गई। बताया गया कि खदान में महिला के ऊपर एक चट्टाननुमा पत्थर गिर गया जिसकी चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। सूचना के बाद चोरहटा और नौवस्ता चौकी पुलिस पहुंची जिसने महिला के शव को अस्पताल भिजवाया, पीएम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया है। चर्चा यह भी है कि नौबस्ता क्षेत्र के बैजनाथ में चल रही अवैध ब्लास्टिंग के पत्थरों में दबकर एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, महिला घर का चूल्हा जलाने के लिए खदान में कंडा बिनने गई थी। घटना में सुमित्रा केवट 37 वर्ष की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि वह घर से कंडा बीनने के लिए निकली थी तभी वह बैजनाथ के एक ऐसे खदान में चली गई जहां निरंतर ब्लास्टिंग हो रही थी। वहीं पुलिस का कहना है कि जो जानकारी निकलकर सामने आई है उसमे पता लगा कि महिला खदान में पत्थर निकालने गई थी जहां पत्थर में दबने से उसकी जान चली गई। वहीं परिजनों की मानें तो खदान में जीतू केवट नाम का व्यक्ति ब्लास्टिंग कर रहा था और खदान अल्ट्राटेक सीमेंट की है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की जांच कर रही है।

बनकुइयां क्षेत्र में लगातार चल रहा अवैध खनन

रीवा। खनिज माफिया अवैध खनन कर जमीन को खोखला कर रहा हैं। बनकुइयां क्षेत्र के सकरवट में व्यापक स्तर में बिना माइनिंग लीज के ही बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की जा रही है। आरोप है कि इसी ब्लास्टिंग से एक महिला की मृत्यु हुई है। मामले में खनिज विभाग के अधिकारी पुलिस प्रशासन तथा राजस्व विभाग की भूमिका संदिग्ध है। अवैध रूप से बंद खदानों में खनन के मामाले लगातार सामने आते है। इसके बावजूद प्रशासन और पुलिस का अमला मूकदर्शक बना हुआ है। बताया जाता है कि कई खनिज माफिया डंके की चोट में लगातार उत्खनन करके पत्थरों की सप्लाई क्रेशर संचालकों को कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बैजनाथ, सकरवट बनकुइयां भोलगढ़ सहित क्षेत्र में अवैध तरीके से खदानों में ब्लास्टिंग कर खनन किया जा रहा है, जिसमे रोक लगना जरूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता बीके माला ने क्षेत्रों में वैधानिक ब्लास्टिंग उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने न्यायालय में याचिका लगाई है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ.सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे साय 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

थैलेसीमिया से ग्रसित दुधमुंहे बच्चे के साथ महिला को घर से निकाला

जागरण, रीवा। शहर के सिविल बिछिया थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला पूजा लालवानी पति मुकेश लालवानी और सास-ससुर द्वारा घर से निकाल दिये जाने के बाद अपने दुधमुंहे और गंभीर रोग से ग्रसित को लेकर न्याय के लिए भटकती रही। वह रोती बिलखती मंगलवार को महिला थाने पहुंची और अपने पति सहित सास ससुर पर गंभीर आरोप लगाते कार्यवाही की मांग की। पीड़िता ने कहा कि पति और सास-ससुर दहेज लोभी हैं। उसने बताया कि 6 साल शादी को बीत गए, शादी के बाद से लगातार ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं। इस मामले पर केस भी चल रहा है। पीड़िता का कहना है कि पति का अच्छा खासा व्यापार है और उसके द्वारा पहले ही करोड़ों रुपए के दो घर और हाल में सिलाई मशीन का शोरूम भी बेच दिया गया है। महिला का आरोप है की पति और सास-ससुर ने मंगलवार को लात मारकर मुझे और गंभीर बीमारी थैलेसीमिया से ग्रसित नन्हे बच्चे को घर से बाहर निकाल दिया है। इस घटना की शिकायत लेकर पीड़िता बिछिया थाना पहुंची, जिसके बाद वहां से उसे महिला थाने भेज दिया गया। यहां उसे कोई अधिकारी नहीं मिले, जिसके बाद महिला अपनी फरियाद लेकर सिविल लाइन थाने पहुंची लेकिन वहां से भी निराशा ही हाथ लगी। बाद में उसका आवेदन महिला थाने द्वारा संज्ञान में लिया गया है।

विंध्य के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ.पी.सी. द्विवेदी
एम.एस. (नेत्र)
सेवानिवृत एवं पूर्व विभागाध्यक्ष
का नया पता
समयः सुबह 10 बजे से 2 बजे तक
जूनियर MIG-3 हेडगेवार नगर
कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने, रीवा
आस्था मेडिकल स्टोर, ढेकहा तिराहा, रीवा
समयः शाम 5 बजे से 7 बजे तक
8966825155,7225925922,9179687302

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिकः शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, हालत गंभीर

रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को एफआरवी पुलिस ने संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात तकरीबन 3 बजे यह हादसा हुआ। युवक बाइक में सवार होकर मैदानी की ओर जा रहा था। घायल युवक की पहचान नैतिक श्रीवास्तव के रूप में की गई है जो राधा कृष्ण मंदिर के पास चोरहटा का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि युवक देर रात संजय गांधी अस्पताल की ओर से अपने घर की ओर जा रहा था तभी सड़क पर दौड़ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। सड़क पर लहूलुहान हालत में मिले युवक को पुलिस की 112 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

आवश्यकता है
हनुमान मंदिर के लिए 'पुजारी' की
संस्कृत विद्यार्थी को प्राथमिकता
आवास और राशन के साथ शुरुआती मासिक वेतन 10 हजार रुपए
शीघ्र संपर्क करें, वाट्सएप नं.-
8349341189

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
उपलब्ध सुविधाएं
पताः श्रवण कुमारी स्कूल के पास,गुड़ रोड घिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
आयुष्मान कार्ड के माध्यम से
निःशुल्क डायलिसिस
सुविधा उपलब्ध है
24/7 इमरजेंसी सेवा उपलब्ध है
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें:
07662-314775,7771000668,777100669
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा

घर में सो रहा था परिवार, उधर चोरों ने पार कर दिए लाखों के आभूषण

सेमरिया थाना क्षेत्र के कौड़िहाई गांव में सामने आई घटना

जागरण, रीवा। सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कौड़िहाई में दो बेटियों की शादी की तैयारी कर रहे परिवार के ऊपर अब समस्याओं का अंबार टूट पड़ा है। घर में पूरा परिवार सोता रह गया और घर के अंदर घुसे आज्ञात चोरों ने जेवरातों से भारी अलमारी से लाखों रुपए के आभूषण पार कर दिए। अज्ञात चोरों ने अलमारी को तोड़कर उसमें रखे तकरीबन 15 लाख रुपए से ज्यादा कीमती सोने चांदी की जेवरात चुरा ले गए। पीड़ित परिवार द्वारा घटना की शिकायत सेमरिया थाने में दर्ज कराई गई है, पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात चोरों की पता तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में पीड़ित नाग नथिले पाठक निवासी ग्राम कौड़िहाई ने जानकारी देते हुए बताया कि वह खेती किसानी का काम करते हैं और दो बेटियों की शादी की तैयारी कर रहे हैं। जिसके लिए सोने चांदी के जवरात बनवाकर अलमारी में रखे हुए थे। पीड़ित ने बताया कि बीते 22-23 अप्रैल की दरमियानी रात घर के सभी सदस्य सो रहे थे, इसी दौरान घर में घुसे अज्ञात चोरों ने सभी दरवाजों में कुंडी लगा दी और जिस कमरे में अलमारी रखी थी वहां का ताला तोड़कर अलमारी को घर से तकरीबन 300 मीटर दूर खेत में उठा ले गए। जहां चोरों ने अलमारी तोड़कर उसके अंदर रखे तकरीबन 15 लाख रुपए कीमती सोने चांदी के जेवरात उठा ले गए। पीड़ित किसान ने बताया कि थोड़ा-थोड़ा कर जेवरातों को बेटी की शादियों के लिए बनवाए थे जिसे अज्ञात चोर पार कर दिये। वहीं पीड़ित के पुत्र ने बताया कि 27 और 28 अप्रैल की दरमियानी रात तकरीबन आधा दर्जन लोगों को घर के आसपास संदेहास्पद स्थिति में देखा था लेकिन डर के कारण वह घर के अंदर चला गया। फिलहाल पीड़ित परिवार अब पुलिस से न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है।

करहिया मंडी से बाइक चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

जागरण, रीवा। शहर की चोरहटा थाना पुलिस ने करहिया मंडी से बाइक चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद की ली है। पकड़ा गया आरोपी किराए के कमरे में रहता था जो मूलतः मऊगंज जिले का रहने वाला था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 21 अप्रैल को करहिया मंडी से आरोपी करन कोल पुत्र रातसखा कोल ने पल्सर बाइक क्रमांक एमपी 17 जेडडी 9202 की चोरी की थी। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने बाइक चोरी का मामला पंजीबद्ध कर सीसीटीवी फुटेज खंगाला जिसके बाद पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है।

नईगढ़ी से बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रीवा। नईगढ़ी पुलिस ने भी घर के पास खड़ी बाइक चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 12 अप्रैल को पीड़ित दिनेश तिवारी पिता मन्नीलाल तिवारी 42 साल निवासी अकौरी ने मामले की शिकायत नईगढ़ी थाना में दर्ज कराई थी। उमेश द्विवेदी 38 साल निवासी ग्राम मधेला थाना नईगढ़ी को गिरफ्तार किया है।

डॉ. अनुशा पाण्डेय
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑब्स एण्ड गायनी)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपिक सर्जन
संबंधित समस्याएँ
परामर्श समयः सुबह 11:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक प्रतिदिन
निःशुल्क परीक्षण कैम्प हर महीने की 15 तारीख को
श्री समाधान सोनोग्राफी सेंटर
8085813545

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
IUI, IVF, ICSI
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com